THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 78 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.5 2082 शुक्रवार, 19 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ◦ पृष्ठ : 16, मूल्य : 8 रुपये

पूर्व सीएम के सुरक्षाकर्मियों को हाईकोर्ट का नोटिस

कोच्चि, 18 जून (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के पांच पूर्व सुरक्षाकर्मियों से जवाब मांगा है। दरअसल, यह मामला 2023 में नव केरल सदास कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित हमले से है। कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत रद्द करने की याचिकाओं पर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सीएस डायस ने विशेष जांच टीम की उन याचिकाओं पर अनिल कुमार एस, संदीप एस, शैजू वीके, अरुण आर और विपिन वीवी को नोटिस जारी किया, जिनमें 9 जून को सत्र न्यायालय द्वारा उन्हें दी गई राहत को रद्द करने की मांग की गई थी। यूडीएफ सरकार ने घटना की फिर से जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया था।

वेतन निर्धारण का विकल्प चुनने में चूक गए देशभर के आईपीएस

देरी माफ करने और एक मौका देने की मांग

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के ज्यादातर अधिकारी अपने वेतन निर्धारण का विकल्प चुनने से चूक गए हैं। उन्हें 'आईपीएस' (वेतन) संशोधन नियम 2023, के अंतर्गत वेतन निर्धारण के लिए विकल्प चुनना था। यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। नतीजा, ज्यादातर आईपीएस ने गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि उनकी तरफ से हुई देरी को माफ किया जाए। आईपीएस अफसरों ने वेतन निर्धारण का एक और मौका देने की मांग की।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म : तय तारीख से एक दिन पहले समझौता

दोनों प्रेसिडेंट ने किए दस्तखत, ट्रम्प बोले-डील डन

वॉशिंगटन डीसी, 18 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प वर्साय पैलेस से बाहर आए।

इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'डील साइन हो गई है।' ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया। इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न

शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका-ईरान के अंतिम समझौते को प्रभावित करने की कोशिश में हैं। इजराइल टाइम्स के मुताबिक, वह दक्षिणपंथी मीडिया हस्तियों और इजराइल समर्थक अमेरिकी सांसदों के जरिए राष्ट्रपति ट्रम्प पर दबाव बनाना चाहते हैं। समझौते पर हस्ताक्षर और 60 दिन की वार्ता शुरू होने के बाद नेतन्याहू ने मार्क लेविन जैसे दक्षिणपंथी मीडिया चेहरों का सहारा लिया है। लेविन ने बुधवार को कहा कि यह समझौता समझ से परे है और ईरान के लिए प्रस्तावित पुनर्निर्माण फंड को 'बेहिसाब खर्च वाला फंड' बताया। नेतन्याहू ट्रम्प को मनाने के लिए इजराइल समर्थक अमेरिकी सीनेटरों की मदद लेने की भी कोशिश करेंगे। हालांकि कुछ नेताओं का रुख अब बदलता दिख रहा है। पहले ईरान पर और हमलों की मांग करने वाले सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ यह समझौता अमेरिका के हित में होगा।

होर्मुज से जहाजों की आवाजाही तेज

अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते पर साइन होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही तेज हो गई है। सऊदी अरब के झंडे वाले तीन बड़े तेल टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। अल जजीरा के मुताबिक, इन सुपरटैंकरों में करीब 60 लाख बैरल कच्चा तेल भरा हुआ था। साथ ही मरीनट्रैफिक के मुताबिक, फ्रांस के झंडे वाला एक एलएनजी टैंकर भी होर्मुज स्ट्रेट पार कर खाड़ी क्षेत्र से बाहर निकल गया है। कतर से भी एलएनजी लेकर निकला एक टैंकर अब होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहा है।

'भारत के लिए एआई का मतलब ऑल इंक्लूसिव'

पीएम मोदी-एफिल टावर पर चल रहा यूपीआई; तकनीक से बदल रहा देश

पेरिस, 18 जून (एजेंसियां)। फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी उत्सव 'विवाटेक 2026' के 10वें संस्करण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया।

इस साल इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में भारत 'एआई कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बड़े बदलाव के दौर में तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो हर किसी के काम आए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहा कि भारत के लिए 'एआई' का सीधा मतलब 'ऑल इंक्लूसिव' यानी सबका समावेश और सबका कल्याण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को दोनों क्षेत्रों के भविष्य के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में संपन्न हुआ

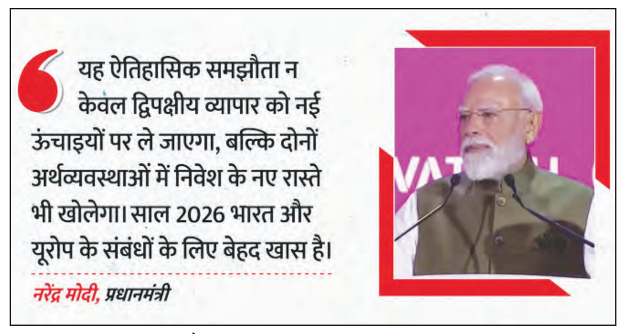

यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा।

यह टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नोलॉजी (तकनीक) और टूरिज्म (पर्यटन) के आदान-प्रदान के लिए कई नए रास्ते तैयार करेगा। इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' की शुरुआत के साथ फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण पुल की भूमिका निभा रहा है, जो भारत और पूरे यूरोप के टेक इकोसिस्टम को एक-दूसरे के बेहद करीब ला रहा है। वैश्विक निवेशकों और टेक कंपनियों को भारत में आमंत्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने कई बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट पूल है, जहां सरकार नियमों को आसान बनाकर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। इनोवेशन से लेकर प्रोडक्ट को मार्केट में उतारने तक के सफर के लिए भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर को 50 अरब डॉलर से अधिक के प्रोत्साहन राशि दे रही है।

2 दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने सुसाइड किया

कोयंबटूर, 18 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में नीट की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को वॉटसएप मैसेज भेजे थे। मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने नीट परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैंसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।'

वहीं, अहमदाबाद के न्यू रानीप इलाके में बुधवार रात करीब 2:30 बजे 17 साल के छात्र ने आनंदम फ्लैटस के ब्लॉक बी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस जांच में पता चला कि छात्र नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

पिछले दो दिनों में नीट स्टूडेंट की आत्महत्या का यह चौथा मामला है। इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 साल की रिया थापा और लखनऊ में 17 साल की एक छात्रा ने सुसाइड किया था।

शिक्षा-रोजगार के मुद्दे पर कांग्रेस का नया अभियान

राहुल गांधी की अपील-एकजुट हों युवा

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए 'छात्रों की गूंज' अभियान की शुरूआत की है।

उन्होंने युवाओं से इस मुहिम में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है। राहुल गांधी का कहना है कि इस अभियान का मकसद शिक्षा, परीक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को सीधे सरकार तक पहुंचाना है।

सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि अगर किसी छात्र ने पेपर लीक, परीक्षा में नकल या बहुत ज्यादा फीस का दर्द सहा है, तो यह अभियान उनके लिए है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था ने कई युवाओं के सपनों को तोड़ा है। कई परिवारों ने अपनी पूरी जिंदगी की कमाई बच्चों की पढ़ाई में लगा दी है। ऐसे में 'छात्रों की गूंज' उन सभी युवाओं की आवाज बनेगा।

राहुल गांधी ने इसे सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि एक मंच बताया है। इसके जरिए सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और सम्मानजनक रोजगार की मांग सरकार के सामने रखी जाएगी।

उद्धव की शिवसेना की बैठक, सिर्फ 3 सांसद पहुंचे : बाकी 6 को नोटिस जारी

मुंबई, 18 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में 9 में से सिर्फ 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे।

पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी कर दिल्ली में होने वाली बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया था। बैठक में पहुंचे सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जो सांसद नहीं आए पार्टी उनके खिलाफ नोटिस जारी करेगी। यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में आएगा वो हमारे साथ है, जो नहीं आएगा वो गद्दार। गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र पुलिस को 6 बागी सांसदों वाई+ सिक्योरिटी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, 6 सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। उधर संजय राउत ने लगातार दूसरे दिन बागी सांसदों को गाली दी।

आशुतोष ब्रह्मचारी पर हमले के मामले में शंकराचार्य को क्लीनचिट

प्रयागराज ट्रेन से प्रयागराज आ रहे आशुतोष ब्रह्मचारी के ऊपर हमला करवाने के आरोपी शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों को जीआरपी पुलिस की तरफ से क्लीनचिट मिल गई है। जांच कर रहे इंस्पेक्टर एके सिंह को कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले, जिससे आरोप सिद्ध हो सके। सीसीटीवी फुटेज और ट्रेन अटेंडेंट के बयान में भी कोई हमलावर ट्रेस नहीं हुआ। तकनीकी और चिकित्सीय जांच में भी आरोपों की पुष्टि नहीं हुई, तो मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके सहयोगियों पर आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया था कि अदालत में पेशी के लिए प्रयागराज आते समय शंकराचार्य ने अपने समर्थकों से

ट्रेन में उनके ऊपर हमला करवाया। जिसकी एफआईआर जीआरपी थाने में आशुतोष ने दर्ज करवाई थी, जिसमें जांच के दौरान मामला फर्जी पाया गया। जिसके चलते शंकराचार्य को क्लीनचिट दे दी गई है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के ऊपर बटुकों के यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी 8 मार्च को जब रीवा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे, तो उनके ऊपर हमला हुआ था, वो बाथरूम में बचने को भागे थे, लेकिन वहां भी हमलावर घुसकर उनकी नाक पर चाकू से वार किया। शरीर में भी चोट लगी थी। ऐसे आरोप आशुतोष ने लगाए थे। बता दें कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद के खिलाफ झूंसी थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज है। आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट के आदेश के क्रम में यह FIR लिखी गई है। झूंसी पुलिस पीड़ितों से पूछताछ कर चुकी है। नाबालिगों के साथ कुकर्म का आरोप लगा है, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट से नाबालिग बटुकों से यौन शोषण मामले में भी आरोपी शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को अग्रिम जमानत दे दी है। वहीं, आशुतोष ब्रह्मचारी ने भी यूटर्न ले लेते हुए कहा था कि उन्होंने अपने ही गुरु भाई रामचंद्र दास पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा था कि उनके कहने पर ही एफआईआर दर्ज कराई थी।

टेलीग्राम बैन पर सुनवाई : कोर्ट में हुई तीखी बहस

आदेश में कानूनी खामियों का दावा अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में सुनवाई हुई। टेलीग्राम ने केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति तेजस कारिया की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। टेलीग्राम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने अपना पक्ष रखा। फिलहाल अदालत ने टेलीग्राम की बैन को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा अदालत में पेश हुए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से अंतिम आदेश पर दलीलें देने को कहा। ध्रुव मेहता ने आदेश में कानूनी खामी बताई। उन्होंने कहा कि यह केवल अंतरिम निर्देश की पुष्टि करता है। हाईकोर्ट ने इसे एक स्वतंत्र आवश्यकता बताया। कोर्ट ने कहा कि आदेश की पुष्टि या उसे पलटना हर मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है। ध्रुव मेहता ने एक प्रावधान का जिक्र किया। इसके अनुसार सचिव का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है। उन्हें लिखित में कारण बताते हुए निर्देश जारी करने का अधिकार है। उपलब्ध जानकारी पर सोच-विचार आदेश में होना चाहिए।

कोर्ट ने ध्रुव मेहता के तर्कों को दोहराया। उन्होंने प्रतिबंध के अधिकार के स्वरूप पर सवाल उठाया। ध्रुव मेहता का कहना था कि यह आपातकालीन स्थिति नहीं है। उनका तर्क था कि केवल जानकारी को ब्लॉक किया जा सकता है, पूरे एप को नहीं। उन्होंने सचिव द्वारा सोच-समझकर निर्णय लेने और आनुपातिकता के सिद्धांत पर भी जोर दिया। ध्रुव मेहता ने 16 जून के विवादित संचार का जिक्र किया। कोर्ट ने आपातकालीन स्थितियों से निपटने के प्रयासों पर सवाल उठाए।

टेरर फंडिंग से चुकाई एमबीबीएस की फीस

नहीं मिलेगी डिग्री, मद्रास हाई कोर्ट ने खारिज की स्टूडेंट की याचिका

चेन्नई, 18 जून (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट से एमबीबीएस की एक छात्रा को जोरदार झटका लगा है। मद्रास हाई कोर्ट ने अपने सिंगल बेंच के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है, जिसमें मेडिकल की एक छात्रा को उसके शिक्षण संस्थान से कोर्स और एमबीबीएस डिग्री सर्टिफिकेट जारी किए जाने का आदेश देने की मांग वाली अर्जी ठुकरा दी गई थी।

लाइव लॉ डॉट इन की एक रिपोर्ट के अनुसार मद्रास हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरूल मुरुगन की बेंच ने कहा कि चेत्तिनाद एकैडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन को संबंधित छात्रा ने एमबीबीएस कोर्स के दौरान जो एमबीबीएस कोर्स की फीस चुकाई, उसे नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने इन आरोपों में सीज किया है कि वह माओवादी गतिविधियों के दौरान जबरन उगाई से जुटाई गई थी। हाई कोर्ट की बेंच ने कहा कि अगर छात्रा वास्तव में बेकसूर है तो वह जब्त की गई रकम को रिलीज करवाने के लिए एनआईए स्पेशल कोर्ट से संपर्क कर सकती है। अदालत ने कहा कि संबंधित कॉलेज से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह फीस वापस पाने के लिए एनआईए के खिलाफ जाए अदालत में जाए। अगर याचिकाकर्ता को लगता है कि वह पूरी तरह से बेकसूर है और दावा करती है कि वह फंड वैध था, तो उसे सक्षम स्पेशल कोर्ट से ही राहत मिल सकती है, एनआईए की ओर से जब्त फंड रिलीज करवाने में। हम एक निजी शिक्षण संस्थान पर यह दबाव नहीं डाल सकते हैं कि याचिकाकर्ता के द्वारा जमा की गई फीस की रकम को एनआईए से निकलवाने के लिए कानूनी लड़ाई का बोझ ले। अदालत ने साफ किया कि एनआईए केस में छात्रा को भले ही आरोपी नहीं बनाया गया हो, लेकिन वह अपराध से जुटाई गई रकम पर दावा नहीं कर सकती। हाई कोर्ट ने कहा कि जैसे ही एनआईए ने कोर्स फीस जब्त कर लिया, कानूनी तौर पर उसकी फीस बकाया हो गई। हाई कोर्ट ने कहा कि जब कॉलेज को स्टूडेंट से फीस मिली ही नहीं, तो उससे जबरन सर्टिफिकेट जारी करवाना घोर अन्याय होगा।

बागी गुट के विधायक ऋतब्रत बनर्जी अभी बने रहेंगे नेता विपक्ष

कोलकाता, 18 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने फिलहाल बागी टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता (एलओपी) बनाए जाने के फैसले पर

रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम फैसला नहीं दिया है। इसका मतलब है कि फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के नेता बने रहेंगे। लेकिन अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की आगे सुनवाई करेगी। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अदालत में याचिका दायर कर कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने उनकी दावेदारी खारिज कर गलत तरीके से बागी टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त कर दिया।

हालांकि, हाई कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम राहत नहीं दी। यानी फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के नेता बने रहेंगे। लेकिन अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की आगे सुनवाई करेगी। अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

'बागी सांसदों को 10 करोड़ और दिए गए'

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बागी सांसदों को लेकर एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बागी सांसदों को 10 करोड़ रुपये और दिए गए हैं।

इससे पहले संजय राउत ने दावा किया था कि सांसदों को 15 करोड़ रुपये एडवांस दिए गए हैं। साथ ही संजय राउत ने बागी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि हम 'ऑपरेशन तोड़वा' शुरू करेंगे। संजय राउत ने कहा कि अगर बागी सांसदों में थोड़ी भी नैतिकता है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। संजय राउत ने बागी सांसदों को गद्दार कहते हुए उनकी बढ़ी हुई सुरक्षा वापस लेने की मांग की। सांसद संजय राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पहले लोकसभा की प्रक्रिया पूरी हो जाने दीजिए। बाकी सब बाद में होगा।

अमेरिकी राजदूत गोर की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

आतंकवाद और नशीले पदार्थों समेत कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, नशीले पदार्थों और गैर कानूनी ड्रग्स से बचाने समेत सीमा सुरक्षा जैसे अन्य मुद्दों पर बातचीत की। अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह के साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। आतंकवाद से लड़ने, अपने लोगों को नशीले पदार्थों और गैर-कानूनी ड्रग्स से बचाने, अपनी सीमा को सुरक्षित करने और दोनों देशों में मिलकर अपराधियों को सजा दिलाने के लिए मिलकर काम करने पर हमारी अच्छी चर्चा हुई।

बता दें, फ्रांस में जी-7 सम्मेलन से इतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय बैठक के बाद गोर ने गृह मंत्री शाह से मुलाकात की है। गोर गुरुवार को फ्रांस से भारत लौटे हैं। पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात को लेकर अमेरिकी राजदूत ने लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच एक बहुत ही फायदेमंद द्विपक्षीय मीटिंग हुई। दोनों नेताओं ने जी-7 समिट के दौरान व्यापार क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने पर अहम बातचीत की। बता दें, प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और दोनों देशों के नागरिकों के आपसी संबंधों में हो रही निरंतर प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल करने की दिशा में हुई प्रगति का स्वागत करता है।

थरूर ने ड्राइवर का उदाहरण देकर समझाया परिसीमन का गणित

ऐसे होगा छोटे राज्यों को नुकसान

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की दलीलों का कड़ा विरोध किया है। थरूर ने एक उदाहरण के जरिए समझाया कि अगर सभी राज्यों की सीटें एक समान अनुपात में बढ़ाई जाती हैं, तब भी बड़े राज्यों का राजनीतिक प्रभाव छोटे राज्यों के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा।

यह विवाद केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव से जुड़ा है जिसमें लोकसभा की सीटों को बढ़ाने की बात कही गई है। नायडू ने इस प्रस्ताव का बचाव किया था। इसके जवाब में थरूर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, नायडू जी, मान लीजिए आपका वेतन दो लाख रुपये है और आपके ड्राइवर का वेतन 20 हजार रुपये है। अब आप दोनों के वेतन में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हैं। आपका वेतन तीन लाख हो जाएगा और ड्राइवर का 30 हजार। प्रतिशत के हिसाब से बढ़त बराबर है, लेकिन क्या आप अपने ड्राइवर के मुकाबले पहले से कहीं ज्यादा बेहतर स्थिति में नहीं आ गए? थरूर ने तर्क दिया कि दक्षिण भारतीय राज्यों के मुख्यमंत्रियों की यही असली चिंता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और केरल का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश के सांसदों की संख्या 80 से बढ़कर 120 हो जाती है और केरल की संख्या 20 से बढ़कर 30 होती है, तो संख्या का अनुपात भले ही न बदले, लेकिन राजनीतिक वजन में बड़ा अंतर आ जाएगा।

सुरनकोट में हादसा गलती से चल गई गोली नायक बीडी राव की गई जान

जम्मू, 18 जून (एजेंसियां)। पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में एक दुखद घटना हुई है। सेना के एक जवान की गलती से गोली चलने के कारण मौत हो गई। इस घटना से सैन्य समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। मृतक जवान की पहचान नायक बीडी। राव के तौर पर हुई है। उनका पूरा नाम नायक बंडारू देवेंद्र राव था। वे भारतीय सेना की 16 आरआर (एएससी) इकाई में कार्यरत थे। वे ओडिशा के तातिपती परलाखेमुंडी गांव के निवासी थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना ड्यूटी के दौरान हुई बताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नायक राव अपने हथियार की जांच कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई और उन्हें गंभीर चोट लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तत्काल पास के सैन्य अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का हर संभव प्रयास किया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

उद्धव ठाकरे के 6 सांसदों के अलग होने पर आया कांग्रेस का पहला रिएक्शन

विपक्ष के मनोबल को तोडा जा रहा है

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना टूट गई है। यूबीटी के 9 में से 6 विधायक अलग हो गए हैं और वो एकनाथ शिंदे की पार्टी में विलय होना चाहते हैं। इस टूट पर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विपक्ष का मनोबल को तोडा जा रहा है। संविधान और लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री तोड़फोड़ और धमकी की राजनीति कर रहे हैं। ये लोग कुछ भी कर लें इस सरकार को दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए अलग-अलग स्कीम लाई जा रही है।

जयराम रमेश ने कहा, 'घटनाक्रम को समझिए, 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में गृह मंत्री को अपमान का सामना करना पड़ा था, जब संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका क्योंकि उन्हें सदन में 2/3 बहुमत नहीं मिल पाया था। तमाम कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री को 2/3 बहुमत नहीं मिला। इससे गृह मंत्री और प्रधानमंत्री बहुत नाराज़ हुए और अब वे अलग-अलग पार्टियों को तोड़ने में लगे हैं।' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि उन्हें 2/3 बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसा विपक्ष का मनोबल गिराने के लिए किया जा रहा है। यह संविधान और हमारे लोकतंत्र पर हमला है। कभी सरदार पटेल जिस पद पर थे, उसी पद पर रहते हुए मौजूदा गृह मंत्री ऐसी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये 'नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस' नहीं, बल्कि 'नेशनल डिफेक्टर अलायंस' है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह इंडिया गठबंधन बनाम एनडीए की लड़ाई है तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, 'हमारे सामने चुनौती यह है कि संसद का मॉनसून सत्र आने वाला है और गृह मंत्री ने दावा किया है कि अगर उन्हें उससे पहले 2/3 बहुमत मिल जाता है तो वे संसद का विशेष सत्र बुलाएंगे। इसलिए, वे अपनी संख्या बढ़ाने में लगे हुए हैं।'

गृह मंत्री को लोकसभा में 2/3 बहुमत मिलने का भरोसा था, इसीलिए उन्होंने 16 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाया था, लेकिन विपक्ष एकजुट रहा और उन्हें (बीजेपी को) संविधान संशोधन विधेयक पर केवल 298 वोट मिले। वे अब साइकलॉजिकल गेम खेल रहे हैं। 17 अप्रैल से उन्होंने बदले की राजनीति की नीति अपनाई है।' शिवसेना यूबीटी के 9 में से 6 सांसदों ने गुट बनाकर स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है और उन्हें एकनाथ शिंदे में मर्जर को लेकर पत्र भी सौंप दिया है।

बगावत करने वालों में शिर्डी से सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे, आष्टीकर हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल, मुंबई नॉर्थ-ईस्ट से सांसद संजय दीना पाटिल, परभणी से सांसद संजय हरिभाऊ जाधव, निंबालकर उस्मानाबाद से सांसद ओमप्रकाश राजे, यवतमाल से संजय देशमुख शामिल हैं।

टीएमसी के 28 में से 20 सांसद अलग हो गए और उन्होंने अपना मर्जर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में कर लिया है। बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपने के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ काम करेंगे।

नाव पर खाना पका रही थी महिला पीछे से कूद पड़ा रॉयल बंगाल टाइगर, सुंदरवन में बड़ा हादसा

कोलकाता/कुलतली, 18 जून (एजेंसियां)। दक्षिण 24 परगना के सुंदरवन में बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) के हमले में एक महिला की जान चली गई। वह नदी में केकड़े पकड़ने गई थी, लेकिन बाघ के पंजों ने 35 वर्षीय वंदना दास की जान ले ली। यह घटना बुधवार दोपहर बाद की है। वंदना दास के असहाय पति ने इस दुखद घटना को अपनी आंखों से देखा है। खबर मिलते ही कुलतली पुलिस स्टेशन ने अस्पताल से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वंदना का घर कुलतली ब्लॉक के गुरगुरिया-भुवनेश्वरी ग्राम पंचायत के गौरेर चक गांव में है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, 12 जून को वंदना और उनके पति जयनगर घाट से सुंदरवन में कलास शिविर के पास स्थित फुलबारी जंगल के लिए एक छोटी नाव से निकले थे। वे नदी में केकड़े और मछली पकड़ने गए थे। जब वंदना नाव में खाना बना रही थीं, तभी अचानक जंगल से एक रॉयल बंगाल टाइगर उन पर झपटा। वंदना के पति ने पुलिस को बताया कि बाघ ने वंदना की गर्दन पर काट लिया और उन्हें घसीटकर घने जंगल में ले जाने की कोशिश की।

अल नीनो के असर को कम करने के लिए फसल उगाने के तरीकों पर ध्यान दें: सीएम नायडू

अमरावती, 18 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अल नीनो की वजह से मौसम में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए फसल उगाने की खास रणनीतियों पर ध्यान दें। मौसम में हो रहे इन बदलावों के अनुसार ढलने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने अलग-अलग तरह की फसलें उगाने के मौकों को तलाशने पर ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पिछले साल के अनुभवों के आधार पर किसानों को खेती, कमर्शियल और बागवानी वाली फसलों के लिए सबसे अच्छे तरीकों के बारे में जानकारी दें।

सचिवालय में कृषि, बागवानी और मछली पालन क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने राज्य के किसानों के बीच बड़े पैमाने पर प्राकृतिक खेती को अपनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। यह देखते हुए कि ग्लोबल मार्केट में ऑर्गेनिक और प्राकृतिक सर्टिफिकेशन को ज़्यादा अहमियत दी जा रही है, उन्होंने खेती करने वाले समुदाय को वैज्ञानिक खेती के तरीकों और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के बारे में जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुद उन कार्यक्रमों में शामिल होंगे जिनका मकसद किसानों को खेती के इन टिकाऊ तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बैठक के दौरान, राज्य की मुख्य फसलों जैसे मिर्च, तंबाकू और तोतापुरी आम - के बारे में खास निर्देश जारी किए गए। तंबाकू उगाने वालों के हितों की रक्षा के लिए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तंबाकू खरीदने वालों के साथ तुरंत एक रणनीतिक बैठक करने और स्टोरेज के ऐसे बेहतर तरीके खोजने का आदेश दिया, जिनसे किसान अपना स्टॉक तब तक रख सकें जब तक उन्हें बाज़ार में अच्छी कीमत न मिल जाए। इसके अलावा, उन्होंने विभाग को ज़्यादा मांग वाली दालों की खेती को बढ़ावा देने के लिए व्यापक योजनाएं बनाने का निर्देश दिया, ताकि स्थानीय किसानों का मुनाफ़ा बढ़ सके।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने ई-स्टाम्प घोटाले पर सीआईडी से रिपोर्ट मांगी

अमरावती, 18 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) से एक कथित बड़े ई-स्टाम्प घोटाले की जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी। इस घोटाले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के कल्याणदुर्ग एमएलए अमिलिनेनी सुरेंद्र बाबू और उनकी कंपनी, एसआरसी इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम शामिल है। चीफ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस निनाला जयसूर्या की डिवीजन बेंच ने अनंतपुर के पूर्व सांसद तलारी रंगाया की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए।

याचिकाकर्ता ने इस कथित घोटाले की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई), एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) से कराने और इसकी निगरानी कोर्ट द्वारा किए जाने की मांग की है। उनका दावा है कि यह घोटाला लगभग 2,500 करोड़ रुपये का है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट पोन्नावोलु सुधाकर रेड्डी ने तर्क दिया कि एमएलए सुरेंद्र बाबू ने इन कथित अनियमितताओं में अहम भूमिका निभाई थी।

आंध्र प्रदेश के एमए और यूडी के हाई-लेवल डेलिगेशन ने सिंगापुर में स्टडी टूर पूरा किया

अमरावती, 18 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश को सुनियोजित शहरीकरण के मामले में दुनिया भर में एक मिसाल बनाने के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के विज़न के तहत, म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन एंड अर्बन डेवलपमेंट (एमए और यूडी) विभाग के एक हाई-लेवल डेलिगेशन ने सिंगापुर का एक खास स्टडी टूर पूरा किया है। यह दौरा शहरी योजना, इनोवेशन-आधारित विकास और वैज्ञानिक तरीके से ठोस कचरा प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) में दुनिया भर में अपनाए जा रहे बेहतरीन तरीकों को समझने के लिए किया गया था। इससे मिली जानकारी का मकसद ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती और राज्य के अन्य प्रमुख शहरी केंद्रों के विकास में तेज़ी लाना है।

इस हाई-लेवल डेलिगेशन में एमए और यूडी मंत्री पोंगुरु नारायण, प्रमुख सचिव एस। सुरेश कुमार और एपीसीआरडीए के अतिरिक्त आयुक्त जी। सूर्य साई प्रवीणचंद शामिल थे। इन्होंने सिंगापुर के प्रमुख संस्थानों के साथ खास बातचीत की। इस दौरे का मकसद वैश्विक योजना के अनुभवों को स्थानीय स्तर पर लागू करने के तरीकों से जोड़ना था, ताकि राज्य का शहरी विस्तार टिकाऊ, लोगों पर केंद्रित और आर्थिक रूप से फायदेमंद बना रहे। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के तहत आने वाले मल्टी-डिसिप्लिनरी प्लेटफ़ॉर्म 'एनयूएस सिटीज़' में, डेलिगेशन ने राजधानी क्षेत्र के लिए तैयार किए गए ज्ञान-साझाकरण के एक व्यापक ढांचे को समझा।

चूंकि अमरावती दुनिया के कुछ बड़े पैमाने के ग्रीनफील्ड राजधानी प्रोजेक्ट्स में से एक है, इसलिए, इसमें शुरुआती चरणों से ही ज़मीन के इस्तेमाल, आवागमन, पर्यावरण सुरक्षा, आवास और टेक्नोलॉजी को एक साथ लाने का एक अनोखा मौका मिलता है। बातचीत मुख्य रूप से जलवायु के प्रति लचीलेपन (क्लाइमेट रेज़िलिएंस), भविष्य की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर योजना बनाने वाले सिस्टम और डेटा-आधारित शहर प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता का लाभ उठाने पर केंद्रित रही।

आरटीसी जेएसी: आंध्र प्रदेश में ई-बसों के प्राइवेटाइजेशन का कदम वापस लें

अमरावती, 18 जून (एजेंसियां)। एपीएसआरटीसी कर्मचारी जॉइंट एक्शन कमिटी (जेएसी) ने मांग की है कि एपी सरकार नई इलेक्ट्रिक बसों को प्राइवेट ऑपरेटरों के ज़रिए चलाने का अपना फ़ैसला वापस ले। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस कदम पर दोबारा विचार नहीं किया गया, तो वे पूरे राज्य में आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने 23 और 24 जून को विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। विजयवाड़ा में एक बैठक को संबोधित करते हुए, जेएसी नेता वाई। श्रीनिवास राव ने साफ़ किया कि कर्मचारी इलेक्ट्रिक बसें लाने के ख़िलाफ़ नहीं हैं, बल्कि वे आरटीसी के कामकाज के प्राइवेटाइज़ेशन के ख़िलाफ़ हैं। जेएसीनेताओं ने राज्य सरकार और एपीएसआरटीसी मैनेजमेंट से आग्रह किया कि वे इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए केंद्र सरकार से मिल रहे इंसेंटिव और सब्सिडी का इस्तेमाल करें और सीधे एपीएसआरटीसी के ज़रिए गाड़ियां खरीदें। उन्होंने ज़ोर दिया कि बसों को प्राइवेट ऑपरेटरों के बजाय आरटीसी कर्मचारियों द्वारा ही चलाया जाना चाहिए। कर्मचारी यूनियनों ने आरोप लगाया कि सरकार स्टाफ़ संगठनों की राय पर विचार किए बिना न केवल इलेक्ट्रिक बस संचालन, बल्कि डिपो की कीमती ज़मीनें भी लीज़ एग्रीमेंट के तहत प्राइवेट एजेंसियों को सौंपने की कोशिश कर रही है।

नक्सल-मुक्त कंधमाल में एक्शन

पुलिस ने चलाया मल्टी-पार्टी सर्च ऑपरेशन कोटगढ़ के जंगलों से हथियारों का जखीरा जब्त

संबलपुर, 18 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों को माओवादियों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। खुफिया तंत्र से विशेष इनपुट मिला था। इसके आधार पर कार्रवाई करते हुए कंधमाल जिला पुलिस ने कोटगढ़, बालीगुडा और तुमुडीबंध थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सीतागुड़ा, गंजुगुड़ा, कुटीबरही, गुड़िक्या और लांजम के जंगलों में एक बड़ा मल्टी-पार्टी सर्च ऑपरेशन चलाया।

इस अभियान के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में माओवादियों के हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए हैं। इस सघन तलाशी अभियान में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की दो टीमें और डिस्ट्रिक्ट वॉलंटरी फोर्स (डीवीएफ) की एक टीम शामिल थी। कोटगढ़ थाना क्षेत्र के घने जंगलों में छिपे माओवादियों के ठिकाने से हथियारों की यह बड़ी खेप बरामद हुई।

किसी भी अप्रिय घटना के खतरे को टालने के लिए बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पूरे इलाके को बारीकी से खंगाला। पुलिस द्वारा सफलतापूर्वक जब्त किए गए जखीरे में एक .303 राइफल, दो 12-बोर बंदूकें, दो सिंगल-शॉट बंदूकें, लकड़ी के बट वाली एक 8 एमएम बंदूक, एक .303 मैगज़ीन, .303 एमुनेशन के 18 राउंड, 12-बोर कार्ट्रिज के 10 राउंड, 8 एमएम एमुनेशन के 35 राउंड, 10 मीटर कोडेक्स वायर और पांच इलेक्ट्रिक डेटोनेटर शामिल हैं। इसके अलावा दैनिक उपयोग की कई सामग्री और फील्ड इक्विपमेंट भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस प्रशासन ने पुष्टि की है कि ये सभी हथियार और आपत्तिजनक सामग्रियां प्रतिबंधित माओवादी कैडर की थीं। गौरतलब है कि नेशनल एंटी-नक्सल स्ट्रेटजी के तहत कंधमाल जिला 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से नक्सल-मुक्त होने का अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है। इसके बावजूद, सुरक्षा बल दूर-दराज के जंगली और पहाड़ी इलाकों में माओवादियों के पुराने और गुप्त ठिकानों को पूरी तरह नष्ट

सीमा पार से आई हथियारों की खेप सहित आठ आरोपी गिरफ्तार, 11 पिस्तौल बरामद

अमृतसर, 18 जून (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने सीमा पार अवैध हथियार तस्करी से जुड़े एक मामले में कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 11 अत्याधुनिक पिस्तौल और आठ कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बरामद हथियार आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे कुछ व्यक्तियों के संपर्क में थे, जो अवैध हथियारों की आपूर्ति से जुड़े हुए हैं। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि हथियारों को विभिन्न आपराधिक तत्वों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि नेटवर्क का दायरा कितना व्यापक है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस संबंधी थाना एयरपोर्ट, थाना सदर और थाना छेहरटा में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जांच के दौरान नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान, हथियारों की आपूर्ति के स्रोत और संभावित प्राप्तकर्ताओं के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है। इसके तहत नेटवर्क के पीछे काम कर रहे अन्य व्यक्तियों की पहचान करने, संपर्क सूत्रों का पता लगाने और आगे की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों का संबंध किसी अन्य आपराधिक गतिविधियों से तो नहीं है। पंजाब पुलिस ने कहा कि अवैध हथियार तस्करी, सीमा पार तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा

मंगलगिरि आंध्र प्रदेश में एक मॉडल निर्वाचन क्षेत्र के रूप में उभरेगा: मंत्री नारा लोकेश

अमरावती, 18 जून (एजेंसियां)। एचआरडी मंत्री नारा लोकेश ने व्यापक बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से मंगलगिरि को सभी क्षेत्रों में राज्य का नंबर एक निर्वाचन क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है। निर्वाचन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के लिए आधारशिला रखने और उद्घाटन समारोहों की एक श्रृंखला के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए, लोकेश ने अपनी राजनीतिक यात्रा पर विचार किया और मंगलगिरि के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण रेखांकित किया।

2019 के विधानसभा चुनावों में 5,300 वोटों के अंतर से अपनी हार को याद करते हुए, लोकेश ने कहा कि इस झटके ने उन्हें लोगों से सीधे जुड़ने और उनकी चिंताओं को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने 2024 के चुनावों में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और उन्हें 53,000 वोटों के बहुमत से चुना, जो आंध्र प्रदेश में तीसरा सबसे बड़ा बहुमत था।

उन्होंने कहा, लोगों ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया है। चुनाव के बाद पहले दिन से ही हमने मंगलगिरि के विकास के लिए योजनाएं बनाना शुरू कर दिया था। मंत्री ने कई चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें पीने के पानी की आपूर्ति योजनाएं, भूमिगत जल निकासी और बिजली नेटवर्क, 100 बिस्तरों वाला अस्पताल, पार्क, झीलें, सामुदायिक हॉल और बेहतर श्मशान सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने डुग्गीराला में अन्ना कैंटीन के उद्घाटन और सार्वजनिक पुस्तकालयों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। लोकेश ने कहा कि मंगलगिरि अभूतपूर्व विकास देख रहा है, जिसमें 1,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक बड़ी भूमिगत जल निकासी परियोजना शुरू की जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे नरेश कुमार के साथ 7.8 करोड़ की ऑनलाइन ठगी, दिल्ली पुलिस ने 4 करोड़ फ्रीज कराए

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे नरेश कुमार गुजराल के साथ साइबर ठगी हुई है। ठग ने उनके कर्मचारी को झांसा देकर 7.8 करोड़ रुपये खाते में ट्रांसफर करा लिए। दिल्ली पुलिस ने इनमें से 4 करोड़ रुपए फ्रीज करा दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे के साथ ऑनलाइन ठगी के मामले में दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मंगलवार को ई-एफआईआर दर्ज की थी।

पुलिस के मुताबिक, सात करोड़ 80 लाख रुपये की ठगी हुई है। इनमें से 4 करोड़ के करीब रकम फ्रीज करा दी गई है। पूर्व सांसद नरेश कुमार गुजराल के साथ ठगी हुई है। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे हैं। ठग ने नरेश गुजराल की फोटो लगाकर उनके कर्मचारी को व्हाट्सएप पर मैसेज किया और नरेश गुजराल बनकर बातचीत की। ठग ने मीटिंग में होने की बात कहकर एक अकाउंट नंबर में आरटीजीएस के जरिए पैसे ट्रांसफर करवाए। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक ठग के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। ठगों ने नरेश कुमार गुजराल की फाइनेंस टीम के सबसे भरोसेमंद व्यक्ति को मैसेज किया था।

व्हाट्सएप पर मैसेज मिलने के बाद कर्मचारी ने चार आरटीजीएस ट्रांजैक्शन किए। 12 से 16 जून के बीच हुए ट्रांजैक्शन में लगभग आठ करोड़ रुपयों का लेनदेन हुआ। इसके बाद साइबर फ्रॉड का खुलासा हुआ। पैसों के लिहाज से देखा जाए तो यह दिल्ली में हाल के समय में सबसे बड़ा साइबर फ्रॉड है। नरेश गुजराल के कर्मचारी ने जब उनकी बेटी को पैसों के लेनदेन के बारे में बताया तो उन्होंने नरेश को फोन कर बात की। नरेश ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है। इसके बाद परिवार को साइबर ठगी का एहसास हुआ। नरेश की बेटी दीक्षा ने तुरंत साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन 1930 में फोन कर ई-एफआईआर दर्ज कराई। अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ठगी की लगभग 70 फीसदी रकम फ्रीज कर दी। इस वजह से नरेश गुजराल को होने वाला नुकसान बहुत हद तक कम हो गया। उन्होंने अधिकारियों की तारीफ भी की।

इस्लामाबाद में बना कॉल सेंटर, दिल्ली को दहलाने की हो रही है साजिश

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े हैंडलर शहजाद भट्टी के नेटवर्क के 8 सदस्यीय आतंकी मॉड्यूल का हुआ पर्दाफाश। पहले गिरफ्तार 3 आरोपियों के अलावा अब 5 और आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। आरोपियों को दिल्ली और आसपास के राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था। साथ ही आरोपियों को आईएसआई समर्थित कथित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) का प्रचार करने के भी निर्देश दिए गए थे। दिल्ली-एनसीआर में टीटीएच के समर्थन में ग्रैफिटी (दीवारों पर लिखावट) और पोस्टर लगाने का काम किया जा रहा था।

टीटीएच ने हाल ही में पंजाब के अमृतसर (मजीठा) में आईएसआई की हत्या की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया था। पुलिस ने 5 अवैध हथियार और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए। शहजाद भट्टी नेटवर्क के सदस्य आबिद जट्ट के पोस्टर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। साथ ही पुलिसकर्मियों की रेकी और उन्हें धमकाने वाले वीडियो भी मिले हैं।

'सीसीटीवी से नजर, पड़ोसियों से बातचीत पर रोक'

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता ने की आत्महत्या

ठाणे, 18 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से दहेज के चलते आत्महत्या का मामला सामने आया है। अंबरनाथ में 26 वर्षीय नवविवाहिता ने शादी के महज डेढ़ महीने बाद दहेज के लिए हो रही प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस ने केस दर्ज कर मृतका के डॉक्टर पति को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पति ने उसकी हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए घर के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। पड़ोसियों से बात करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी और मायके से पैसे तथा गहने लाने के लिए लगातार दबाव बनाया जाता था। मृतका का नाम विशाखा टिळेकर (26) था। उसकी शादी 30 अप्रैल 2026 को अंबरनाथ निवासी डॉक्टर नितीन टिळेकर से हुई थी। परिजनों के अनुसार शादी से पहले सब कुछ सामान्य था, लेकिन शादी के बाद विशाखा को दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। शादी में अपेक्षित मान-सम्मान नहीं मिलने और मायके से पैसे व गहने नहीं लाने को लेकर उसे लगातार परेशान किया जाता था। आरोप है कि डॉक्टर नितीन टिळेकर ने पत्नी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए घर के भीतर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। विशाखा को अपने मायके वालों से बात करने तक की अनुमति नहीं थी। दो दिन पहले पड़ोस की एक महिला से बातचीत करने पर पति ने उसके साथ मारपीट भी की थी।

आत्महत्या से पहले विशाखा ने अपनी मां को अपने साथ हो रही प्रताड़ना की जानकारी दी थी। उसके माता-पिता उसे मायके ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इससे पहले ही विशाखा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने, दहेज प्रताड़ना समेत कई धाराओं के तहत पति डॉक्टर नितीन टिळेकर और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने डॉक्टर नितीन टिळेकर को गिरफ्तार कर लिया है।

कुपवाड़ा पुलिस ने त्रेहगाम में एक ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार, चरस बरामद

कुपवाड़ा, 18 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत त्रेहगाम पुलिस ने एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। त्रेहगाम पुलिस स्टेशन की एक टीम क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं।

पुलिस कर्मियों ने उसे रोककर पूछताछ की और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से चरस जैसा नशीला पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान नदीम अहमद गोजरी के रूप में हुई है। बरामद पदार्थ को मौके पर ही पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया और आगे की जांच के लिए, पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद नशीले पदार्थ की मात्रा और उसके स्रोत के संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

विचार: कभी-कभी हम दूसरों को बदलने के लिए बाध्य करते हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि वे वैसे ही बनें, जैसा हम चाहते हैं

नकली पनीर पर बड़ी कार्रवाई 825 किलो संदिग्ध उत्पाद जब्त

छापेमारी में 45 दुकानों और 8 विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की टास्क फोर्स और संबंधित विभागों ने पनीर के नाम पर बेचे जा रहे मिलावटी और भ्रामक उत्पादों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है।

छापेमारी के दौरान लगभग 45 दुकानों और 8 विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया, जिसमें करीब 825 किलोग्राम संदिग्ध मिलावटी एवं मिसब्रांडेड उत्पाद जब्त किए गए। जांच में सामने आया कि कई खाद्य व्यवसाय संचालक (एफबीओ) कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 'चीज़ एनालॉग' उत्पाद खरीदकर उसे पनीर, मलाई पनीर या मिल्क पनीर के नाम पर बेच रहे थे।

यह उत्पाद वनस्पति वसा और गैर-दुग्ध सामग्री से तैयार किया जाता है, लेकिन उपभोक्ताओं को वास्तविक पनीर बताकर बेचा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कई मामलों में इन उत्पादों को 'लो फैट पनीर', 'मीडियम फैट पनी' और "फ्रेश पनीर" जैसे भ्रामक नामों से बेचा जा रहा था। कुछ दुकानों में उत्पादों पर निर्माण तिथि, बैच नंबर, समाप्ति तिथि और निर्माता का विवरण भी उपलब्ध नहीं था। जांच में यह भी पाया गया कि कुछ निर्माता और विक्रेता बिना वैध एफएसएसएआई लाइसेंस के कारोबार कर रहे हैं। कई कारोबारी थोक में चीज़ एनालॉग खरीदकर उसे 'प्रीमियम पनीर' जैसे नामों से दोबारा पैक कर बाजार में बेच रहे थे, जबकि उस पर आवश्यक घोषणाएं और ट्रेसबिलिटी संबंधी जानकारी नहीं दी जा रही थी।निरीक्षण के दौरान पनीर में स्टार्च, अत्यधिक पानी, गैर-दुग्ध वसा, निम्न गुणवत्ता अथवा सिंथेटिक दूध तथा अन्य गैर-खाद्य पदार्थों की मिलावट के संकेत भी मिले। इसके अलावा अनिवार्य लेबलिंग नियमों के उल्लंघन, अवैध लाइसेंस और अस्वच्छ भंडारण जैसी गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं, जिनसे फूड पॉइजनिंग, एलर्जी और निम्न गुणवत्ता वाले असुरक्षित खाद्य पदार्थों के सेवन का जोखिम बढ़ जाता है। फिलहाल विभिन्न स्थानों से नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों और संस्थानों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि पनीर केवल लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही खरीदें, उत्पाद के लेबल और समाप्ति तिथि की जांच करें तथा बिना पैकिंग और बिना लेबल वाले उत्पादों से बचें। साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें।

कार-ट्रक भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल थाना क्षेत्र के तुरकपल्ली-मुराहारीपल्ली के पास गुरुवार को कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित करीमनगर से हैदराबाद जा रहे थे। इसी दौरान चालक कथित रूप से कार से नियंत्रण खो बैठा।

कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर विपरीत दिशा की लेन में पहुंच गई, जहां सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर मेडचल पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान चलाया। क्षतिग्रस्त कार से शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दुर्घटना के कारण राजमार्ग पर काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लंबा जाम लग गया।

मानसून में सड़क खुदाई पर रोक के बावजूद जारी निर्माण कार्य

स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग (एमए एंड यूडी) की ओर से मानसून के दौरान सड़क खुदाई और निर्माण कार्यों पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) समेत अन्य नगर निकायों में विभिन्न परियोजनाओं का काम जारी है। इससे स्थानीय लोगों और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले जीएचएमसी ने अमीरपेट के गणेश नगर में सड़क खुदाई का कार्य शुरू किया, जबकि विभाग की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत 31 मई से मानसून समाप्त होने तक ऐसे कार्यों पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए थे।
इसी तरह साइबराबाद नगर निगम और मलकाजगिरि नगर निगम क्षेत्रों में भूमिगत जल निकासी, जल और सीवरेज पाइपलाइन तथा सीसी सड़क निर्माण के कार्य जारी हैं। खजागुडा झील, कोंडापुर, मोंडीकुंटा और जुबली गार्डन में गाद निकालने और नहर चौड़ीकरण के काम भी चल रहे हैं। कुछ स्थानों पर बरसाती नालों पर स्लैब ढके होने के कारण जलभराव का खतरा बना हुआ है। मलकाजगिरि नगर निगम के कई इलाकों में भी नालों की सफाई और गाद निकालने का काम अभी जारी है। अधिकारियों के अनुसार निविदा प्रक्रिया में देरी के कारण समय पर कार्य पूरे नहीं हो सके। निवासी कल्याण संघों ने नगर निकायों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अधूरे कार्यों के कारण इस वर्ष भी कई क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी ने पति की हत्या की

महबूबाबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद जिले के गुडूर मंडल के राम सिंह थंडा में पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला द्वारा अपने पति की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक बोडा लालू हैदराबाद में कार चालक के रूप में काम करता था, जबकि उसकी पत्नी विजया गांव में कृषि कार्य करती थी। दोनों के बीच अक्सर विवाद और झगड़े होते रहते थे। बताया गया कि लालू बुधवार को एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद गुरुवार तड़के घर लौटा था।

केटीआर ने छात्रों से पीवी नरसिम्हा राव से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

> मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने छात्रों से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव के जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए उन्हें पीढ़ियों के लिए आदर्श बताया।

बेगमपेट स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ मेमोरियल स्कूल के दौरे के दौरान उन्होंने छात्रों को नोटबुक और स्कूल बैग वितरित किए तथा तलासानी ट्रस्ट के तहत संचालित मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उनके साथ भोजन भी किया। सभा को संबोधित करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि 16 भाषाओं के ज्ञाता पीवी नरसिम्हा राव ने देश और दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने छात्रों से उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में शुरू की गई मुख्यमंत्री नाश्ता योजना और शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने वाली अन्य पहलों का उल्लेख करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक भोजन के महत्व पर बल दिया।

इस दौरान उन्होंने स्कूल में अतिरिक्त कक्षाओं और आधुनिक पुस्तकालय के निर्माण में सहयोग का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में सनाथनगर विधायक तलासानी श्रीनिवास यादव, एमएलसी सुरभि वाणी देवी, ट्रस्ट के सदस्य, शिक्षक, अभिभावक और बीआरएस के नेता मौजूद रहे।

हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अंतिम चरण में

जल्द शुरू होंगी आधुनिक यात्री सुविधाएं

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारी परियोजना को जल्द पूरा कर यात्रियों के लिए स्टेशन को शुरू करने की तैयारी में जुटे हैं। करीब 35.61 करोड़ रुपये की लागत से दो चरणों में विकसित किए जा रहे इस स्टेशन से प्रतिदिन लगभग छह हजार यात्री आवागमन करते हैं। यहां 60 से अधिक एमएमटीएस और उपनगरीय ट्रेनें संचालित होती हैं, जबकि सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या और बढ़ जाती है।
पुनर्विकास के तहत आधुनिक स्टेशन भवन, 12 मीटर चौड़ा पैदल पुल, लिफ्ट और एस्केलेटर, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, उन्नत शौचालय, बेहतर साइनेज और ट्रेन सूचना प्रणाली विकसित की गई हैं। इसके अलावा बेहतर रोशनी, पार्किंग और पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार अधिकांश निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं और स्टेशन को आधुनिक रेलवे हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

4 किलो गांजा के साथ चार गिरफ्तार

दो बाइक और मोबाइल फोन जब्त

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर पुलिस ने वाहन जांच के दौरान नरसपुर क्रॉस रोड्स से चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार किलो गांजा, मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मेडक जिले के जिंका अंजी (24), तुप्रान निवासी और सेंट मैरी डिग्री कॉलेज के छात्र समागति लोकेश (19) तथा मरियाला अक्षय कुमार (19) शामिल हैं। चौथा आरोपी उत्तर प्रदेश का रहने वाला इमानश सिंह उर्फ इमैनुअल उर्फ सोनू (27) है, जो वर्तमान में माधापुर में रहकर अमेज़न लॉजिस्टिक्स में काम करता है। पुलिस के अनुसार, बुधवार को नरसपुर क्रॉस रोड्स पर चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान चारों को पकड़ा गया।

इस्तांबुल हवाई अड्डे पर लापता तेलंगाना की युवती की तलाश तेज

राज्य सरकार ने भारतीय वाणिज्य दूतावास से मांगी मदद

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने तुर्की के इस्तांबुल हवाई अड्डे पर ट्रांजिट के दौरान लापता हुई मेडचल-मलकाजगिरि जिले की युवती बोक्का राजश्री का पता लगाने के लिए भारतीय वाणिज्य दूतावास से सहायता मांगी है। राजश्री अमेरिका के ह्यूस्टन से हैदराबाद आ रही थीं। वह 14 जून को तुर्की एयरलाइंस की उड़ान से इस्तांबुल पहुंची थीं और वहां से मस्कट के लिए दूसरी उड़ान पकड़नी थी, लेकिन वह निर्धारित विमान में सवार नहीं हुईं। परिवार के अनुसार, उन्होंने यात्रा के लिए व्हीलचेयर सहायता का विकल्प भी चुना था।
मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने भारतीय वाणिज्य दूतावास को पत्र भेजकर स्थानीय पुलिस, हवाई अड्डा प्रशासन और एयरलाइन अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर राजश्री का पता लगाने का अनुरोध किया है। परिवार को अब तक उनके सामान या ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है और उनका मोबाइल फोन भी बंद है। राजश्री की मां दुदिपाला ज्योति ने बताया कि बेटी ने ह्यूस्टन से उड़ान भरने से पहले उन्हें संदेश भेजा था। परिवार के अनुसार, वर्ष 2022 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गई राजश्री अपने पिता के निधन के बाद अवसाद से गुजर रही थीं। इस बीच, कांग्रेस सांसद किरण कुमार चमाला ने भी मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय, इस्तांबुल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ समन्वय कर युवती का पता लगाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आउटसोर्सिंग का बिजली कर्मचारियों ने विरोध किया

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीपीईजेएसी) ने यादद्री थर्मल पावर स्टेशन में ऐश हैंडलिंग प्लांट (एएचपी) और कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) के संचालन और रखरखाव को आउटसोर्स करने के प्रस्ताव वाले टेंडर को तत्काल रद्द करने की मांग की है। कर्मचारी संघ ने तर्क दिया कि महत्वपूर्ण संचालन एवं रखरखाव गतिविधियाँ टीएसजेनको की देखरेख में ही रहनी चाहिए और मौजूदा कर्मचारियों की भर्ती और इष्टतम तैनाती के माध्यम से प्रबंधित की जानी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि आउटसोर्सिंग से परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों और उपकरणों की स्थिति से समझौता हो सकता है, साथ ही बिजली कंपनी पर वित्तीय बोझ भी बढ़ सकता है।टीजीपीईजेएसी के अध्यक्ष जी. साईबाबू, संयोजक पी. रत्नाकर राव, महासचिव ई. श्रीधर और अन्य नेताओं ने टीएसजीईएनसीओ के मानव संसाधन निदेशक को निविदा वापस लेने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

ओवरलोडेड स्कूली वाहनों पर कार्रवाई

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने निर्धारित बैठने की क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाने वाले स्कूली वाहनों और शराब के प्रभाव में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ एक विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। 16 जून से शुरू हुआ यह अभियान पूरे शहर में चलाया जा रहा है, जिसमें स्कूल बसों, वैन और ऑटो-रिक्शा को लक्षित किया गया है। विशेष टीमों ने स्कूल प्रबंधन के साथ जागरूकता बैठकें भी आयोजित की हैं और अभिभावकों को सड़क सुरक्षा नियमों और भीड़भाड़ वाले परिवहन से जुड़े जोखिमों के बारे में सलाह दी है। पिछले तीन दिनों में किए गए निरीक्षणों के दौरान, यातायात पुलिस ने 1,852 स्कूली वाहनों की जाँच की और ऑटो-रिक्शा में निर्धारित क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाने के आरोप में 149 मामले दर्ज किए। अधिकारियों ने शराब पीकर वाहन चलाने के दो मामले भी दर्ज किए। इसमें स्कूल के बच्चों को ले जाने वाले ऑटो-रिक्शा चालक शामिल हैं।

23 तक तेलंगाना में पूरी तरह सक्रिय होगा मानसून

तापमान में गिरावट और व्यापक बारिश के आसार

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के इंतजार में बैठे लोगों और किसानों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने संकेत दिया है कि 23 जून तक मानसून तेलंगाना के अधिकांश हिस्सों में पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा, जिससे भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। आईएमडी के अनुसार, अनुकूल मौसमीय परिस्थितियों के कारण अगले चार से पांच दिनों में मानसून के राज्य के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है। फिलहाल मानसून की उत्तरी सीमा हैदराबाद और भद्राचलम के आसपास बनी हुई है, लेकिन 21 जून से राज्य के कई क्षेत्रों में छिटपुट बारिश व्यापक वर्षा में बदल सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि 19 जून से अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। गर्म और शुष्क हवाओं की जगह नमी वाली ठंडी हवाएं लेने लगेंगी, जिससे नियमित बारिश का दौर शुरू होगा। आईएमडी के अनुसार 17 से 20 जून के बीच राज्य में छिटपुट बारिश होती रहेगी, जबकि 21 जून से अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक वर्षा होने के आसार हैं। विभाग ने गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना जताई है।

एलबी स्टेडियम के आसपास आज यातायात पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार शाम को एलबी स्टेडियम में स्कूल शिक्षा विभाग के एक कार्यक्रम से पहले एक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें तेलंगाना के राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल होंगे। शाम 4 बजे से स्टेडियम और आसपास के इलाकों में मध्यम स्तर का यातायात जाम रहने की आशंका है।

वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे रवींद्र भारती-नामपल्ली रोड, लिबर्टी-एबिड्स रोड, बशीरबाग जंक्शन, एआर पेट्रोल पंप-नामपल्ली मार्ग और बीजेआर प्रतिमा-एबिड्स मार्ग सहित प्रमुख मार्गों से बचें। इस आयोजन के दौरान यात्रा संबंधी सहायता के लिए नागरिक 9010203626 पर ट्रैफिक हेल्पलाइन से संपर्क कर सकते हैं।

माध्यमिक स्वास्थ्य निदेशालय को किया गया सक्रिय

175 से अधिक अस्पताल आए सीधे सरकारी नियंत्रण में

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा प्रशासनिक सुधार करते हुए माध्यमिक स्वास्थ्य निदेशालय (डीएसएच) को सक्रिय करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) का स्थान लेते हुए जिलों के 175 से 180 माध्यमिक अस्पताल और उनका स्टाफ सीधे सरकारी नियंत्रण में आ जाएगा। सरकार ने नए निदेशालय को वित्तीय शक्तियों के प्रयोग के लिए विभागाध्यक्ष का दर्जा दिया है। यह कदम पुराने स्वायत्त टीवीवीपी ढांचे से एकीकृत डीएसएच प्रणाली में परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह फैसला प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय (एएससीआई) समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है।
समिति की अनुशंसाओं के बाद राज्य मंत्रिमंडल ने इस वर्ष की शुरुआत में नए निदेशालय के गठन को मंजूरी दी थी। वरिष्ठ चिकित्सकों का मानना है कि डीएसएच के गठन से अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा और कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल सकेगा। साथ ही चिकित्सा उपकरणों की खरीद, भवनों के रखरखाव और जरूरी मरम्मत कार्यों में भी तेजी आएगी।

सं. ए-14011/01/2026- सी.पी.डब्ल्यू.
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
(सी.पी. प्रभाग)
***

विषय: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सदस्य सचिव के पद पर चयन के संबंध में।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सदस्य सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक अनुबंध सहित) के आधार पर वेतनमान के स्तर-13ए में नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

2. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (6 ऑफ 1974) के अंतर्गत स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।

विस्तृत विज्ञापन मंत्रालय की वेबसाइट https://moef.gov.in पर उपलब्ध है।

भारत सरकार के संयुक्त सचिव

cbc/3101/11/0010/2627

समस्तीपुर में ऑटो और बाइक की टक्कर में पति-पत्नी समेत 3 की मौत, 8 लोग जख्मी

समस्तीपुर, 18 जून (एजेंसियां)। विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघियाघाट-हरिचक पथ पर खोकसाहा और खदियाही चौक के बीच नामचीन बसेरा बड़ चौराहे के समीप गुरुवार सुबह ऑटो और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें कुल 11 लोग जख्मी हो गए। जिसमें तीन की मौत हो गई। मृतक दंपति विभूतिपुर वार्ड 5 निवासी स्व। बंकुल महतो के पुत्र राज कुमार महतो (55), इनकी पत्नी संयोगिता देवी (45) और खानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आमसौर वार्ड 2 निवासी गोगनी सहनी उर्फ गुजय सहनी के पुत्र हरेराम सहनी (59) बताए गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विभूतिपुर में ऑन ड्यूटी चिकित्सक तुषांत ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अमसौर वार्ड 2 के ही अरुण सहनी की पत्नी गीता देवी को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

'सुप्रीम लीडर' राहुल गांधी

जन्मदिन से पहले प्रयागराज में लगे पोस्टर से गरमाई सियासत, महात्मा गांधी से तुलना

प्रयागराज, 18 जून (एजेंसियां)। रायबरेली संसदीय सीट से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन शुक्रवार 19 जून को मनाया जाएगा। लेकिन राहुल गांधी के जन्मदिन से पहले कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की ओर से जारी किये गये एक विवादित पोस्टर से सियासत गरमा गई है। विवादित पोस्टर में राहुल गांधी को भारत का सुप्रीम लीडर बताया गया है। प्रयागराज में राहुल गांधी के जन्मदिन से पहले यह पोस्टर चर्चा का सबब बना हुआ है।

स्थानीय कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला की ओर से जारी किया यह पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्टर के जरिए राहुल गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाए जाने की अपील की गई है। राहुल गांधी की तस्वीर के साथ ही राहुल गांधी को सत्य के पथिक, जन-जन के नेता और भारत का गर्व बताया गया है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि सत्य प्रेम और न्याय के पथ पर चलने वाला नेतृत्व ही देश को नई दिशा दे सकता है। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने दावा किया है कि राहुल गांधी जैसा नेक दिल और रहम दिल नेता कोई दूसरा नहीं है। राहुल गांधी ही देश के गरीबों के अच्छे रहनुमा बन सकते हैं। इरशाद उल्ला ने राहुल गांधी की तुलना महात्मा गांधी से भी की है।

उनका कहना है कि राहुल गांधी में महात्मा गांधी की झलक दिखाई देती है। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने खुद को राहुल गांधी का सबसे बड़ा जबरा फैन भी बताया है। इरशाद उल्ला ने कहा है कि राहुल गांधी के लिए जरूरत पड़ी तो खून का एक-एक कतरा उनके लिए समर्पित कर देंगे। राहुल गांधी को लेकर विवादित पोस्टर उस समय जारी किया गया है, जबकि राहुल गांधी खुद नीट पेपर लीक के मामले को लेकर 10 जुलाई को प्रयागराज आने वाले हैं और यहां पर प्रतियोगी छात्रों से संवाद का कार्यक्रम तय किया गया है। फिलहाल राहुल गांधी के जन्मदिन के पहले जारी इस पोस्टर ने एक नई बहस छेड़ दी है।

दो पैन कार्ड मामले में अब्दुल्ला आजम की याचिका पर हाई कोर्ट का नोटिस, 15 जुलाई को अगली सुनवाई

प्रयागराज, 18 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका (क्रिमिनल रिवीजन) पर सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई तिथि 15 जुलाई से पूर्व सभी पक्षकारों को अपना प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब्दुल्ला ने दोहरे पैन कार्ड मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एनआइ जाफरी तथा अधिवक्ता शाश्वत आनंद, त्रिपुरारी पाल व अंकुर आजाद को सुनने के पश्चात प्रतिवादियों को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया। यह भी आदेश दिया कि अगली सुनवाई से पूर्व पक्षकारों के बीच काउंटर एफिडेविट व प्रत्युत्तर हलफनामों का आदान-प्रदान कर लिया जाए। अब्दुल्ला ने अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा दर्ज निष्कर्षों को चुनौती देते हुए दोषसिद्धि के विवादित निर्णय में हस्तक्षेप की मांग की है। इसी मामले में नौ जून 2026 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान द्वारा दायर संबंधित आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर भी नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा था।

आजम ने अपनी दोषसिद्धि तथा सजा बढ़ा कर 10 वर्ष किए जाने को चुनौती दी है। दोनों पुनरीक्षण याचिकाओं में समान तथ्यात्मक व विधिक प्रश्न देखते हुए कोर्ट ने अब्दुल्ला की याचिका को आजम खान की याचिका के साथ संबद्ध (टैग) करने का निर्देश दिया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि दोनों मामलों को 15 जुलाई 2026 को फ्रेश केस के रूप में एक साथ सूचीबद्ध किया जाए।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर पैसा लेने वालों को खोज रहे अधिकारी-ठेकेदार

लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ताधारी व्यवस्था और प्रशासनिक-राजनीतिक गठजोड़ पर कटाक्ष करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, टिकट के इच्छुक लोगों के बाद अब अधिकारी और ठेकेदार मिलकर 'ढुंढाई पंचायत' कर रहे हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर असंतोष और घबराहट का माहौल बनता जा रहा है। सपा प्रमुख ने तंज कसते हुए कहा कि पहले केवल भावी प्रत्याशी ही ऐसे लोगों को ढूंढ रहे थे, जिनसे कथित तौर पर टिकट दिलाने के नाम पर अग्रिम धनराशि ली गई थी। अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि "अफवाह मंत्री" को लेकर जो चर्चाएं चल रही थीं, उन्हें अब तक केवल वही लोग तलाश रहे थे जो खुद प्रत्याशी बनने की दौड़ में थे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि अब यह बात सामने आ चुकी है कि "30 सीट" मिलने की चर्चा मात्र अफवाह साबित हो रही है और वास्तविकता में स्थिति वैसी नहीं है जैसी प्रचारित की जा रही थी। अखिलेश यादव के अनुसार, जैसे-जैसे इन कथित दावों की सच्चाई सामने आ रही है, वैसे-वैसे एई, जेई, एएमए जैसे विभागीय अधिकारी और ठेकेदार भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग भी उन व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर-पोस्टिंग और ठेके-कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के नाम पर उनसे कथित रूप से अग्रिम धनराशि ली थी। उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि जिस "काली कमाई" के सहारे बड़े-बड़े दावे और राजनीतिक बयान दिए जा रहे थे, वही पैसा अब संबंधित लोगों के खिलाफ ही माहौल बना रहा है। उनके मुताबिक, यह स्थिति एक तरह की "पंचायत" जैसी बन गई है, जहां सभी पक्ष एक-दूसरे से जवाबदेही मांगते दिख रहे हैं।

इससे पहले भी अखिलेश यादव ने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा था कि कुछ लोग लालच देकर और डराकर विधायक व एमएलसी को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जो डरेगा वो तो जाएगा, बहादुर लोग होने चाहिए। यूपी में तो भाजपा के ही विधायक पाला बदलने को तैयार बैठे हैं। कुछ लोग समय पर पत्ते खोलते हैं। सपा पूरी तरह मजबूत है और पार्टी कई बार उतार-चढ़ाव देख चुकी है।

पुलिस और पशु तस्करों के बीच मुठभेड़, दो तस्करों के पैर में लगी पुलिस की गोली

सोनभद्र, 18 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने साड़सोत गांव में बैरियर लगाकर बुधवार की देर रात बिहार तस्करी के लिए जा रहे गोवंशीय पशु तस्करों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। बचाव में पुलिस की फायरिंग में 50 हजार के इनामी तस्कर बिहार के भभुआ जिला के चैनपुर थाना क्षेत्र के झरिया गांव निवासी विकास यादव और चैनपुर गांव निवासी मेराज कुरैशी के पैर में गोली लगी। इससे दोनों वहीं लड़खड़ा कर गिर गए। पुलिस ने उनके साथ ही तस्करी में शामिल चंदौली जनपद के चकरघट्टा थाना क्षेत्र के हथिनी गांव निवासी विजय प्रताप यादव उर्फ वकील यादव को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो तमंचा, पिकअप में लदा छह गोवंशीय पशु बरामद किया। विकास पर सोनभद्र और चंदौली में सात मुकदमे, मेराज पर मीरजापुर में दो मुकदमें दर्ज हैं।

राम मंदिर दान विवाद पर भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा

गोंडा, 18 जून (एजेंसियां)। भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने राम मंदिर दान विवाद और उससे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच पूरी निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए और जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। राम मंदिर से जुड़े प्रबंधन और पुराने लोगों की भूमिका पर करण भूषण सिंह ने कहा, कौन इस व्यवस्था में रहेगा और कौन नहीं रहेगा, यह फैसला संबंधित लोगों का है। मैं इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो लोग पहले से जुड़े रहे हैं, उन्हें भी बनाए रखा जाए।

उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान से लेकर ढांचा गिराए जाने के बाद तक मंदिर और उससे जुड़े कार्यों का रखरखाव तथा प्रबंधन सही तरीके से किया गया है। एफआईआर दर्ज होने में देरी को लेकर उठ रहे सवालों पर भाजपा सांसद ने कहा कि इस मुद्दे पर वह मीडिया से बात कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है कि एफआईआर दर्ज करने में देरी क्यों हो रही है। करण भूषण सिंह ने कहा, एफआईआर इसलिए देर से हो रही है, क्योंकि सरकार चाहती है कि सिर्फ एक व्यक्ति को दोषी ठहराकर बाकी लोगों को बचने का मौका न मिले। जो भी इस मामले में शामिल हैं, उनकी पूरी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि जो भी इसमें शामिल हो, कोई बचना नहीं चाहिए। कार्रवाई बहुत सख्त होनी चाहिए।

सजा उम्रकैद हो या कोई अन्य कठोर दंड, लेकिन दोषियों को हर हाल में सजा मिलनी चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार इस दिशा में काम कर रही है और जांच आगे बढ़ रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं की भावनाओं का जिक्र करते हुए कहा, अगर कोई व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान को चढ़ावा चढ़ाता है और कोई उसे चोरी कर ले, तो यह बेहद गलत और निंदनीय बात है।

राम मंदिर ट्रस्ट से दान का हिसाब मांगने पहुंचे आरजेडी सांसद, भेजा कानूनी नोटिस, 3 दिनों में मांगा जवाब

पटना, 18 जून (एजेंसियां)। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। बिहार के बक्सर से राजद सांसद सुधाकर सिंह ने ट्रस्ट को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पिछले पांच सालों के दान और खर्च का पूरा ब्योरा मांगा है। यह नोटिस सुप्रीम कोर्ट के वकील सत्यम सिंह राजपूत के जरिए से भेजा गया है। नोटिस ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, महासचिव चंपत राय और कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी को भेजा गया है। इसमें ट्रस्ट से कहा गया है कि वो वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक मिले दान और किए गए खर्च का पूरा हिसाब दें। नोटिस में ट्रस्ट से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी गई हैं। इनमें ऑडिटेड बैलेंस शीट, आय-व्यय का विवरण, ऑडिटर की रिपोर्ट, ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई जमीनों की जानकारी और बैंक खातों का ब्योरा शामिल है। इसके अलावा एफसीआरए के तहत मिले किसी भी विदेशी चंदे की जानकारी भी मांगी गई है। नोटिस में कहा गया है कि ट्रस्ट को यह जानकारी तीन दिनों के भीतर उपलब्ध करानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो आगे कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। अधिवक्ता सत्यम सिंह राजपूत का कहना है कि यह नोटिस पूरी तरह जनहित में भेजा गया है। इसका कोई राजनीतिक या व्यक्तिगत उद्देश्य नहीं है। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु राम मंदिर के लिए दान देते हैं। ऐसे में उस धन का सही हिसाब जनता के सामने आना चाहिए। वहीं सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि उनकी चिंता सिर्फ पारदर्शिता को लेकर है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े धन का पूरा और स्पष्ट हिसाब होना चाहिए।

बिहार पुलिस परीक्षा में इतने लाख रुपए में हुई थी सेटिंग, ब्लूटूथ के साथ पकड़े गए केंडिडेट ने खोले कई राज

गयाजी, 18 जून (एजेंसियां)। गयाजी में केंद्रीय चयन परिषद सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़े गए एक अभ्यर्थी से पूछताछ के बाद पुलिस ने कथित परीक्षा गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अभ्यर्थी के बयान के आधार पर नालंदा जिले में छापेमारी की गई। हालांकि, पुलिस ने अभी पूरे मामले की जांच जारी होने की बात कही है और सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गया जी शहर स्थित रामरूचि बालिका स्कूल परीक्षा केंद्र पर केंद्रीय चयन परिषद सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी को ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए अभ्यर्थी की पहचान नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के कोरई गांव निवासी प्रिंस कुमार के रूप में हुई है।

अंतर्जातीय विवाह करने वाले जोड़े को हाई कोर्ट ने दी सुरक्षा, कहा- कोई दखल न दे

प्रयागराज, 18 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अंतरजातीय विवाह करने वाले बालिग जोड़े को सुरक्षा देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में कोई भी व्यक्ति हस्तक्षेप नहीं करेगा। न्यायमूर्ति कुनाल रवि सिंह की एकलपीठ ने जौनपुर निवासी लवली व मयंक पांडेय की रिट याचिका निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया है। याचियों ने पुलिस को उनके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप न करने और सुरक्षा देने की मांग की थी। लवली 23 साल और मयंक 28 साल के हैं। दोनों बालिग हैं, इस बात के समर्थन में हाईस्कूल प्रमाणपत्र संलग्न किया गया है। आर्य समाज जार्ज टाउन, प्रयागराज में विवाह का प्रमाणपत्र भी दाखिल है।

याचियों को आशंका थी कि निजी प्रतिवादी उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा डाल सकते हैं। पीठ ने लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य 2006 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख किया, जिसमें यह कहा गया है कि भारत स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश है और बालिग होने पर लड़का-लड़की अपनी पसंद से शादी कर सकते हैं। माता-पिता अधिकतम सामाजिक संबंध तोड़ सकते हैं, लेकिन धमकी देना, हिंसा करना या कराना और परेशान करना गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया था कि अंतरजातीय या अंतरधार्मिक विवाह करने वाले बालिग जोड़ों को कोई परेशान न करे। पीठ ने कहा कि याची विवाहित जोड़े के रूप में साथ रहने के लिए स्वतंत्र हैं। यदि कोई उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा डालता है तो वे इस आदेश की प्रति के साथ संबंधित एसएसपी/एसपी के पास जाएं जो आवश्यक कार्रवाई करेंगे। यदि विवाह पंजीकृत नहीं है तो दो माह के अंदर उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत पंजीकरण कराया जाए। ऐसा नहीं करने पर सुरक्षा समाप्त हो जाएगी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उसने विवाह की वैधता, विवाह प्रमाणपत्र की सत्यता या याचियों की सही उम्र पर कोई निर्णय नहीं दिया है। यह आदेश याचियों को कानून के अनुसार शुरू किसी कार्रवाई से बचाने के लिए नहीं है। यदि कोई तथ्य छिपाया गया है तो प्रतिवादी सविता पांडेय आदेश वापस लेने की अर्जी दे सकती हैं। यह आदेश किसी लंबित पुलिस जांच में बाधा नहीं बनेगा।

लालू-राबड़ी की सुरक्षा में तैनात रहेंगी बुलेटप्रूफ गाड़ियां और अंगरक्षक

विवादों के बीच बिहार पुलिस ने दी सफाई

पटना, 18 जून (एजेंसियां)। बिहार में राजद सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सुरक्षा को लेकर काफी राजनीति हो रही है। दोनों नेताओं ने पहले अपनी सुरक्षा वापस कर दी थी, जिसके बाद राजद ने सरकार पर लगातार हमले किए थे। अब बिहार पुलिस ने इस मामले पर एक्स पर पूरी जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को बिहार विशेष सुरक्षा दल अधिनियम-2010 के तहत सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है।

इसमें बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी शामिल हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं को बिहार सरकार के 2 मई 2017 के प्रस्ताव के मुताबिक अंगरक्षक, घर की सुरक्षा, एस्कॉर्ट गार्ड, पायलट और बीआर कार दी गई है। इसके अलावा सादे कपड़ों में एसबी कंपोनेंट के सुरक्षाकर्मी भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे पहले लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार पर आरोप लगाया था कि उनकी और राबड़ी देवी की सुरक्षा कम करने और आवास रद करने का फैसला नीतीश कुमार के कहने पर लिया गया है। हाल ही में सम्राट चौधरी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू और राबड़ी देवी की जेड प्लस सुरक्षा श्रेणी घटाने और उनके मौजूदा आवास रद करने का आदेश जारी किया था।

भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार का बड़ा एक्शन

हरदोई में दो ईओ सस्पेंड, एक रिश्वत लेते ट्रैप तो दूसरे पर वायरल वीडियो भारी

हरदोई, 18 जून (एजेंसियां)। हरदोई में भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन मोड एक बार फिर देखने को मिला है। स्थानीय निकाय विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शाहाबाद और बिलग्राम नगर पालिकाओं के दो अधिशासी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शाहाबाद के ईओ केके सोनकर और बिलग्राम के ईओ नीलाब शाल्या पर हुई इस कार्रवाई ने नगर निकायों के गलियारों में हलचल मचा दी है। एक अधिकारी एंटी करप्शन टीम के ट्रैप में फंसा तो दूसरे पर वायरल वीडियो और जांच रिपोर्ट भारी पड़ गई। शाहाबाद नगर पालिका में तैनात रहे ईओ केके सोनकर पर आरोप है कि उन्होंने एक ठेकेदार के 27 लाख रुपये के लंबित भुगतान के बदले दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने पूरी योजना के साथ जाल बिछाया और जैसे ही कथित घूस की रकम उनके हाथों तक पहुंची, टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई के दौरान बचने के कई प्रयास हुए, लेकिन टीम ने कोई ढिलाई नहीं बरती और उन्हें अपने साथ लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। यही नहीं ईओ केके सोनकर पर एक महिला के साथ अनैतिक संबंधों के आरोप भी लगे थे, जिसको लेकर भी वह सुर्खियों में रहे थे। वहीं बिलग्राम नगर पालिका के ईओ नीलाब शाल्या पर कान्हा गोशाला में मवेशियों के लिए भूसा खरीद से जुड़े कथित घूसकांड का साया पड़ा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति बाइक की डिग्गी में डेढ़ लाख रुपये रखते दिखाई देता है, जबकि ईओ भी मौके पर मौजूद नजर आते हैं। वीडियो में कथित तौर पर बाकी रकम बाद में देने और फाइल आगे बढ़ाने को लेकर बातचीत होने का दावा किया गया। मामला सामने आने के बाद डीएम अनुनय झा ने जांच बैठाई और रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की संस्तुति की गई।

'ओम प्रकाश राजभर विधानसभा का मुंह नहीं देख पाएंगे,' सुभासपा चीफ को शिवपाल सिंह यादव ने दी बड़ी चुनौती

लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने बड़ी चुनौती दी है। सपा नेता ने कहा है कि राजभर, विधानसभा का मुंह नहीं देख पाएंगे। ओम प्रकाश राजभर के बयान पर सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग झूठ बोलते हैं। वे समय-समय पर साजिशें भी रचते रहते हैं।

समाजवादी पार्टी का कोई भी सांसद पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा। ये लोग अपनी टीआरपी बढ़ाने और चुनाव में सीटें बढ़ाने के लिए ऐसा कहते हैं। शिवपाल ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें ट्वीट करने के पैसे मिलते हैं, इसीलिए वे ऐसी बातें करते हैं और झूठ बोलते हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। पूरे उत्तर प्रदेश में कोई भी ओम प्रकाश राजभर को गंभीरता से नहीं लेता है। शिवपाल ने कहा कि राजभर के इलाकों में मैं मीटिंग करुंगा और ये विधानसभा का मुंह नहीं देख पाएंगे। शिवपाल ने यह भी कहा कि जनता ही इनको चुनाव में हराती है। सपा नेता ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दावे पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि केशव मौर्य अपने जीत के लिये भी समीकरण नहीं बना पाते है। केशव मौर्य क्या सांसद तोड़ पायेगें। अपना विभाग चला नहीं पाते है। ट्रांसफर पोस्टिंग करा नहीं सकते हैं। केशव मौर्य को सपा ने कई बार हराया है। उन पर कोई भरोसा नहीं करता है। उधर, अयोध्या सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने सपा के टूट पर बीजेपी के आरोपों पर कहा पीडीए से और अखिलेश की लोकप्रियता से से बीजेपी घबरा गई है और घबराहट में उटपटांग की बेमियादी बातें कर रही है, जनता का विश्वास ,जनता का भरोसा 2027 में सपा की सरकार की बनेगी।

ताक पर नियम: मेडिकल स्टोरों पर खेल बिना ओपीडी पर्चे के मिल रहा कफ सिरप

गोरखपुर, 18 जून (एजेंसियां)। कफ सिरप की बिक्री को लेकर नियमों की अनदेखी देखने को मिल रही है। एम्स इलाके के आसपास स्थित कई मेडिकल स्टोरों पर कफ सिरप आसानी से उपलब्ध है। कुछ दुकानों पर ग्राहकों से डॉक्टर का पर्चा मांगा जा रहा है, जबकि कई जगह बिना किसी चिकित्सकीय परामर्श या पर्चे के ही दवा बेची जा रही है। कई मेडिकल स्टोरों पर कफ सिरप खरीदने के लिए किसी प्रकार की जांच-पड़ताल नहीं की जाती। ग्राहक के मांगते ही दवा उपलब्ध करा दी जाती है। इससे किशोरों और युवाओं में इसके दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है। कफ सिरप का अनियंत्रित सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। एम्स इलाके में एक दुकान पर कप सिरप कि दवा देने से पहले मेडिकल स्टोर के कर्मचारी ने कहा कि बिना डॉक्टर के लिखे हुए दवा नहीं दे सकते है।

अगर आपको दवा जरूरी है तो बिल नहीं मिल पाएगा आपको बिना बिल के दवा दे सकते है। वहीं दूसरी ओर एक मेडिकल स्टोर पर आसानी से कप सिरप मिल गया और साथ ही दुकानदार ने बिल भी दे दिया। अभी विभाग को शासन स्तर से औपचारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश प्राप्त होते ही जिले के सभी मेडिकल स्टोरों और कफ सीरफ बेचने वाले व्यापारियों की जांच करवाई जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित चिकित्सकों से जानकारी ली जाएगी कि दवाएं किस आधार पर लिखी जा रही हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

'इकलौते बेटे को अपना दूध तक नहीं पिलाया', मां गुरप्रीत के अवैध संबंधों की भेंट चढ़ा अंगद

मेरठ, 18 जून (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ में अवैध प्रेम संबंध में बाधक बने प्रेमिका के सात साल के बेटे अंगदवीर की हत्या करने वाले वाले बैंक मैनेजर को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। अंगद के पिता गुरसेवक दुबई में नौकरी करते हैं। उनको परिवार दो स्थानों पर निवास करता है पटियाला पंजाब में ओर दूसरा मेरठ के रामराज में। अंगद पटियाला में अपनी दादी के पास रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह कुछ दिन पहले अपनी दादी के साथ मेरठ आया था। बेटे अंगदवीर की हत्या के बाद पिता समेत दादी का बुरा हाल है।

बाबा दिलबाग ने बताया कि गुरप्रीत ने अपने इकलौते बेटे को कभी अपना दूध तक नहीं पिलाया था। छोटी बुआ नवनीत कौर ने ही उसको पाला था। उनका पूरा परिवार पटियाला

शिफ्ट होने की योजना बना रहा था, लेकिन उसस पहले ही यह वारदात हो गई। पुलिस के अनुसार, अंगद की मां गुरप्रीत कुछ समय में अपने मायके नजीबाबाद बिजनौर रह रही थी। उसी दौरान उसकी मुलाकात पड़ोस में रहने वाले अर्पित शर्मा से हुई थी। दोनों के बीच अवैध संबंध कायम हो गए। गुरप्रीत ने गुरसेवक से तलाक मांगा था पर उसने इनकार कर दिया था। इसलिए दोनों के बीच शादी नहीं हो सकती थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्पित ने बताया कि तीन दिन दिन पहले अंगदवीर ने गुरप्रीत को उसके साथ देख लिया था। कहीं दोनों के मेलजोल का भेद न खुल जाए इसी डर से अर्पित में अंगदवीर को रास्ते से हटाने का निर्णय कर लिया। मंगलवार को उसने अंगदवीर को चाकलेट दिलवाने के बहाने गाड़ी में बैठाया और हस्तिनापुर के जंगल में ले गया। हस्तिनापुर के काली माता मंदिर के पास उसने अंगद की पगड़ी से उसका मुंह बांधकर चाकू से गला रेत दिया। फिर शव को जंगल में फेंक दिया। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी अर्पित को 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया था।

उसने पहले पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से अंगद की हत्या का शव को मवाना नहर में फेंकने की बात बताई। बाद में सख्त पूछताछ करने पर उसने हस्तिनापुर के जंगल में शव फेंकने की बात बताई, पुलिस ने आरोपी के बताए स्थान से अंगद का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खतरे में ममता बनर्जी !

सुरक्षा घेरे से शुभेंदु सरकार ने पीएसओ हटाया तो महुआ मोइत्रा गुस्से से लाल

कोलकाता, 18 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन होने के बाद से सियासी माहौल गरमाया हुआ है। चुनाव में हार के बार पार्टी में बगावत और टूट के बाद अब टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की सुरक्षा को लेकर नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। टीएमसी के राज्यसभा सांसद ने दावा किया कि ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास के बाहर सुरक्षा में तैनात पुराने पीएसओ को बदल दिया गया है। उन्होंने इसे बीजेपी की साजिश करार दिया। सूत्रों के अनुसार तृणमूल प्रमुख ने गुस्से में आकर नए नियुक्त पुलिसकर्मियों को अपने आवास से चले जाने का आदेश दिया। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी की सुरक्षा में तैनात किसी भी व्यक्ति को पुलिस विभाग द्वारा नहीं हटाया गया है।

उधर, ममता बनर्जी की सुरक्षा को लेकर छिड़े नए विवाद पर डेरेक ओ ब्रायन, महुआ मोइत्रा से लेकर राज्यसभा सांसद सागरिका घोष और टीएमसी के पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले समेत कई टीएमसी नेताओं ने बीजेपी पर निशाना साधा है। तृणमूल कांग्रेस के

राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा, ममता बनर्जी की सुरक्षा में तैनात 3 पीएसओ (निजी सुरक्षा अधिकारी) को बदल दिया गया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 'रात करीब 9.30 पर यह कार्रवाई हुई। उस समय ममता बनर्जी घर पर ही मौजूद थीं, लेकिन उनके आवास के इंट्री गेट पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।' तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'यह बेहद चिंताजनक है। दीदी (ममता बनर्जी) के लंबे समय से तैनात सुरक्षाकर्मियों को अचानक क्यों हटा लिया गया है और उन्हें देर रात बिना किसी सुरक्षा के क्यों छोड़ दिया गया है? एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा राजनीति का विषय नहीं है, यह बंगाल सरकार की संस्थागत जिम्मेदारी है। बंगाल में प्रतिशोध की अविश्वसनीय राजनीति चल रही है।' महुआ मोइत्रा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, यह कैसे हो सकता है?

जो तीन बार मुख्यमंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हैं, उनको निर्मम और प्रतिशोधी भाजपा सरकार द्वारा अपमानित किया जा रहा है और खतरे में डाला जा रहा है। वहीं मोहन भगवत हमारे खर्चे पर सैकड़ों कमांडो, कारों के साथ एक्सवाईजेड से भी अधिक सुरक्षा का आनंद ले रहे हैं। टीएमसी के पूर्व सांसद साकेत गोखले ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'यह सरकार इतनी नीच हरकत कैसे कर सकती है कि एक पूर्व मुख्यमंत्री की जान खतरे में डाल दे? तीन बार की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा अचानक हटा दी गई है, वजह? उन्होंने आज सड़कों पर उतरकर भाजपा को डरा दिया।

भाजपा नेता ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर पत्नी को दी मारने की धमकी, एक हफ्ते में दूसरी बार दर्ज हुई एफआईआर

त्रिशूर, 18 जून (एजेंसियां)। एक भाजपा नेता के खिलाफ अपनी पत्नी को कथित तौर पर धमकी देने के आरोप में एक नया मामला दर्ज किया गया है। वहीं, वह अपनी पत्नी पर हमला करने के आरोप में एक मामले की जांच का सामना कर रहा है। यह जानकारी एक अधिकारी ने गुरुवार को दी। पुलिस ने बताया कि भाजपा के त्रिशूर दक्षिण जिला अध्यक्ष एआर श्रीकुमार और उनके सहयोगी कल्दान गिरीश के खिलाफ बुधवार को मामला दर्ज किया गया।

दरअसल, पिछले हफ्ते पुलिस ने श्रीकुमार के खिलाफ अपनी पत्नी पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में गैर इरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकुमार ने अग्रिम जमानत के लिए त्रिशूर जिला सत्र न्यायालय में याचिका दायर की है और याचिका पर आदेश अभी लंबित हैं। पुलिस ने बताया कि गिरीश द्वारा कथित तौर पर शिकायतकर्ता के घर में घुसकर उसे श्रीकुमार के खिलाफ मारपीट का मामला वापस लेने और अदालत में आरोपों से इनकार करते हुए नया बयान देने की धमकी देने के बाद नया मामला दर्ज किया गया।

राज्य खाद्य व अंत्योदय राशन कार्ड की अधिकतम आय सीमा में होगा बदलाव, राशन वितरण प्रणाली होगी ऑनलाइन

देहरादून, 18 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में एपीएल (राज्य खाद्य योजना) और अंत्योदय राशन कार्ड की अधिकतम आय सीमा जल्द संशोधित की जाएगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियों को इसके निर्देश दिए। उन्होंने कहा, राशन विक्रेताओं का 39 करोड़ रुपये का बकाया लाभांश एक सप्ताह में जारी कर दिया जाएगा। मंत्री रेखा आर्या ने समीक्षा बैठक में कहा कि राशन कार्ड बनाने के न्यूनतम आय मानक काफी पुराने हो चुके हैं। इससे लोगों को कार्ड बनवाने में परेशानी हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को एक समिति बनाकर इन मानकों की समीक्षा करने को कहा। समिति में सभी जिला पूर्ति अधिकारियों के सुझाव भी शामिल किए जाएंगे। केंद्र सरकार से हाल ही में 39 करोड़ रुपये का बजट प्राप्त हुआ है। इसी के तहत नवंबर से जो लाभांश बकाया है उसे जारी किया जाएगा। बैठक में प्रमुख सचिव एल फैनई, खाद्य आयुक्त बंसीलाल राणा, अपर आयुक्त पीएस जंगपांगी, राशन विक्रेता संगठन के अध्यक्ष रेवाधर बृजवासी आदि मौजूद रहे। बैठक में राशन विक्रेता संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य खाद्य योजना के तहत लाभांश 50 रुपये से बढ़ाकर 180 रुपये करने की मांग उठाई।

इस पर मंत्री ने कैबिनेट में जल्द प्रस्ताव लाने का आश्वासन दिया। राशन विक्रेताओं की मांग पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 30 जून तक राशन वितरण प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन किया जाए। इससे मैन्युअल रजिस्टर रखने की व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। राशन कार्ड बनाने के लिए एक नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। कर्मचारियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जल्द प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए केंद्र से दो प्रशिक्षक बुलाए गए हैं।

यूपी के बैंक लॉकर से गायब हुए सोने के 96 पैकेट

करोड़ों की हेराफेरी का आरोप 3 कर्मचारियों पर एफआईआर

फिरोजाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में बैंक ऑफ इंडिया की एक ब्रांच से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां बैंक के लॉकर से ग्राहकों द्वारा गिरवी रखा गया सोना गायब हो गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अरांव थाना क्षेत्र स्थित बैंक की भरौल ब्रांच के लॉकर से गिरवी रखे गए सोने के कुल 96 पैकेट गायब हैं। बैंक ऑफ इंडिया के आगरा क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक आदित्य प्रताप सिंह ने तत्कालीन ब्रांच मैनेजर समेत 3 कर्मचारियों के खिलाफ बुधवार रात अरांव थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस अधीक्षक आदित्य लागेंह ने कहा कि शिकायत के अनुसार ब्रांच के कर्मचारी और लॉकर की मुख्य चाबी धारक एवं इटावा जिले के बासगांव गांव के निवासी दिलीप कुमार 27 मई से बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। उनके अनुपस्थित रहने के कारण लॉकर संबंधी कार्य प्रभावित हो गया था। उन्होंने कहा कि जब बैंक अधिकारियों का उनसे संपर्क नहीं हो सका, तो संदेह होने पर मामले की सूचना आगरा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय को दी गई। इसके बाद 15 जून को घिरोर ब्रांच के सीनियर सुरक्षा प्रबंधक अंकित तथा वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) सुशील कुमार को भरौल ब्रांच भेजा गया। पुलिस के अनुसार, दूसरी चाबी की व्यवस्था कर वीडियोग्राफी के बीच बैंक के पैनल अधिवक्ता शिव कुमार शर्मा की मौजूदगी में लॉकर खोला गया और देखा कि लॉकर से 'गोल्ड लोन' के 96 पैकेट गायब थे।

पुलिस ने कहा कि प्राथमिकी में सोने के वजन या कीमत का उल्लेख नहीं है, लेकिन इसकी कीमत करोड़ों रुपये होने का अनुमान है। मामले में पूर्व ब्रांच प्रबंधक संदीप यादव, कर्मचारी अधिकारी दिलीप कुमार एवं क्रेडिट अधिकारी/कर्मचारी अधिकारी एवं हाथरस जिले के निवासी नरेश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अरांव थाना प्रभारी ऋषि कुमार ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। निगरानी इकाई सहित पुलिस की विभिन्न टीम आरोपियों का पता लगाने और गायब सोना बरामद करने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं।

दिल्ली के हीरा कपूर हॉस्पिटल से चल रहा था बाल तस्करी का रैकेट

डॉक्टर समेत 12 गिरफ्तार, 5 नवजात बचाए

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट टीम ने एक बड़े अंतरराज्यीय बाल तस्करी सिंडिकेट का गुरुवार सुबह भंडाफोड़ किया। पुलिस ने इस मामले में 12 आरोपितों को गिरफ्तार किया और पांच नवजातों को बचा लिया। इन आरोपितों में रोहिणी के बेगमपुर इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल का मालिक भी शामिल है, जो खुद डॉक्टर है। पुलिस को संदेह है कि इस डॉक्टर ने अपने अस्पताल का दुरुपयोग कर बच्चों की तस्करी का नेटवर्क बना रखा था। पुलिस के अनुसार, बेगमपुर में स्थित इस अस्पताल का नाम हीरा कपूर हॉस्पिटल है। इसके मालिक डॉक्टर विवेक को अरेस्ट किया गया है।

यह अस्पताल 25 बेड की क्षमता का है। राजस्थान के पाली से नवजात को इस अस्पताल में लाकर रखा जाता था और उसके बाद नवजात और बच्चों को बेच दिया जाता था। ग्राहक की हैसियत के अनुसार ही बच्चे का दाम लगाया जाता था। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया कि हीरा अस्पताल में केवल नवजात और बच्चों को डे केयर में रखा जाता था। बेहद गरीब परिवारों से यह गिरोह नवजात या बच्चा खरीदता था। इनके कब्जे से जो पांच नवजात बरामद किए गए हैं उनमें एक दो दिन का है जिसे ग्वालियर से लाया गया था।

पुलिस ने बताया कि आरोपितों से छुड़ाए गए पांच बच्चों में चार लड़के हैं और एक लड़की। पुलिस के अनुसार, आरोपित गरीब लोगों के बच्चे जो उस अस्पताल में पैदा होते थे उन्हें ऐसे दंपती को बेच दिया जाता था जिन्हें कोई संतान नहीं होती थी। खासकर, उन्हें जो बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के अवैध तरीके से बच्चा गोद लेना चाहते थे। गिरोह नवजात शिशुओं की तस्करी कर उन्हें अवैध तरीके से बेचता था। गिरोह के सदस्य दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किए गए 12 आरोपितों में रोहिणी के बेगमपुर इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल का मालिक भी शामिल है, जो खुद डॉक्टर है। बचाए गए पांच शिशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

'इतने टूरिस्ट हमारे लिए अच्छे नहीं'

कश्मीर में बढ़ती पर्यटकों की भीड़ से खुश नहीं इल्तिजा; सरकार से की अपील

श्रीनगर, 18 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ से पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा खुश नहीं हैं और सरकार को पर्यटन वाहनों की अधिकतम संख्या तय कर देनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हर तरफ वाहनों की भीड़, इतने पर्यटक वाहन हमारे पर्यावरण और कश्मीर की तंग सड़कों के लिए अच्छे नहीं है। उन्होंने सरकार से अपेक्षा जताई कि वह जल्द कोई निर्णय लेगा। इल्तिजा के इस बयान को श्रीअमरनाथ यात्रा से पूर्व माहौल बिगाड़ने वाला माना जा रहा है। उनका यह बयान महबूबा के उस बयान के दो दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने सभी कश्मीरियों का आह्वान किया था कि श्रीअमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं का परिवार के सदस्यों की तरह स्वागत करें। इल्तिजा के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि यह लोग जम्मू-कश्मीर की खुशहाली के विरोधी हैं।

जब जम्मू-कश्मीर में पर्यटन ऊंचाई दू रहा है और कुछ लोग पर्यटकों को ही समस्या बता रहे हैं। इस वर्ष श्रीनगर में, विशेषकर बुलेवार्ड–निशात मार्ग पर अचानक यातायात बढ़ने का बड़ा कारण है कि पर्यटक हवाई यात्रा के बजाय अपनी गाड़ियों से घाटी पहुंच रहे हैं। पहले से ही जाम से जूझ रही सड़कों और कश्मीर के नाज़ुक पर्यावरण को देखते हुए पर्यटकों की गाड़ियों पर सीमा निर्धारित की जानी चाहिए।

उम्मीद है कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान दे। इल्तिजा मुफ्ती भाजपा नेता परिमोक्ष सेठ ने कहा कि इल्तिजा मुफ़्ती का बयान उनकी पार्टी के दोहरे चरित्र और अवसरवादी राजनीति को उजागर करता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब जम्मू-कश्मीर का पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है और हजारों परिवार पर्यटन से अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं, तब कुछ नेता राजनीतिक लाभ के लिए पर्यटकों को ही समस्या के रूप में पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी की ओर रुख करना इस बात का प्रमाण है कि देश का विश्वास जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और सुरक्षा पर मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि इल्तिजा मुफ़्ती और उनके जैसे नेताओं की सोच पर्यटक-विरोधी है तथा वे लगातार ऐसे बयान देकर जम्मू-कश्मीर की सकारात्मक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

10 रुपये के थैले के लिए 3 साल तक लड़ा केस, अब इस बड़ी जूता कंपनी को देने पड़े 800 गुना पैसे

रोहतक, 18 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में एक कस्टमर से कैरी बैग के 10 रुपये लेना एक कंपनी को भारी पड़ गया। तीन साल तक लंबी लड़ाई के बाद उपभोक्ता फोर ने ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाया है। जिला उपभोक्ता विवाद आयोग ने फुटवियर कंपनी रेड टेप को ग्राहक से वसूले गए 10 रुपये वापस करने के साथ-साथ 8 हजार रुपये मुआवजा और मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। आयोग ने कैरी बैग के लिए अलग से शुल्क वसूलने को सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार करार दिया है। मामला साल 2023 का है। रोहतक के एक 27 वर्षीय ग्राहक ने रेड टेप के आउटलेट से 2,069.70 रुपये के जूते खरीदे थे।

खरीदारी के दौरान कंपनी ने उनसे कैरी बैग के लिए अतिरिक्त 10 रुपये वसूले। ग्राहक ने स्टाफ से मुफ्त कैरी बैग देने की मांग की, लेकिन उसे यह कहते हुए मना कर दिया गया कि कंपनी की नीति के अनुसार बैग के लिए अलग से भुगतान करना होगा। इसके बाद ग्राहक ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया और कंपनी पर गैरकानूनी तरीके से शुल्क वसूलने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि इस वजह से उसे मानसिक परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। कंज्यूमर कमीशन के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियान और सदस्य तृप्ति पन्नू और डॉ। विजेंद्र सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि कंपनी का रवैया उपभोक्ता हितों के खिलाफ था।

आयोग ने 12 जून को दिए अपने आदेश में कहा कि कैरी बैग के लिए अलग से 10 रुपये वसूलना सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार की श्रेणी में आता है। रिपोर्ट के अनुसार सुनवाई के दौरान रेड टेप की ओर से यह तर्क दिया गया कि कैरी बैग के लिए शुल्क लेने का उद्देश्य ग्राहकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था और उन्हें अपने बैग साथ लाने के लिए प्रेरित करना था। कंपनी ने यह भी कहा कि कैरी बैग खरीदना ग्राहकों के लिए अनिवार्य नहीं था और उन्हें अपने बैग लाने से कभी नहीं रोका गया। आयोग ने कंपनी की दलीलों को नहीं माना। आयोग ने माना कि सामान बेचने वाले प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी है कि वे खरीदे गए उत्पाद को ग्राहक को उचित स्थिति में उपलब्ध कराएं।

इसलिए कैरी बैग के लिए अलग से शुल्क लेना उचित नहीं माना जा सकता। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक के 10 रुपये लौटाने के साथ सेवा में कमी के लिए 4 हजार रुपये मुआवजा और 4 हजार रुपये मुकदमे के खर्च के रूप में 30 दिनों के भीतर भुगतान करने के निर्देश दिए। यह फैसला उपभोक्ता अधिकारों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जमीन विवाद में न्याय की गुहार लगाने गई महिला को थाना प्रभारी कमरे में बुलाया, फिर किया दुष्कर्म

भुवनेश्वर, 18 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के नयागढ़ जिले से पुलिस महकमे को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। भूमि विवाद के समाधान के लिए थाने पहुंची एक महिला ने सरणकुल थाना प्रभारी (आईआईसी) पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि न्याय और मदद की उम्मीद लेकर वह पुलिस के पास गई थी, लेकिन वहां उसका यौन शोषण किया गया। महिला की शिकायत के अनुसार, वह अपने जमीन संबंधी विवाद को लेकर सरणकुल थाने पहुंची थी। आरोप है कि थाना प्रभारी सुजीत कुमार दास ने मामले में सहायता का भरोसा दिलाने के बहाने उसे एक किराए के मकान में बुलाया और वहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपी अधिकारी ने उसे किसी को भी इस बारे में बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने और यहां तक कि जान से मारने की धमकी दी।

चंबा में दर्दनाक सड़क हादसा: पुखरी-मसरूंड मार्ग पर बोलेरो गाड़ी खाई में गिरी, सात लोगों की मौत

चंबा, 18 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में वीरवार को चंबा-मसरूंड मार्ग पर छतरूंड के समीप एक बोलेरो अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोलेरो (एचपी-01सी-2581) में ग्राम महल पंचायत के सपरोठ गांव के छह लोग, जिनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल थे और वाहन का चालक सवार था। ये सभी लोग काकड़ोथा गांव में आयोजित एक मुंडन संस्कार में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान छतरूंड के पास अनियंत्रित होकर वाहन सड़क से लुढ़क गया और खाई में समा गया। खाई की गहराई लगभग 500 मीटर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

गहरी खाई से सभी सात शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों की पुष्टि हो सके। प्रशासन ने इस भीषण हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सड़कों की स्थिति, वाहन की गति, या किसी अन्य यांत्रिक खराबी जैसे संभावित कारणों की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने सपरोठ पंचायत में मातम का माहौल बना दिया है। चंबा जैसे पहाड़ी जिलों में इस तरह के सड़क हादसे कोई नई बात नहीं हैं। संकरे और घुमावदार रास्ते, तीव्र ढलानें और कई बार खराब सड़क की स्थिति, इन सभी कारणों से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस घटना ने एक बार फिर पहाड़ी इलाकों में सड़क सुरक्षा के उपायों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं और सड़कों की स्थिति को सुधारा जाए।

डिप्टी स्पीकर के नाम पर खुल्लमखुल्ला 'तबादला धंधा'

पीए को पता चला तो विधानसभा तक मचा हड़कंप; 2 इंजीनियरों पर एफआईआर

भुवनेश्वर, 18 जून (एजेंसियां)। ओडिशा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के नाम और फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर सरकारी कर्मचारियों के तबादले की सिफारिश करने के आरोप में पुलिस ने एक असिस्टेंट एक्जीक्यूटिव इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। डिप्टी स्पीकर के निजी सचिव की ओर से राजधानी पुलिस स्टेशन में दो सहायक कार्यकारी इंजीनियरों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लक्ष्मण हेम्ब्रम के रूप में हुई है, जो क्योंझर जिले के हरिचंदनपुर में असिस्टेंट एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत था।

गिरफ्तारी के बाद उसे पूछताछ के लिए भुवनेश्वर लाया गया। इस मामले में एक अन्य आरोपी मोनालिसा बेहरा भी शामिल बताई जा रही है, जो क्योंझर जिले के बांसपाल ब्लॉक में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। पुलिस के अनुसार वह फिलहाल फरार है और उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। भुवनेश्वर जोन-1 के एसीपी रमेश चंद्र बिसोई ने बताया कि लक्ष्मण हेम्ब्रम को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों की जालसाजी के इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और मामले में लक्ष्मण हेम्ब्रम की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फर्जी दस्तावेज किसने तैयार किए, उन्हें किस-किस जगह भेजा गया और इस पूरे मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और पूरे षड्यंत्र का खुलासा करने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में और भी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ममता बनर्जी पर दिलीप घोष का तीखा तंज

बोले- 'न पार्टी बची, न पार्टी ऑफिस'

कोलकाता, 18 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। ममता बनर्जी द्वारा हॉकर्स को हटाए जाने के खिलाफ किए जा रहे विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, ममता बनर्जी की स्थिति ऐसी हो गई है कि न उनके पास पार्टी बची है और न ही पार्टी कार्यालय। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी से सब कुछ छिन गया है। अब हॉकर्स के मुद्दे को लेकर कुछ करने और सुर्खियों में बने रहने की यह उनकी आखिरी कोशिश है। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के बीच संभावित बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलीप घोष ने कहा, लोकसभा और विधानसभा की कार्यवाही तय नियमों के अनुसार चलती है और इसमें स्पीकर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्पीकर को आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सदस्य को बुलाने का अधिकार है। फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी से जुड़े विवाद पर भी उन्होंने नाराजगी जताई।

दिलीप घोष ने कहा कि मेसी जैसे विश्वप्रसिद्ध खिलाड़ी के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया और लोगों से करोड़ों रुपये इकट्ठा किए गए, लेकिन उन्हें मेसी को देखने तक का अवसर नहीं मिला, उससे बंगाल की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है। मेसी के कार्यालय से एक ई-मेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि वह इस मामले में किसी भी तरह से शामिल नहीं थे। उनके साथ केवल एक समझौता हुआ था। ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव के मुद्दे पर दिलीप घोष ने कहा कि जब ममता बनर्जी मुख्यमंत्री और गृह मंत्री थीं, तब वे स्वयं सुरक्षा व्यवस्था और अधिकारियों की तैनाती से जुड़े फैसले लेती थीं।

सफर बना आखिरी: पति-बच्चों के सामने खाई में गिरीं दो मांएं

कालाढूंगी, 18 जून (एजेंसियां)। नैनीताल की खुशनुमा यादें समेटकर लौट रहे मेरठ के एक ही परिवार के 29 लोगों के लिए यह ट्रिप कभी न भुलाने वाली बन गई। वाहन का ब्रेक फेल होने के बाद चालक नईम का डिवाइडर से टकराकर गाड़ी रोकने का प्रयास नाकाम रहा। इसके बाद टेंपो ट्रैवलर डिवाइडर तोड़ते हुए पेड़ से टकराकर खाई की ओर झुक गया। हादसे में गाड़ी का शीशा टूट गया और नाज़मीन और फरद बेगम अपने परिजनों के सामने ही सीधे गहरी खाई में जा गिरीं, जिससे उनकी मौत हो गई।

मेरठ के इस्लामाबाद काला फैक्टरी इलाके के रहने वाले आपस में रिश्तेदार कई परिवारों ने मिलकर नैनीताल घूमने का प्लान बनाया था। सभी ने दिनभर नैनीताल में बोटिंग की। शाम को जब वे वापस लौट रहे थे तभी कालाढूंगी से ठीक पहले अचानक वाहन के ब्रेक फेल हो गए। एसटीएच में भर्ती घायल चालक नईम ने पुलिस को बताया कि ब्रेक फेल होते ही उसने गाड़ी को नियंत्रित करने का पूरा प्रयास किया। गाड़ी की रफ्तार बढ़ती देख उसमें सवार 29 लोगों की सांसें अटक गईं।

कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग के आखिरी प्रिया बैंड के पास नईम ने गाड़ी रोकने के लिए उसे डिवाइडर से टकराया लेकिन रफ्तार तेज होने के कारण डिवाइडर टूट गया और वाहन सीधे पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे बैठे लोग आगे की ओर आ गए जिससे शीशा टूटा और दोनों महिलाएं खाई में गिर गईं। पीछे मौजूद लोगों ने उनका हाथ थामने की कोशिश भी की लेकिन वे उन्हें बचा नहीं सके।

शांति समझौता बना जैकपाट

रूसी एक्सपर्ट ने ईरान डील से पाकिस्तान को बताए 5 फायदे

इस्लामाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को कई विशेषज्ञ पाकिस्तान के लिए जैकपॉट बता रहे हैं। उनका कहना है कि इससे पूरी दुनिया में पाकिस्तान की धमक बढ़ी है। पाकिस्तान खासकर मध्य पूर्व के देशों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की स्थिति में आ गया है। इस कारण वह एक ऐसी क्षेत्रीय ताकत बन सकता है, जिसे नजरअंदाज करना किसी के लिए भी मुश्किल होगा। पाकिस्तान का दावा है कि उसने अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। वह 19 जून को जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम को लेकर आयोजित एक बैठक की मेजबानी भी करने वाला है।

मॉस्को में रहने वाले एक अमेरिकी पॉलिटिकल एनालिस्ट और मैंने एमजीआईएमओ से पीएचडी एंड्रयू कोरिब्को ने कहा कि पाकिस्तान के बिना अमेरिका और ईरान के बीच समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। पाकिस्तान में कितनी भी समस्याएं हो, जिसमें वहां की असर सैन्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बरसों से जेल में डाला है और उनके समर्थकों पर लगातार अत्याचार शामिल है, फिर भी उसके ₹डीप स्टेट₹ ने एक कूटनीतिक चमत्कार कर दिखाया। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान अब अपनी इस कामयाबी से पांच तरीकों से फायदा उठाने की स्थिति में है।

ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने से पाकिस्तान को वह भरोसेमंद और सस्ता तेल मिलेगा जिसकी उसे अपनी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए जरूरत है। इससे असल सैन्य सरकार को देश को दिवालियापन और संभावित पतन के कगार से वापस लाने में मदद मिलेगी। अगर इसे सही ढंग से मैनेज किया जाए तो आम लोगों के जीवन स्तर में आखिरकार सुधार हो सकता है। हालांकि, पाकिस्तान में फैले भ्रष्टाचार को देखते हुए इसे पक्का नहीं माना जा सकता, जो अप्रैल 2022 में खान के खिलाफ़ हुए 'पोस्ट-मॉडर्न तख्तापलट' के बाद और बढ़ गया है।

पाकिस्तान इस मौके का फायदा ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन को शुरू करवाकर भी उठा सकता है। हो सकता है कि इसमें सऊदी अरब या कतर या दोनों देश मिलकर फंडिंग करें और लंबे समय से अटकी यह परियोजना फिर से शुरू हो सके।

पाकिस्तान और ईरान दोनों के पास इस पाइपलाइन को शुरू करने की पूंजी नहीं है। ऐसे में वह खाड़ी के अपने अमीर देशों से मदद ले सकते हैं। इससे पाकिस्तान और ईरान दोनों देशों में जीवन स्तर में सुधार हो सकता है।

अमेरिका की भी इसमें दिलचस्पी है, क्योंकि एक ज्यादा समृद्ध पाकिस्तान, भारत के लिए ज्यादा असरदार क्षेत्रीय संतुलन बनाने वाला देश साबित हो सकता है।

मनरेगा का पेमेंट रोककर एसडीओ ने 30 हजार रिश्वत ली

एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा फाइल आगे बढ़ाने मांगे थे पैसे

जशपुर, 18 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) ने 30 हजार रुपए रिश्वत लेते एसडीओ को रंगे हाथों पकड़ा। ग्राम पंचायत कपरोल में एसडीओ संजय दिवाकर ने मनरेगा का काम पूरा होने के बाद 6 महीने तक पेमेंट रोका और फिर उस प्रोसेस को आगे बढ़ाने के एवज में पूर्व उपसरपंच से 70 हजार मांगे थे।

उपसरपंच ने पहले ही इसकी शिकायत एसीबी से कर दी थी। एसडीओ ग्राम मधुबन टोली का रहने वाला है। बुधवार (17 जून) को पूर्व उपसरपंच 50 हजार देने घर पहुंचा था, तभी घूस लेते हुए एसीबी की टीम ने दबिश देकर उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, यह मामला मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत कपरोल का है। जहां संजय दिवाकर आरईएस (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) विभाग का प्रभारी सब-डिविजनल ऑफिसर (एसडीओ) है।

इमरान खान के राज में आईएसआई को थी खुली छूट

संसद में बना रही थी कानून पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपनी सेना पर बड़ा आरोप लगाया है। आसिफ ने देश की राजनीतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका का खुलासा किया और पाकिस्तानी सेना की खुफिया एजेंसी आईएसआई के बारे में अहम जानकारी सामने रखी है। आसिफ ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल के दौरान आईएसआई ने संसद के कामकाज को सीधे तौर पर प्रभावित किया था।

ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) में बोलते हुए यह खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की प्रमुख खुफिया एजेंसी का हस्तक्षेप सिर्फ दबाव बनाने तक नहीं था, बल्कि वह सीधे कानून बनाने और संसदीय कामकाज के प्रबंधन तक में शामिल थी।

आसिफ ने बताया कि इमरान खान की सरकार के दौरान आईएसआई को खुली छूट दी गई थी और खुफिया अधिकारी सांसदों के साथ होने वाली बैठकों में हिस्सा लेते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन आईएसआई प्रमुख जनरल फैज हमीद के अधिकारी संसदीय कामकाज के लिए नेशनल असेंबली के तत्कालीन स्पीकर के आवास पर होने वाली बैठकों में नियमित रूप से शामिल होते थे।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने खुलासा किया कि खुफिया एजेंसियों के दबाव में कई अहम कानून पास किए थे। इसमें पाकिस्तान के मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानूनों से जुड़े संशोधन भी शामिल थे। उन्होंने यह भी बताया कि सांसदों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं खुफिया एजेंसी एजेंसी से निर्देश दिए जाते थे। इस दौरान आसिफ ने यह भी स्वीकार किया कि पाकिस्तान का मौजूदा राजनीतिक ढांचा सेना के साथ मिलकर चल रही है। उन्होंने इसे सिविल-मिलिट्री हाइब्रिड शासन बताया और कहा कि इस व्यवस्था से अच्छा नतीजा मिला है। आसिफ ने सिविल और मिलिट्री की सत्ता साझेदारी का खुलकर समर्थन किया और कहा, हम एक हाइब्रिड मॉडल के तहत काम कर रहे हैं और इसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई द्वीपों पर बर्ड फ्लू का कहर

75% से ज्यादा बेबी सील्स की मौत

कैनबरा, 18 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दूरदराज स्थित हर्ड और मैकडोनाल्ड द्वीपसमूह में एच5एन1 बर्ड फ्लू ने वन्यजीवों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक नए अध्ययन के अनुसार, दक्षिणी एलिफेंट सील के 17 हजार से ज्यादा बच्चों में से 13 हजार से अधिक की मौत हो चुकी है, जबकि किंग और जेंटू पेंगुइनों में भी सामान्य से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं।

शोध के मुताबिक, हर्ड द्वीप पर दक्षिणी एलिफेंट सील के 17,364 बच्चों में से 13,359 की मौत हो चुकी है। यह कुल आबादी का 75% से अधिक हिस्सा है। कुछ इलाकों में मृत्यु दर 97% तक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि अंतिम सर्वेक्षण के दौरान भी सील के बच्चे मर रहे थे।

वैज्ञानिकों ने अक्टूबर और जनवरी में ड्रोन सर्वे तथा जमीनी निरीक्षण के दौरान नौ प्रजातियों के नमूने जुटाए। इनमें से छह प्रजातियों में एच5एन1 संक्रमण की पुष्टि हुई। प्रभावित प्रजातियों में दक्षिणी एलिफेंट सील, किंग पेंगुइन, जेंटू पेंगुइन और अंटार्कटिक फर सील शामिल हैं। अध्ययन में कई सौ वयस्क किंग पेंगुइनों की मौत भी दर्ज की गई।

हालांकि यह उनकी कुल आबादी का छोटा हिस्सा है, लेकिन सामान्य वर्षों की तुलना में यह संख्या अधिक है। अध्ययन की प्रमुख लेखक डॉ. जूली मैकिन्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के बाहरी क्षेत्र में एच5एन1 का यह पहला मामला है।

स्टोनहेंज से 5 किमी दूर मिला उसका 'सरल रूप'

5,000 साल पुरानी संरचना सूर्य की दिशा से जुड़ी थी

लंदन, 18 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रसिद्ध स्टोनहेंज स्मारक से करीब 5 किलोमीटर दूर पुरातत्वविदों को एक 5,000 साल पुरानी संरचना के अवशेष मिले हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह स्टोनहेंज का शुरुआती और बेहद सरल रूप हो सकता है, जो ग्रीष्मकालीन सूर्योदय और शीतकालीन सूर्यास्त के दौरान सूर्य की दिशा के अनुरूप बनाया गया था।

बुलफोर्ड गांव में मिली इस संरचना में पत्थरों की जगह केवल दो बड़े लकड़ी के खंभे थे। हालांकि लकड़ी समय के साथ नष्ट हो चुकी है, लेकिन जमीन में मौजूद गड्ढों से उनकी स्थिति का पता चला। दोनों खंभे करीब 120 मीटर की दूरी पर स्थित थे और उनकी अनुमानित ऊंचाई 2 से 4 मीटर थी। खुदाई का नेतृत्व करने वाले पुरातत्वविद फिल हार्डिंग ने बताया कि रेडियोकार्बन डेटिंग से पता चला कि यह संरचना लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है। यह स्टोनहेंज के पत्थर लगाए जाने से करीब 500 वर्ष पहले की है। विशेषज्ञों का मानना है कि संभव है स्टोनहेंज के शुरुआती निर्माण से जुड़े लोग इसी क्षेत्र में रहते या एकत्रित होते रहे हों।

खुदाई के दौरान सजावटी मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, चकमक पत्थर के औजार, जानवरों की हड्डियां और एक दुर्लभ डिस्क आकार का नवपाषाणकालीन चाकू भी मिला है।

फिनलैंड की संसद ने देश में परमाणु हथियारों के आयात, ट्रांजिट और भंडारण पर लगी लंबे समय से चली आ रही रोक को समाप्त कर दिया है। सरकार का कहना है कि इससे फिनलैंड और नाटो की सुरक्षा मजबूत होगी, जबकि आलोचकों का दावा है कि इससे देश रूस के संभावित परमाणु निशाने पर आ सकता है। बुधवार को संसद ने न्यूक्लियर एनर्जी एक्ट और क्रिमिनल कोड में संशोधन के पक्ष में 125 और विरोध में 61 वोट दिए। संशोधन के बाद अब फिनलैंड में परमाणु हथियारों के आयात, आपूर्ति, परिवहन और भंडारण की अनुमति होगी। रक्षा मंत्री एंटी हक्कानेन ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक सुधार फिनलैंड और नाटो दोनों की सुरक्षा को मजबूत करेगा।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब फिनलैंड नाटो में शामिल होने के बाद अपनी सुरक्षा नीति में बड़े बदलाव कर रहा है।

2023 में नाटो की सदस्यता लेने के बाद रूस और फिनलैंड के संबंधों में तनाव बढ़ा है। दोनों देशों के बीच करीब 1,340 किलोमीटर लंबी सीमा है।

बेकाबू घोड़ागाड़ी से गिरकर भारतीय युवक की मौत

न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में हादसा

वाशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी दुर्घटना में 18 वर्षीय भारतीय पर्यटक रोमांच महाजन की मौत हो गई। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे घोड़ा अचानक बेकाबू होकर दौड़ पड़ा, जिससे गाड़ी पलट गई और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोमांच महाजन तीन अन्य यात्रियों के साथ घोड़ा-गाड़ी में सवार थे। ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू) के अनुसार, गाड़ी चालक यात्रियों की तस्वीर लेने के लिए कुछ देर के लिए गाड़ी से दूर गया था। इसी दौरान घोड़ा बेकाबू होकर दौड़ पड़ा।

हादसे के दौरान दो यात्रियों ने चलती गाड़ी से छलांग लगा दी। रोमांच गाड़ी से गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अन्य यात्रियों ने उपचार लेने से इनकार कर दिया।

घटना के बाद सेंट्रल पार्क की घोड़ा-गाड़ी व्यवस्था पर फिर सवाल उठने लगे हैं। हाल ही में एक अन्य घोड़ा काम के दौरान गिरकर मर गया था।

सेंट्रल पार्क कंजर्वेंसी ने इस हादसे को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी बताते हुए घोड़ा-गाड़ी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने और 'राइडर्स लॉ' को लागू करने की मांग की है।

हाईवे पर क्रैश हुआ प्राइवेट जेट, 1 की मौत 5 घायल

टेक्सास, 18 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में एक प्राइवेट जेट इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान हाईवे पर क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार 6 लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हो गए। हालांकि, हाईवे पर मौजूद किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।

अधिकारियों के अनुसार, नेटजेट्स सेसना 680 साइटेशन लैटीट्यूड विमान मैक्सिको के लॉस काबोस से ऑस्टिन (टेक्सास) जा रहा था। उड़ान के दौरान आपात स्थिति घोषित किए जाने के बाद विमान को लारेडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया था।

हादसा विमान की लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट से करीब 4 किलोमीटर दक्षिण में हुआ। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

शराब घोटाले में आरोपी के बेटे की पिटाई

थार से रैश ड्राइविंग, बाइक को टक्कर मारी ढेबर परिवार का नाम लेकर धौंस दिखाई

रायपुर, 18 जून (एजेंसियां)। रायपुर में रैश ड्राइविंग करने पर होटल कारोबारी और शराब घोटाले में आरोपी बने नितेश पुरोहित के बेटे आर्यन पुरोहित की पिटाई कर दी गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक युवक उसे धक्का देकर मारते नजर आ रहा है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। लोगों के मुताबिक, आर्यन पुरोहित तेज रफ्तार में थार (CG13 AT 7722) चला रहा था। मोतीबाग के सामने उसने कई बाइक को कट मारे। इसी दौरान एक बाइक सवार को टक्कर लग गई। जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने वाहन रोककर इसका विरोध किया। लोगों के रोकने पर आर्यन पुरोहित और बाइक सवारों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि इस दौरान युवक ने अपनी पहचान और रसूख का हवाला देते हुए लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश की।

अटलांटिक का कोल्ड ब्लॉब भारत–पाकिस्तान में बदल रहा मॉनसून की रफ्तार

इस्लामाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। उत्तरी अटलांटिक महासागर में असामान्य रूप से ठंडे पानी का विशाल हिस्सा (कोल्ड ब्लॉब) भारत के मौसम को बदल रहा है। इससे भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। यह बदलाव गंभीर है क्योंकि इससे भारत-पाकिस्तान और आसपास के 1 अरब से ज्यादा लोगों की आजीविका पर संकट गहरा रहा है। विशेषज्ञों ने नई रिसर्च के आधार पर भारत में गर्मियों के बाद मानसून में बदलाव और कोल्ड ब्लॉब के बीच संबंध का पता लगाया है।

लाइव साइंस के मुताबिक, इन दोनों सिस्टम (भारत में मानसून और कोल्ड ब्लॉब) के बीच का संबंध एक ऐसे कनेक्शन को उजागर करता है, जिसके बारे में पहले पता नहीं था। इससे दक्षिण एशिया में मौसम के पूर्वानुमान में मदद मिल सकती है और दूसरी जगहों पर होने वाली जलवायु संबंधी घटनाओं के बारे में भी जानकारी मिल सकती है।

भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के तहत जून से सितंबर तक बारिश होती है। यह गर्म उत्तरी हिंद महासागर और भूमध्य रेखा के नीचे के ठंडे समुद्री पानी के बीच तापमान के अंतर से चलता है। मानसून के कारण भारत के पश्चिमी तट और उत्तरी भारत इलाके (इंडो-गैंगेटिक प्लेन) में भारी बारिश होती है।

नई स्टडी कहती है कि 1999 के बाद इसके पैटर्न में बड़े बदलाव आए हैं। शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अब मानसून के मौसम में 1999 से पहले की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा बारिश होती है। वहीं इंडो-गैंगेटिक प्लेन में तकरीबन 4 प्रतिशत कम बारिश होती है।

स्टडी के मुख्य लेखक और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक एंड ओशनिक साइंसेज के जलवायु वैज्ञानिक महेंद्र निम्मकांती का कहना है कि यह बदलाव खासतौर से किसानों के लिए विनाशकारी है। मिट्टी और फसलें बारिश के पुराने पैटर्न के हिसाब से ढली हुई थीं, जो बदलाव के चलते मुश्किल में आ जाएंगी।

निम्मकांती और स्टडी के सह-लेखक मैथ्यू हबर ने लाइव साइंस को बताया कि भारत की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है। उत्तर-पश्चिम भारत में ज्यादा बारिश के कारण फसलों का नुकसान हो रहा है क्योंकि इस इलाके में खेती सूखे मौसम के हिसाब से होती है।

यूक्रेन ने रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन अटैक किया

1000 से ज्यादा ड्रोन, क्रूज मिसाइलें भी दागीं जेलेंस्की बोले– यूक्रेन जलेगा तो रूस भी जलेगा

मॉस्को/कीव, 18 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन अगर यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र का एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया। यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई।

जेलेंस्की ने मॉस्को पर हमले को पिछले हफ्ते कीव पर रूस की कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो रूस के युद्ध अभियान को सहारा दे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाए। उन्होंने यूक्रेन की विभिन्न सैन्य और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई की तारीफ भी की।

हमले के समय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन कजान में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेताओं के साथ शिखर बैठक में मौजूद थे।

उन्होंने यूक्रेन के इस हमले पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के ड्रोन हमले सीमित थे। 2023 में पहली बार उसके ड्रोन मॉस्को तक पहुंचे, लेकिन तब हमलों में कुछ ही ड्रोन इस्तेमाल किए जाते थे।

बीपीएससीएल प्लांट में संविदा कर्मी की संदिग्ध अवस्था में मौत

बोकारो, 18 जून (एजेंसियां)। बोकारो पावर सप्लाई कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बीपीएससीएल) के कोल हैंडलिंग प्लांट में बुधवार को एक संविदा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय शिव शंकर हेम्ब्रम के रूप में हुई है, जो प्लांट में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। घटना के बाद शिव शंकर हेम्ब्रम को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को बड़ी संख्या में परिजन, मजदूर और स्थानीय लोग बीजीएच पहुंचे और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में हंगामा हुआ, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सिटी डीएसपी राजीव रंजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

चीन सबसे बड़ी चुनौती, यूएस के भरोसे नहीं रह सकते

81 साल बाद बदलेगा जापान, रक्षा मंत्री का ऐलान

टोक्यो, 18 जून (एजेंसियां)। जापान ने चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए सैन्य ताकत बढ़ाने पर जोर दिया है। जापानी डिफेंस मिनिस्टर शिंजिरो कोइजुमी ने कहा है कि देश को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना होगा क्योंकि चीन गंभीर रणनीतिक चुनौती बन गया है। कोइजुमी ने कहा कि जापान को क्षेत्रीय सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाते हुए ऐसी रक्षा नीति अपनानी चाहिए, जो अमेरिका से ज्यादा स्वतंत्र हो। उन्होंने अमेरिका पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया है और दूसरे विश्व युद्ध के बाद संविधान में संसोधन का संकेत दिया है।

बीबीसी को दिए इंटरव्यू में शिंजिरो कोइजुमी ने जापान की रक्षा क्षमता पर यह बातें कही हैं। उनकी ओर से यह बातें ऐसे समय कही गई हैं, जब जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना अपनी प्राथमिकता बनाया है। जापान ने हथियारों के निर्यात पर लगी रोक हटाई है। हथियार सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं और सैन्य साझेदारियां बढ़ाई हैं।

कोइजुमी ने कहा, 'जापान की सैन्य ताकत बढ़ाने की कोशिशें अमेरिका के साथ गठबंधन मजबूत करने और समान सोच वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। इससे बहु-स्तरीय प्रतिरोध बनाया जा सकेगा, जो इस क्षेत्र में किसी नए युद्ध को रोकने के लिए जरूरी है। ऐसा करना आज वक्त की बड़ी जरूरत है।' तकाइची या कोइजुमी ने सीधे नाम नहीं लिया है लेकिन कई रक्षा एक्सपर्ट का मानना है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की वजह से जापान का रुख बदला है। ट्रंप ने अपने पुराने सहयोगियों और साझेदारों पर निशाना साधा है, जबकि चीन और रूस जैसे विरोधियों को खुश करने की कोशिश की है। इसका असर जापान पर देखा गया है।

रक्षा मौजूदा सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। चीन एक मजबूत वैश्विक ताकत के रूप में उभरा है। वहीं उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाएं भी टोक्यों के लिए चिंता का सबब हैं।

संधि के तहत सहयोगी होने के नाते अमेरिका और जापान के बीच लंबे समय से बहुत करीबी सुरक्षा संबंध रहे हैं। जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में अमेरिका की अहम भूमिका रही है। ट्रंप के हालिया रवैये ने जापान को अपनी सोच पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। जापान कुछ सालों से अपनी रक्षा क्षमता मजबूत कर रहा है।

जापान ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद शांतिवादी संविधान अपनाया और युद्ध का अधिकार छोड़ दिया।

अमेरिका पर मिली बड़ी जीत, अब असली जिहाद शुरू होगा

ईरान से खुमैनी के पोते का बड़ा ऐलान

तेहरान, 18 जून (एजेंसियां)। हसन खुमैनी ने अमेरिका के साथ हुए शांति समझौते को ईरान की बड़ी जीत करार दिया है। ईरान के मौजूदा इस्लामिक शासन के संस्थापक और पहले सुप्रीम लीडर रूहोल्लाह मुस्तफवी मुसावी खोमैनी के पोते हसन खोमैनी ने ईरान-अमेरिका समझौता (एमओयू) तेहरान की बढ़त को दिखाता है। हसन ने ईरानियों से विवादों के दूर रहते हुए भविष्य में अपनी तरक्की पर ध्यान देने की अपील की है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, हसन खुमैनी ने अपने एक भाषण कहा कि अमेरिका से शांति समझौते के बाद असल में एक 'बड़ा जिहाद' शुरू होगा। खोमैनी ने अमेरिका के खिलाफ मिली बढ़त को बनाए रखने के लिए ईरानियों को ऐसे झगड़ों से दूर रहने के लिए कहा, जो झगड़े अहंकार और स्वार्थ से पैदा होते हैं। इजरायल और अमेरिका के साथ चल रहे तनाव और समझौते पर ईरान के वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद की बात सामने आई है। ईरानी संसद के कट्टरपंथी नेताओं ने कथित तौर पर इस समझौते का विरोध किया है। ऐसे में हसन का समर्थन ईरानी सरकार के लिए अहम है। वह ईरानी सरकार में सीधे किसी पद पर नहीं है। 54 साल के हसन खुमैनी दक्षिणी तेहरान में अपने दादा के मकबरे के संरक्षक के तौर पर एक अहम सांकेतिक भूमिका निभाते हैं। रूहोल्लाह खुमैनी के पोते-पोतियों में सबसे अहम और चर्चित नाम हसन का है। वह एक सीनियर मौलवी हैं और उनको उदारवादी गुट का माना जाता है। उन्होंने कभी भी कोई सरकारी पद नहीं संभाला है। अली खामेनेई की मौत के बाद वह सुप्रीम लीडर बनने की रेस में शामिल एक अहम चेहरा थे। ईरान और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के दस्तखत के बाद दोनों देशों के बीच शांति समझौता लागू हो गया है।

ईरानी प्रेसिडेंट मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते पर आधिकारिक रूप से साइन किए।

सावधानी से जाएं, वरना परियों के देश में हो जाएंगे गुम

पहाड़ों पर घूमने का शौक अधिकतर लोगों को होता है। क्योंकि यहां की खूबसूरती बहुत मनमोहक होती है। वहीं, उत्तराखंड का एक पहाड़ ऐसा भी है जहां आप परियों को कहानियों में ही नहीं यहां उन्हें सच में भी देख सकते हैं। जी हां, इस स्थान को परियों के देश के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्वत जितना खूबसूरत है यहां उतने ही रहस्य छिपे हुए हैं। कहते हैं की यहां एक गलती से व्यक्ति परियों के देश में गुम हो सकता है।

बचपन में परियों की कहानी सुनना बच्चों को बहुत पसंद आता है। जो हमारी हर इच्छा को पूरी कर सकती है। हालांकि, असल जीवन में हम इन बातों पर कम विश्वास करते हैं। लेकिन अगर सच में परियां हों तो क्या आप इस पर विश्वास करेंगे? केवल कहानियों में ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के एक खूबसूरत पहाड़ पर सच में परियां रहती हैं। उत्तराखंड की सरकार ने भी जिसे परियों का देश माना है। कहते हैं कि यहां आप यूं ही नहीं जा सकते क्योंकि केवल एक छोटी गलती भी आपको परियों के देश में गुम कर सकती है। ऐसे में अगर आप इस पहाड़ पर जाने की सोच रहे हैं तो पहले यहां के महत्वपूर्ण नियम और इस कहानी को जरूर जान लें। वरना परियों के देश में हो जाएंगे लापता।

कहां है परियों का देश

यह जगह भारत में उत्तराखंड के ऋषिकेश से ज्यादा दूर नहीं है। यहां से सड़क मार्ग से गढ़वाल जिले के फेगुलीपट्टी के थात गांव तक पहुंचने के बाद आपको परियों के देश में जाने के लिए पैदल यात्रा करनी पड़ेगी। यहां की खूबसूरती बहुत ही अद्भुत है। यह चारों ओर से हरा-भरा नजर आता है जो बेहद मनमोहक लगता है। यहां पहुंचने के बाद यह स्थान किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता है। लेकिन इसकी सुंदरता के साथ-साथ यहां का एक बहुत बड़ा रहस्य भी है।

9 परियों की कहानी: लोक मान्यताओं और कथा के अनुसार, प्राचीन काल में यहां आशा रावत ने एक स्त्री से विवाह किया था। जिनके द्वारा उनकी 9 पुत्रियां हुई थीं, जो अत्यधिक खूबसूरत थीं। कहते हैं जब वे केवल 12 वर्ष की थीं तो उन्होंने एक सुबह देखा की चारों ओर अंधेरा है और सिर्फ एक स्थान खैट पर्वत पर रोशनी है। उसे देखने के लिए वे सारी बहनें उस पर्वत पर पहुंच गईं जो समुद्र तल से करीब 10 हजार फीट ऊंचाई पर है। माना जाता है कि वहां से वो कभी भी लौट कर नहीं आईं और परियां बन गईं। ये 9 परियां खैंट पर्वत के नौ अलग-अलग पहाड़ों पर रहकर आसपास के इलाके की रक्षा करती हैं। यहां स्थानीय लोगों को अचानक परियां नजर भी आ जाती हैं। साथ ही, इस पर्वत पर और भी कई रहस्य छिपे हैं।

अपने आप हो जाती है लहसुन और अखरोट की खेती

लोक मान्यता है कि इस पर्वत पर लहसुन और अखरोट की खेती अपने आप ही हो जाती है। यानी किसी को भी यहां इन्हें उगाना नहीं पड़ता है। साथ ही, यहां हमेशा हरियाली रहती है और अलग-अलग प्रकार के खूबसूरत फूल के पौधे नजर आते हैं। कहते हैं कि इन पौधों को यहां से ले जा नहीं सकते हैं। इन्हें मिट्टी से अलग करते ही ये तुरंत मुरझा जाते हैं और ऐसा करना भारी भी पड़ सकती। साथ ही, बताया जाता है की यहां एक गुफा मौजूद है जिसका अंत नहीं है। इस गुफा को बहुत रहस्यमयी माना जाता है। इस स्थान को लेकर एक अन्य कथा भी बहुत प्रचलित है जो जीतू नामक एक किसान से जुड़ी हुई है। कहते हैं कि वह खैट पर्वत पर बैठकर बहुत ही खुश मन से मधुर बांसुरी बजा रहा था। जो अत्यंत मनमोहक थी। इसी आवाज से आकर्षित होकर परियां नीचे उतर आईं और जीतू को अपने साथ ही ले गईं। इसके अलावा भी कुछ ऐसे कार्य हैं जिन्हें खैट पर्वत पर भूलकर भी नहीं करना चाहिए। इन्हें करने से आप परियों के देश में हमेशा के लिए गुम होकर रह सकते हैं। यहां के स्थानीय लोग इन परियों को आंछरी कहते हैं।

खैट पर्वत पर जाएं, तो इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप खैट पर्वत के अद्भुत नजारे और धरती पर स्वर्ग जैसा अनुभव लेने जाने की सोच रहे हैं तो जरा ठहर जाइए क्योंकि यहां एक गलती भी भारी पड़ सकती है। इस खूबसूरत पर्वत पर कुछ बातों का ध्यान रखना अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी भी खैट पर्वत पर चटक व भड़कीले रंग के कपड़े पहनकर नहीं जाना चाहिए। साथ ही, यहां शाम के समय और अकेले जाने से बचना चाहिए। खैट पर्वत पर गलती से भी गाने बजाने या गाने नहीं चाहिए। इस स्थान पर इत्र या परफ्यूम लगाने की भी मनाही होती है। साथ ही, परियों के देश में किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं फैलानी चाहिए और न ही कोई ऐसा काम करना चाहिए जिससे परियां क्रोधित हों। अगर एक बार ये परियां किसी पर मोहित या क्रोधित हो जाएं तो कहते हैं कि ये उस मनुष्य को अपने साथ ही ले जाती हैं।

रात की शादियां राक्षसी परंपरा

देवकीनंदन ठाकुर ने गोधूलि बेला को क्यों बताया विवाह के लिए सर्वश्रेष्ठ?

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने रात में होने वाले विवाह, शादियों में मद्यपान की बढ़ती प्रवृत्ति जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। देवकीनंदन ठाकुर ने बताया कि विवाह के लिए 'गोधूलि बेला' सबसे शुभ और उत्तम समय है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कारों का मिलन माना जाता है। यही कारण है कि विवाह के लिए शुभ मुहूर्त और विशेष समय का चयन किया जाता है। इन्हीं शुभ समयों में गोधूलि बेला का विशेष महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं कब होता है गोधूलि बेला का समय और इस समय को क्यों माना गया है महत्वपूर्ण...

गोधूलि बेला विवाह के लिए सबसे शुभ समय

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार समय का विभाजन देवताओं, पितरों और दैत्यों के समय में किया गया है। रात का समय दैत्यों का माना जाता है, इसलिए हिंदू समाज को रात में विवाह करने से बचना चाहिए। दैत्यों के समय में विवाह करके दैवीय और आदर्श जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। देवकीनंदन ठाकुर ने बताया कि प्राचीन भारतीय परंपरा में 'गोधूलि बेला' को विवाह के लिए सबसे शुभ और उत्तम समय माना जाता था। उस समय विवाह के सभी प्रमुख संस्कार और फेरे दिन में ही संपन्न होते थे।

इसलिए रात में किए जाते थे विवाह

देवकीनंदन ठाकुर ने बताया कि मुगल आक्रांताओं के दौर में जब बेटियों की सुरक्षा और सम्मान पर खतरा मंडराने लगा था, तब मजबूरी और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों ने रात के समय छिपकर विवाह करना शुरू किया। धीरे-धीरे यह एक परंपरा का रूप बन गई। उन्होंने कहा कि अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और वैसा कोई खतरा नहीं है, इसलिए समाज को शोर-शराबे और अनावश्यक दिखावे से दूर रहकर फिर से दिन में विवाह करने की पवित्र परंपरा की ओर लौटना चाहिए।

16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार

शादियों में मद्यपान के सेवन को लेकर भी देवकीनंदन ठाकुर ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विवाह हिंदू धर्म के 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। ऐसे पवित्र अवसर पर मद्यपान करना अत्यंत दूषित विषय है। इसका नकारात्मक प्रभाव केवल परिवार पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों और बच्चों के जीवन पर भी पड़ता है। विवाह को जितना अधिक पवित्र रखा जाएगा, समाज उतना ही स्वस्थ और संस्कारित बनेगा।

कब होता है गोधूलि बेला का समय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्यास्त से ठीक पहले का समय, जब गायें चरागाह से लौटती हैं और उनके खुरों से उड़ने वाली धूल वातावरण में फैलती है, उसे गोधूलि बेला कहा जाता है। शास्त्रों में इस समय को अत्यंत पवित्र और मंगलकारी माना गया है। मान्यता है कि इस बेला में देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार रहता है।

स्वयं में शुभ माना जाता है गोधूलि बेला

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार गोधूलि बेला में विवाह करने से कई बार विस्तृत मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह समय स्वयं में शुभ माना जाता है और दांपत्य जीवन में सुख, समृद्धि तथा सौहार्द लाने वाला बताया गया है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी गोधूलि बेला में विवाह की परंपरा देखने को मिलती है। धार्मिक ग्रंथों में भी इस समय को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना गया है। माना जाता है कि गोधूलि बेला में संपन्न होने वाले वैवाहिक संस्कार नवदंपति के जीवन में स्थिरता, प्रेम और पारिवारिक सुख लेकर आते हैं।

सोमवार से रविवार तक किस पेड़ की पूजा है शुभ?

सनातन परंपरा में पेड़-पौधों को सिर्फ हरियाली या प्रकृति का हिस्सा नहीं माना गया, बल्कि उन्हें आस्था, ऊर्जा और देवत्व का प्रतीक समझा गया है। यही वजह है कि भारत में सदियों से पीपल, तुलसी, बेल, नीम और शमी जैसे वृक्षों की पूजा की जाती रही है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक हर पेड़ किसी न किसी देवी-देवता से जुड़ा है और उसकी पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक बदलाव आते हैं। पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी कई ऐसे वृक्षों का जिक्र मिलता है, जिनमें देवी-देवताओं का वास माना गया है।

मान्यता है कि सही दिन और सही विधि से इन पेड़ों की पूजा करने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं, घर में खुशहाली बनी रहती है और कई तरह की परेशानियां दूर होती हैं, अगर आप भी जानना चाहते हैं कि सप्ताह के किस दिन किस पेड़ की पूजा करनी चाहिए और उससे कौन-सी कृपा मिलती है, तो यह लेख आपके लिए है।

सोमवार: बेल के पेड़ से मिलती है भगवान शिव की कृपा

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस दिन बेल के पेड़ की पूजा करना बेहद शुभ माना गया है। मान्यता है कि बेलपत्र की तीन पत्तियां शिवजी को बहुत प्रिय हैं। सोमवार को शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने और बेल वृक्ष के पास दीपक जलाने से वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं और मन को शांति मिलती है।

मंगलवार: नीम की पूजा से दूर होती हैं परेशानियां

मंगलवार का दिन हनुमान जी, मंगल देव और मां दुर्गा की आराधना के लिए खास माना जाता है। इस दिन नीम के पेड़ की पूजा करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नीम की पूजा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में चल रही आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती है। नीम को आरोग्य और सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है।

बुधवार: आंवला और तुलसी से मिलता है शुभ फल

बुधवार का दिन भगवान गणेश और बुध देव को समर्पित है। इस दिन गणपति को दूर्वा अर्पित करने के साथ तुलसी और आंवले के पेड़ की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि आंवले की पूजा से कारोबार और करियर में तरक्की के रास्ते खुलते हैं, जबकि तुलसी की पूजा से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है।

गुरुवार: केले के पेड़ की पूजा से बढ़ती है सुख-समृद्धि

गुरुवार को भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की पूजा की जाती है। इस दिन केले के पेड़ की पूजा का खास महत्व है। मान्यता है कि केले के पेड़ पर हल्दी मिला जल चढ़ाने से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। जिन लोगों के विवाह में देरी हो रही हो, उनके लिए भी केले के पेड़ की पूजा शुभ मानी जाती है।

शुक्रवार: तुलसी, अशोक और आंवला दिलाते हैं मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी, संतोषी माता और शुक्र देव को समर्पित है। इस दिन तुलसी, अशोक, गूलर और आंवले के पेड़ की पूजा करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि तुलसी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए शाम के समय तुलसी के पास दीपक जलाना बेहद शुभ माना जाता है।

शनिवार: पीपल और शमी की पूजा से दूर होता है शनिदोष

शनिवार को पीपल और शमी के पेड़ की पूजा का खास महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पीपल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। वहीं शमी का पेड़ भगवान शनि को प्रिय माना जाता है। शनिवार के दिन इन दोनों पेड़ों की पूजा करने और सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनिदोष कम होता है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

रविवार: सफेद आंकड़े की पूजा मानी जाती है शुभ

रविवार का दिन भगवान सूर्य को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन पीपल और तुलसी को जल नहीं चढ़ाना चाहिए और उनके पत्ते भी नहीं तोड़ने चाहिए। रविवार को सफेद आंकड़े के पौधे की पूजा करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में ऊर्जा, आत्मविश्वास और मान-सम्मान बढ़ता है।

स्वाभिमान की मिसाल: महाराणा प्रताप के निधन पर रो पड़ा था दुश्मन

मेवाड़ी शेर के शौर्य की अनसुनी ऐतिहासिक गाथा

मेवाड़ की माटी के लाल और वीरता के पर्याय महाराणा प्रताप की गाथा आज भी हर भारतीय की रगों में जोश भर देती है। वह केवल एक राजा नहीं, बल्कि देशभक्ति और आत्मसम्मान के जीते-जागते अवतार थे। इतिहास गवाह है कि मुगल सम्राट अकबर अपनी विशाल सेना और असीमित वैभव के बावजूद इस मेवाड़ी योद्धा को कभी झुका नहीं पाया।

भीषण प्रतिज्ञा और महलों का त्याग 32 वर्ष की आयु में जब महाराणा प्रताप ने सिंहासन संभाला, तो उन्होंने एक ऐसी प्रतिज्ञा ली जिसने उन्हें महान बना दिया। उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक वह चित्तौड़ को मुक्त कराकर वहां भगवा ध्वज नहीं फहरा देंगे, तब तक वह महलों में नहीं रहेंगे, बिछावन पर नहीं सोएंगे और न ही सोने-चांदी के पात्रों में भोजन करेंगे। अपनी इस प्रतिज्ञा का पालन उन्होंने जीवन के अंतिम समय तक किया।

मुगलकाल में मेवाड़ के शासक महाराणा संग्राम सिंह (राणा सांगा) के पौत्र एवं महाराणा उदय सिंह के पुत्र प्रताप सिंह का जन्म ज्येष्ठ मास विक्रमी सम्वत 1597 को हुआ था। महाराणा प्रताप बड़े होकर स्वाधीनता के पुजारी, देश भक्ति का अवतार और तपस्वी कहलाएं। महाराणा प्रताप ने अन्याय के सामने झुकना नहीं सीखा। तत्कालीन मुगल सम्राट अकबर ने अपनी अनंत शक्ति को दिखलाने के लिए राजा मान सिंह को विशाल सेना के साथ मेवाड़ की ओर भेजा तथा मान सिंह ने एकांत में अपने पथ का अनुगामी बनाने के लिए महाराणा प्रताप से कहा, ''महाराणा ! आप स्वाधीनता के पुजारी हैं। मैं आपका आदर करता हूं परंतु शाही सेना की शक्ति अनंत है। आज कौन है जो अकबर के सामने झुक नहीं गया ? सम्पूर्ण भारत में उसी की तूती बोल रही है। आप इस मिथ्या हठ को छोड़ दें। लक्ष्मी आपके चरणों में होगी। आप आजीवन सुख की नींद सोएंगे।''

महाराणा प्रताप उत्तेजित हो गए। बीच में बोल उठे, ''मान सिंह, मुझे अकबर के वैभव और शक्ति का पूरा पता है और उसके मूल्य को भी मैं खूब समझता हूं। दासता का ऐश्वर्य स्वतंत्रता के आनंद के सम्मुख तुच्छ है। अपनी बहू-बेटियों को अकबर के विलास का साधन बना कर ऐश्वर्य भोगना कहां की बुद्धिमता है ? शाही दरबार में नतमस्तक खड़े रहने को आप वैभव समझते हैं।''

विश्व प्रसिद्ध हल्दी घाटी युद्ध महाराणा प्रताप और मुगल सेना, जिसका नेतृत्व मान सिंह ने किया, के बीच हुआ था। शाही सेना, प्राण पण से लड़ने वाले स्वतंत्रता के पुजारी राजपूतों की भीषण मार न सह सकी। इसी समय महाराणा प्रताप की नजर हाथी पर सवार मान सिंह पर पड़ी।

उन्होंने चेतक को उस ओर दौड़ाया तथा पल भर में चेतक ने हाथी के मस्तक पर अपने अगले पांव रख दिए। महाराणा प्रताप ने गरज कर कहा, ''मान सिंह, सावधान, तुम्हारे स्वागत के लिए प्रताप आ गया है।''

यह कह कर पूरे वेग से अपना भाला मान सिंह पर फैंका। मान सिंह तुरंत अम्बारी में छिप गया। महाराणा प्रताप ने मान सिंह को मरा हुआ जानकर चेतक को पीछे हटा लिया। मान सिंह को लेकर हाथी भाग गया।

अकबर ने कई बार मेवाड़ पर हमले किए परंतु सफल न हो सका। आखिर बहुत निराश होकर सेनाओं को भेजना बंद कर दिया। महाराणा प्रताप ने शनैः शनैः सारे मेवाड़ को अपने अधिकार में कर लिया।

महाराणा प्रताप ने करीब 56 वर्ष के जीवनकाल के अमूल्य 24 वर्ष बड़ी कठिनाई से गुजारे परंतु किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया। किसी की अधीनता स्वीकार नहीं की। तत्कालीन दिल्ली सम्राट अकबर से आजीवन लोहा लिया।

दिल्ली सम्राट अकबर ने 4-5 बार अपनी विशाल सेना भेजी परंतु प्रत्येक बार मुंह की खानी पड़ी। आज से करीब 408 वर्ष पूर्व उदयपुर से 30 मील दक्षिण की तरफ एक पहाड़ी गांव चावड़े में आत्मसम्मान, बलिदान, वीरता और साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप का देहांत हो गया। सम्राट अकबर इस घटना से बहुत दुखी हुआ।

अपने शत्रु की मृत्यु पर सम्राट दुखी क्यों ? दरबारी न जान पाए। दुस्सा आढ़ नामक कवि ने एक कविता पढ़ी जिसका अर्थ था 'प्रताप तू धन्य है, तेरी मृत्यु पर सम्राट भी दुखी है। तूने किसी के सामने सिर नहीं झुकाया, तूने कर नहीं दिया। शाही अधीनता स्वीकार नहीं की। वास्तव में विजय तेरी हुई।'

फैशन के साथ किस्मत का कनेक्शन!

ग्रीन डायल वॉच को लेकर ज्योतिष क्या कहता है

ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार, हरा रंग दिल और भावनाओं से जुड़ी ऊर्जा को मजबूत करने वाला माना जाता है। कई लोग इसे हार्ट चक्र से भी जोड़कर देखते हैं। मान्यता है कि जब कोई व्यक्ति हरे रंग की घड़ी पहनता है, तो वह अपने काम और रिश्तों में ज्यादा संवेदनशील और समर्पित हो सकता है। ऐसे लोग अक्सर काम को सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अपने जुनून की तरह लेते हैं। वे किसी भी काम में पूरी ईमानदारी और दिलचस्पी दिखाते हैं।

प्रैक्टिकल सोच से ज्यादा भावनाएं हो सकती हैं हावी

हालांकि, ज्योतिष यह भी कहता है कि हर ऊर्जा के दो पहलू होते हैं। हरे रंग का प्रभाव बढ़ने पर कई बार व्यक्ति फैसले भावनाओं के आधार पर लेने लगता है। ऐसे लोग समय, मुनाफे या अपने फायदे से ज्यादा सामने वाले की जरूरतों को अहमियत देते हैं। आसान शब्दों में कहें तो वे अक्सर 10 रुपये लेकर 20 रुपये का काम कर देते हैं। कारोबार में भी ऐसे लोगों की पहचान भरोसेमंद और मददगार इंसान के रूप में होती है। हालांकि, कई बार यही आदत उनके लिए चुनौती बन सकती है, क्योंकि वे अपने समय और मेहनत की सही कीमत नहीं लगा पाते।

क्या हर किसी को पहननी चाहिए ग्रीन डायल वॉच?

ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि हरे रंग का असर हर व्यक्ति पर एक जैसा नहीं होता। यह काफी हद तक उसकी कुंडली, ग्रहों की स्थिति और व्यक्तिगत स्वभाव पर निर्भर करता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है, वे हरे रंग से ज्यादा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। वहीं, जिन लोगों को निर्णय लेने में दिक्कत होती है या जो जरूरत से ज्यादा भावुक हो जाते हैं, उन्हें संतुलन बनाकर चलने की सलाह दी जाती है।

फैशन के साथ संतुलन भी है जरूरी

आजकल ग्रीन डायल वाली घड़ियां युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कुछ लोग इसे स्टाइल स्टेटमेंट के तौर पर चुनते हैं, तो कुछ इसे सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी रंग या वस्तु को जीवन बदलने वाला उपाय मानने के बजाय उसे प्रेरणा और आत्मविश्वास बढ़ाने वाले माध्यम के रूप में देखना चाहिए। आखिरकार, सफलता सिर्फ रंगों या एक्सेसरीज़ से नहीं, बल्कि मेहनत, सही फैसलों और संतुलित सोच से मिलती है, अगर आपको हरा रंग पसंद है और इसे पहनकर आप खुद को ज्यादा सकारात्मक और जुड़ा हुआ महसूस करते हैं, तो यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद कर सकता है। ग्रीन डायल वाली घड़ी को लेकर कई ज्योतिषीय मान्यताएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि यह व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत और रिश्तों के प्रति संवेदनशील बना सकती है। लेकिन किसी भी ज्योतिषीय सलाह को अपनाने से पहले अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों और व्यवहार को समझना भी उतना ही जरूरी है।

जब हम अपनी शक्तियों और गुणों को समझते हैं, तब हम सही दिशा में आगे बढ़ते हैं

हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य स्वयं को जानना है। हमें अपनी शक्ति, क्षमता, ज्ञान, अनुभव और गुणों को पहचानना चाहिए। केवल धन कमाना, ऊंचा पद पाना, प्रतिष्ठा हासिल करना या प्रसिद्ध होना ही जीवन का लक्ष्य नहीं है। दूसरों पर शासन करना या सबको अपने अधीन करना भी सच्ची सफलता नहीं कहलाती। वास्तविक सफलता आत्मज्ञान में है। जब हम अपने भीतर की शक्तियों और गुणों को समझते हैं, तभी जीवन का सही अर्थ मालूम होता है और फिर हम सही दिशा में आगे बढ़ते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 19 जून - 2026

कमजोर पड़ते क्षेत्रीय दल

भारतीय लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। देश की भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को राजनीतिक अभिव्यक्ति देने में क्षेत्रीय दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन दलों ने न केवल राज्यों के मुद्दों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया, बल्कि संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान की। किंतु हाल के वर्षों में अनेक क्षेत्रीय दल गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के टूटने की सुर्खियां अभी चल ही रही थी कि महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एक और विभाजन के कगार पर पहुंच गई है। यह केवल किसी एक दल की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति में बढ़ती अस्थिरता और अवसरवाद का संकेत है। शिवसेना का वर्तमान संकट बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए उसकी वैचारिक पहचान कितनी महत्वपूर्ण होती है। कभी हिंदुत्व और मराठी अस्मिता की राजनीति के लिए पहचानी जाने वाली शिवसेना ने समय के साथ ऐसे राजनीतिक प्रयोग किए, जिनसे उसके पारंपरिक समर्थकों में भी भ्रम की स्थिति पैदा हुई। भाजपा से वर्षों पुराना गठबंधन तोड़कर वैचारिक रूप से विपरीत दलों के साथ सत्ता में शामिल होना उसके लिए राजनीतिक रूप से महंगा साबित हुआ। परिणामस्वरूप संगठन में असंतोष बढ़ा और अंततः विभाजन की स्थिति उत्पन्न हुई। यह उदाहरण दर्शाता है कि विचारधारा से विचलन किसी भी दल की जड़ों को कमजोर कर सकता है। दरअसल, अनेक क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी समस्या उनका व्यक्तिवादी और परिवार-केंद्रित स्वरूप है। कई दलों में संगठनात्मक लोकतंत्र का अभाव दिखाई देता है। निर्णय लेने की पूरी प्रक्रिया कुछ व्यक्तियों या परिवारों तक सीमित रहती है, जिससे कार्यकर्ताओं और दूसरे नेताओं में असंतोष पैदा होता है। जब नेतृत्व संवाद और सहभागिता के बजाय नियंत्रण की राजनीति अपनाता है, तब दल के भीतर टूट की संभावना बढ़ जाती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती उसके संस्थागत ढांचे और आंतरिक लोकतंत्र पर निर्भर करती है, न कि केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता पर। क्षेत्रीय दलों के संकट का एक अन्य प्रमुख कारण बढ़ती दलबदल की प्रवृत्ति है। आज अनेक जनप्रतिनिधि वैचारिक प्रतिबद्धता से अधिक सत्ता, पद और राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। इससे मतदाताओं का विश्वास कमजोर होता है और लोकतांत्रिक मूल्यों को आघात पहुंचता है। दलबदल विरोधी कानून के बावजूद यह प्रवृत्ति पूरी तरह नहीं रुक सकी है। कानून मौजूद है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और नैतिक प्रतिबद्धता के अभाव में उसका प्रभाव सीमित रह जाता है। क्षेत्रीय दलों का कमजोर होना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। ये दल राज्यों की आवाज बनकर केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करते हैं। यदि वे लगातार टूटते और कमजोर होते रहे, तो राजनीतिक विविधता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व प्रभावित होते देर नहीं लगेगी। इसलिए समय की मांग है कि क्षेत्रीय दल आत्ममंथन करें, अपनी वैचारिक स्पष्टता बनाए रखें, संगठनात्मक लोकतंत्र को मजबूत करें और अवसरवादी राजनीति से दूरी बनाएं। साथ ही, दलबदल को केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न के रूप में भी देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती तभी संभव है, जब राजनीतिक दल सिद्धांत, जवाबदेही और जनविश्वास को सत्ता से ऊपर रखें। क्षेत्रीय दलों के सामने खड़ा यह संकट वास्तव में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता और भविष्य की परीक्षा है।

हॉर्मुज खुलने के बाद भी तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य होने में 4 वर्ष लगेंगे !

स्नेहा सिंह

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता अंतिम रूप ले चुका है। इसके चलते विश्वभर में राहत का माहौल बना है। घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई और वैश्विक बाजारों में भी सामान्य स्थिति दिखाई दी। लोगों को लग रहा है कि अब हालात सुधर जाएंगे और वैश्विक ऊर्जा संकट समाप्त हो जाएगा। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह समझौता जितना सरल दिखाई देता है, वास्तव में उतना सरल नहीं है।

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प हों, पेंटागन हो या ईरान का नेतृत्व, किसी के पास ऐसी जादुई छड़ी नहीं है कि एक झटके में सब कुछ सामान्य कर दिया जाए। सबसे बड़ी बात यह है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य वास्तव में कब पूरी तरह खुलेगा, यह किसी को नहीं पता। यदि इसे खोल भी दिया जाए, तब भी विश्वभर में तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य होने में कई वर्ष लग सकते हैं।

व्यावहारिक रूप से देखें तो पिछले 100 दिनों से अधिक समय से यह समुद्री मार्ग बंद है। युद्ध के कारण खाड़ी देशों ने तेल उत्पादन बंद या कम कर दिया था और अपने भंडारों का उपयोग किया था। अब यदि समझौते के बाद शुक्रवार से मार्ग खुल भी जाता है, तो यह मान लेना गलत होगा कि युद्ध-पूर्व स्थिति तुरंत लौट आएगी। सामान्य स्थिति बहाल होने में लंबा समय लगेगा। गौरतलब है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य से विश्व का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है। कतर की 93 प्रतिशत एलएनजी और यूएई का 96 प्रतिशत तेल एवं गैस निर्यात भी इसी रास्ते से होता है। सऊदी अरब और यूएई के पास कुछ पाइपलाइनें अवश्य हैं, लेकिन उनकी क्षमता सीमित है। इनके माध्यम से कुछ मात्रा में तेल भेजा जा सकता है, लेकिन गैस परिवहन के लिए जहाजों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। इस मार्ग के बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आ गई। हर सप्ताह लगभग 200 करोड़ घन मीटर गैस की आपूर्ति बाधित हुई। सरल शब्दों में कहें तो आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा तेल और गैस संकट पैदा हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल समुद्री मार्ग खुल जाने से समस्या का समाधान नहीं हो जाएगा। कतर के गैस संयंत्रों को हुए नुकसान की भरपाई होने में कम से कम पांच वर्ष लग सकते हैं।

रिपोर्टों के अनुसार इस संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आ गई है। कतर को अपनी गैस आपूर्ति पूर्ववत करने में लंबा समय लगेगा। कतर ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक उसके जहाजों के संचालन के लिए पर्याप्त सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती, तब तक वह उत्पादन पूरी क्षमता से शुरू नहीं करेगा।

इसलिए हॉर्मुज खुल जाने के बाद भी तुरंत बाजार में तेल और गैस की बाढ़ नहीं आने वाली। ईरान, सऊदी अरब, कुवैत और कतर के तेल एवं गैस केंद्रों पर हुए हमलों से हुए नुकसान की मरम्मत और उन्हें पूर्ण क्षमता से चालू करने में भी काफी समय लगेगा।महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सोमवार तक हॉर्मुज और उसके आसपास की स्थिति लगभग सामान्य ही थी।

समुद्री ट्रैकिंग कंपनियों, नाविकों और विशेषज्ञों के अनुसार वहां कोई असाधारण गतिविधि नहीं देखी गई। किसी भी जहाज या उसके चालक दल को अभी तक पूर्ण संचालन शुरू करने के स्पष्ट निर्देश नहीं मिले थे।

हालांकि लगभग डेढ़-दो महीने बाद जीपीएस संकेत फिर से उपलब्ध होने लगे हैं, जिससे जहाजों को रास्ता पहचानने में आसानी होगी। लेकिन जहाज कब चलेंगे, किस प्रकार चलेंगे और कितनी संख्या में चलेंगे, इसका उत्तर फिलहाल किसी के पास नहीं है। सूत्रों के अनुसार अभी केवल समुद्री मार्ग खोलने की बात हुई है।

आस्था और श्रद्धा से विश्वासघात है राममंदिर दान की हेराफेरी

मनोज कुमार अग्रवाल

अयोध्या में श्री राम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर कर करोड़ों रुपये के गबन का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। इस मामले में अब पांच किरदार सामने आए हैं। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि इनके खिलाफ पुख्ता सुबूत भी मिले हैं। अभी भी वह राज खोल रहे हैं। हालांकि हेरफेर के पीछे किसकी शह थी, क्या कोई बड़ा शख्स इसका साजिशकर्ता है? आखिर कौन है वह जो जानबूझकर इस मामले को दबाने के लिए कथित आंतरिक कमेटी बना कर अपने पापों पर परदा डालने की कोशिश करते रहे देर सवेर इस बड़े किरदार के धतकरम के सारे राज सामने आएंगे तो बहुत से लोगों को गहरा धक्का लगा सकता है। करीब एक सप्ताह पहले राम मंदिर में आए चढ़ावे और दान (चंदे) में कथित गड़बड़ियों और चोरी को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोपों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने दान में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। इसे 7 दिन में प्रारंभिक और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे की गिनती का काम करने वाले कुछ कर्मचारी जांच के घेरे में हैं। 18-20 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने वाले कर्मचारियों द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये तक की जमीन खरीदने की बात सामने आई है। एक कर्मचारी के घर से भारी नकदी बरामद होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आंतरिक ऑडिट का हवाला देते हुए किसी बड़ी गड़बड़ी से फिलहाल इनकार किया है।

आपको बता दें कि कुछ ऐसे विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिनमें दान की गिनती के दौरान कर्मचारी और पुजारी रूपये की गड्डी हेरफेर कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रमाशंकर से पूछताछ जारी है । रिकवरी भी की गई है। । इससे ये स्पष्ट हो गया है कि इनकी इसमें भूमिका है लेकिन इतने संवेदनशील जगह से रकम पार करते रहने और पकड़ा न जाना कई सवाल खड़े करता है। जब वह पकड़े गए हैं तब तक करोड़ों की रकम इधर से उधर की जा चुकी है। ऐसे में अंदेशा है कि क्या इसके पीछे किसी बड़े शख्स की साजिश है। वह ट्रस्ट से जुड़ा या फिर किसी अन्य विभाग आदि से है। फिलहाल इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है इतने संवेदनशील व बड़े मामले में अब तक ट्रस्ट के किसी बड़े जिम्मेदार ने कोई बयान जारी नहीं किया है। हर कोई खामोश है। इसलिए तमाम तरह की चर्चाओं व कयास का दौर जारी है। ट्रस्ट से जुड़े जुड़े दो ऐसे लोग भी हैं, जिन पर कई सवाल उठ रहे हैं। उनकी कोई भूमिका है या नहीं, ये तभी पता चल सकेगा जब कोई एजेंसी या एसआईटी मामले की विस्तृत जांच करेगी।

ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी का टिन्नू करीबी है। वह दशकों से उनसे जुड़ा है। जिन पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, उसमें शामिल रमाशंकर का टिन्नू रिश्तेदार भी है। सूत्रों के मुताबिक टिन्नू का हस्तक्षेप हर किसी काम में रहता था। इसलिए उस पर सवाल उठ रहे हैं। उसको लेकर ट्रस्ट के एक पूर्व पदाधिकारी ने कैमरे सामने गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले में कोई लिखित शिकायत तक नहीं मिली है। लिहाजा पूछताछ आदि का सवाल ही नहीं उठता है। पुलिस के बड़े अधिकारी भी खामोश हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पूछताछ से लेकर रिकवरी की प्रक्रिया में पुलिस की एक टीम लगी है।राम मंदिर की दान राशि में गबन के मामले में अब तक 2.98 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। यह रकम पकड़े गए संदिग्धों की निशानदेही पर बरामद की गई है। गुपचुप ढंग से चल रही जांच में आठ करोड़ रुपये से अधिक के हेरफेर के संकेत व साक्ष्य मिले हैं। हालांकि जांच पूरी होने के बाद यह राशि घट या बढ़ सकती है।श्रीराम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने का खेल शायद सामने भी नहीं आ पाता, यदि इसके सूत्रधार वे नहीं बनते, जो मंदिर प्रबंधन में दखल बढ़ाने को लेकर परेशान थे।इन्हीं लोगों ने रणनीति के तहत पहले सूचनाएं एकत्र कीं, फिर ट्रस्ट के एक पदाधिकारी को जानकारी देकर आरोपित को रंगे हाथ पकड़वाया।इसे छिपाने का प्रयास हुआ तो जानकारी लीक कर दी गई।

सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के ड्राइवर रहे रामशंकर यादव 'टिन्नू' का बहुत कम समय में इतना हस्तक्षेप बढ़ गया कि वह न केवल राम मंदिर का प्रबंधन देखने लगा, बल्कि परिसर के अन्य आयोजनों व कार्यों का भी दायित्व संभालने लगा।पता चला कि यह गड़बड़ी लंबे समय से चल रही है। इस प्रकरण से उक्त ट्रस्ट पदाधिकारी को सूचित कर रंगे हाथ पकड़वाने के बारे में सोचा गया। पांच जून को दोपहर में अचानक ट्रस्ट पदाधिकारी रामजन्मभूमि के यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) पहुंच गए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तुरंत सुरक्षाकर्मी को बुला कर निकलते समय एक गणना कर्मी की तलाशी करा दी, तो कुछ धन बरामद हो गया। उससे पीएफसी के कमरे में ले जाकर गहन पूछताछ हुई तो दूसरे लोगों के नाम भी सामने आ गए। बता दें कि इस सनसनीखेज मामले के खुलासे के बाद से ट्रस्ट गोपनीय जांच में जुटा है। लेकिन पदाधिकारी लगातार चुप्पी साधे हैं। आधिकारिक तौर पर पुलिस को भी शामिल नहीं किया गया है। लेकिन करोड़ों का गबन की रिकवरी की जद्दोजहद में सभी जुटे हैं। पकड़े गए संदिग्धों के अलावा और कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं इसका पता लगाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक अभी तक गबन की राशि सही आंकड़ा सामने नहीं आया है, लेकिन संदिग्धों से पूछताछ में मिली जानकारी व साक्ष्यों के आधार पर आठ करोड़ से अधिक के खेल का अंदेशा है।

संदिग्धों के घर व ठिकानों के साथ बैंक खाते भी खंगाले जा रहे हैं। इनमें अवनीश के खाते से पांच लाख रुपये मिले हैं।

यह रकम उसने दान राशि से गायब की थी। जेवरात भी मिले हैं।पुलिस ने शनिवार को रुदौली के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में मंदिर कर्मचारी लवकुश के घर छापा मारा गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान 10-12 लाख रुपये बरामद किए गए। अयोध्या में श्रीराम मंदिर को मिले दान में गबन के तूल पकड़ने के बाद आखिरकार राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष वित्त सचिव नीलरतन शामिल हैं।

ट्रंप - मोदी की मुलाकात के वैश्विक कूटनीतिक संकेत

कमलेश पांडेय

जब दुनिया के दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के मशहूर राष्ट्राध्यक्ष मिलते हैं तो दुनियावी जनकल्याण की बातें अवश्य छिड़ती हैं। हाल ही में जब फ्रांस में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हुई तो इसे केवल द्विपक्षीय शिष्टाचार भर नहीं मानी जा रही बल्कि इसके व्यापक राजनीतिक, सामरिक और कूटनीतिक संकेत मिले हैं।

वहीं, नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हालिया मुलाकात को कई विश्लेषक केवल औपचारिक कूटनीतिक संवाद नहीं बल्कि व्यक्तिगत समीकरणों को पुनर्जीवित करने की कोशिश के रूप में भी देख रहे हैं। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि दोनों के रिश्तों पर जमी पूरी बर्फ पिघल गई है लेकिन यह स्पष्ट है कि दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से सकारात्मक संकेत देने का प्रयास किया है।

इस मुलाकात में सबसे बड़ी बात तो यह हुई कि अमेरिका ने भारत को आश्वस्त किया है कि मोदी काल में यदि भारत के ऊपर कोई हमला होता है तो यूएस यानी अमेरिका भारत के साथ रहेगा हालांकि उनकी इस आश्वस्ति भाव के कूटनीतिक मायने भी बड़े दिलचस्प होंगे, जिसकी चर्चा मैं आगे करूँगा।

यक्ष प्रश्नः क्या व्यक्तिगत रिश्ते सामान्य हो रहे हैं?

सवाल है कि क्या व्यक्तिगत रिश्ते सामान्य हो रहे हैं? तो जवाब होगा कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजनों ने दोनों नेताओं की व्यक्तिगत निकटता की छवि बनाई थी। बाद के वर्षों में कुछ मुद्दों-व्यापार, वीजा, रूस से भारत के संबंध और अमेरिकी घरेलू राजनीति-के कारण रिश्तों में उतनी गर्मजोशी सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दी जबकि हालिया मुलाकात से संकेत मिलता है कि दोनों नेता व्यक्तिगत संवाद की लाइन खुली रखना चाहते हैं क्योंकि रणनीतिक हित व्यक्तिगत मतभेदों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत और अमेरिका दोनों बदलते वैश्विक समीकरणों में एक-दूसरे की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं। सबसे पहले मोदी-ट्रंप मुलाकात के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ की चर्चा कर लेते हैं, जो इस प्रकार है- पहला, भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की पुनर्पुष्टिः वैश्विक स्तर पर चीन के बढ़ते प्रभाव, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा और नई भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच यह मुलाकात दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का संदेश देती है। साथ ही, रक्षा सहयोग और तकनीकी साझेदारी पर जोर डालती है, क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने की साझा चिंता दोनों देशों को है। इसलिए समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देश आगे आ चुके हैं।

दूसरा, भारत के प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए महत्वपूर्ण संकेतः यह मुलाकात अप्रत्यक्ष रूप से चीन को संदेश देती है कि भारत और अमेरिका क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर संवाद बनाए हुए हैं। दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नजर दोनों देशों की नजर है। लिहाजा क्वाड जैसी व्यवस्थाओं को मजबूती मिलने की संभावना है। इससे एशिया में शक्ति संतुलन की राजनीति को बल मिलेगा। हालांकि, भारत को अमेरिकी चालों के परिप्रेक्ष्य में सावधानी भी बरतनी होगी, उसके मतलबी इतिहास के दृष्टिगत। तीसरा, रूस-यूक्रेन और वैश्विक संघर्षों पर संवादः चूंकि भारत रूस और पश्चिमी देशों के बीच संतुलित कूटनीति अपनाता रहा है। इसलिए भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर चर्चा भी संभव हुआ है। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी विचार-विमर्श हुआ होगा। क्योंकि इन मामलों में अमेरिका, भारत को संभावित मध्यस्थ या संवाद-सहयोगी के रूप में देखने का आदी बन चुका है और इसमें अमेरिकी रुचि भी अस्वाभाविक नहीं है।

चौथा, व्यापार और निवेश के मायनेः दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। उच्च तकनीक, सेमीकंडक्टर, एआई और रक्षा उत्पादन में सहयोग बढ़ा है। अमेरिकी निवेश आकर्षित करने की भारतीय कोशिशों को बल मिला है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन पर निर्भरता से हटाने की रणनीति में भारत की भूमिका बढ़ी है। पांचवां, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में वृद्धिः यह मुलाकात दर्शाती है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। जी-7 और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत की बढ़ती स्वीकार्यता भी इस बात को जाहिर करती है। वहीं वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में भारत की भूमिका मजबूत हुई है। खासकर ऊर्जा, जलवायु और विकास संबंधी मुद्दों पर भारत की अहमियत बढ़ना इसी बात का द्योतक है। छठा, घरेलू राजनीतिक मायनेः भारत में सरकार इसे भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। विदेश नीति की उपलब्धियों को राजनीतिक विमर्श में प्रमुखता मिल सकती है। जबकि अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के लिए भारत के साथ निकट संबंध एशिया नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के संदर्भ में भी यह राजनीतिक रूप से उपयोगी संदेश माना जा सकता है।

सातवां, फ्रांस की भूमिका भी महत्वपूर्णः चूंकि यह मुलाकात भारत के मित्र फ्रांस की उपस्थिति में हुई, इसलिए इसका एक त्रिपक्षीय आयाम भी है। दरअसल फ्रांस, भारत और अमेरिका के बीच रक्षा एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के नए अवसर पैदा हुए हैं। साथ ही इंडो-पैसिफिक में फ्रांस की सक्रिय भूमिका को समर्थन मिला है। इससे यूरोप-भारत-अमेरिका सहयोग के नए समीकरण बने हैं, जो भारत के दूरगामी हित में हैं। दुनिया के अन्य देशों पर मोदी-ट्रंफ मुलाकात के संभावित प्रभाव जहां तक दुनिया के अन्य देशों पर मोदी-ट्रंफ मुलाकात के संभावित प्रभाव की बात है तो पहला, चीन पर प्रभावः चीन इस मुलाकात को ध्यान से देखेगा, क्योंकि भारत-अमेरिका सहयोग मजबूत होने पर चीन को एशिया में अधिक संतुलित प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। चूंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका और महत्वपूर्ण हो सकती है। इसलिए चीन भारत के साथ संबंधों को स्थिर रखने की कोशिश भी बढ़ा सकता है ताकि वह दो मोर्चों पर दबाव न झेले। दूसरा, रूस पर प्रभावः रूस के लिए यह मिश्रित संकेत है, क्योंकि रूस समझता है कि भारत अमेरिका के साथ भी मजबूत संबंध रखेगा। इससे भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति और मजबूत होगी। मॉस्को भारत को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने के लिए रक्षा और ऊर्जा सहयोग बढ़ा सकता है। तीसरा, यूरोप पर प्रभावः फ्रांस, जर्मनी और अन्य यूरोपीय देश इसे सकारात्मक रूप से देख सकते हैं। भारत पश्चिम और वैश्विक दक्षिण के बीच पुल की भूमिका निभा सकता है।यूरोपीय देशों के लिए भारत और भी आकर्षक रणनीतिक साझेदार बन सकता है। रक्षा और हरित प्रौद्योगिकी सहयोग में नए अवसर खुल सकते हैं।

हरित पुनरुद्धार की ओर बढ़ते भारत के कदम

महेन्द्र तिवारी

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने भूमि बहाली के क्षेत्र में एक ऐसी अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है जिसने पूरी दुनिया के सामने सफलता का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है। भारत ने अपने निरंतर और सुनियोजित प्रयासों से 21.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर और खराब हो चुकी भूमि को फिर से हरा-भरा और उपजाऊ बनाने में सफलता प्राप्त की है। इस विशाल आंकड़े की गंभीरता और इसके भौगोलिक विस्तार को इस तरह समझा जा सकता है कि यह क्षेत्रफल लगभग पूरे यूनाइटेड किंगडम अर्थात ब्रिटेन के कुल भौगोलिक आकार के बराबर है।

इतने बड़े पैमाने पर सूखी, ऊसर और जीवनहीन हो चुकी ज़मीन को पुनर्जीवित करना केवल एक प्रशासनिक सफलता नहीं है बल्कि यह प्रकृति के प्रति देश की गहरी प्रतिबद्धता और दूरगामी नीतियों का जीवंत परिणाम है। इस ऐतिहासिक कदम ने न केवल भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा को मजबूत किया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति देश की साख को बहुत ऊंचा किया है। भूमि का इस तरह से पुनरुद्धार करना आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव रखने जैसा है जो सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस पूरी मुहिम की वैश्विक कड़ियों को जोड़कर देखना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि भारत के ये प्रयास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे बड़े अभियानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इसी संदर्भ में बॉन चुनौती का नाम प्रमुखता से उभर कर सामने आता है। बॉन चुनौती वास्तव में वनों की कटाई को रोकने और मरुस्थलीकरण के कारण बंजर हो चुकी भूमि को फिर से उपजाऊ और हरा-भरा बनाने का एक बहुत बड़ा वैश्विक संकल्प है। इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत वर्ष 2011 में जर्मनी की सरकार और इंटरनेशनल यूनियन फॉर Conservation ऑफ नेचर द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। जब इसे वैश्विक स्तर पर शुरू किया गया था तब इसका प्राथमिक लक्ष्य रखा गया था कि वर्ष 2020 तक पूरी दुनिया में 150 मिलियन हेक्टेयर खराब हो चुकी भूमि को बहाल किया जाएगा। इसके बाद इस लक्ष्य को और अधिक विस्तारित करते हुए वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया। भारत ने इस वैश्विक चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया और अपनी घरेलू प्राथमिकताओं को इसके साथ इस तरह जोड़ा कि आज देश इस दिशा में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। भारत की इस पर्यावरणीय यात्रा में एक और बड़ा मोड़ तब आया जब देश ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक विस्तार देने का निर्णय लिया। वर्ष 2019 में भारत की राजधानी नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय के चौदहवें सत्र का आयोजन किया गया था जिसे कॉप 14 के नाम से भी जाना जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के पर्यावरणविदों और नीति निर्माताओं की उपस्थिति में भारत ने अपने पुराने लक्ष्यों में बड़ा संशोधन किया।

भारत ने वैश्विक मंच पर यह संकल्प लिया कि वह वर्ष 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर और निम्नीकृत भूमि को पूरी तरह से बहाल करेगा। वर्तमान समय में हासिल किया गया 21.76 मिलियन हेक्टेयर का यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और वह इस अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा से बहुत पहले ही प्राप्त करने की मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है। इस विशाल भूभाग को दोबारा जीवन देने और उसे हरा-भरा बनाने के लिए देश में बहुआयामी रणनीतियों को अपनाया गया जिसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका वनरोपण की रही है।

देश के विभिन्न राज्यों में जो जमीनें पूरी तरह से खाली थीं या जहां औद्योगिक गतिविधियों और खनन कार्यों के बाद खदानों को बंजर छोड़ दिया गया था वहां बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए गए। इस प्रक्रिया में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि केवल पेड़ न लगाए जाएं बल्कि उन स्थानीय प्रजातियों के पौधों को चुना जाए जो वहां की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल हों। इससे बंजर पहाड़ियों और मैदानी इलाकों में एक बार फिर से सघन हरित आवरण लौटने लगा जिसने भूमि के क्षरण को रोक दिया और मिट्टी की खोई हुई पोषक क्षमता को वापस लाने में मदद की।

वनरोपण के साथ-साथ जल और मिट्टी के संरक्षण के लिए जलागम प्रबंधन तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया जो इस सफलता की रीढ़ साबित हुई।

इसके अंतर्गत पहाड़ी और ढलान वाले क्षेत्रों में वैज्ञानिक पद्धतियों से छोटे-छोटे बांधों का निर्माण किया गया जिन्हें चेक डैम कहा जाता है। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा के तेजी से बहते हुए पानी को रोका गया जिससे न केवल उपजाऊ मिट्टी का बहाव थमा बल्कि ज़मीन के भीतर पानी का स्तर भी तेजी से ऊपर उठा। भूजल स्तर में सुधार होने के कारण आसपास की सूखी और प्यासी ज़मीन को पर्याप्त नमी मिली जिससे वहां प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों का उगना दोबारा शुरू हो गया और कई सूखी नदियां तथा जलस्रोत पुनर्जीवित हो उठे।

आओ ! किसी तरह रिकॉर्ड तोड़ें !

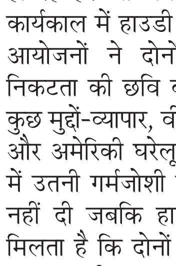

डॉ टी महादेव राव

रिकॉर्ड तोड़ना यानी कीर्तिमान बनाना अब नया शगल है, नई योजना है, नया खोजना है और खुद को कीर्तिमान के ऊपर भेजना है। ऐन केन प्रकारेण खबरों में रहना और अखबारों में पसर जाना फैल जाने का भी तो कीर्तिमान है।

लेकिन छोटू! तुमने बताया नहीं कि किसके बारे में यह सब कह रहे हो?

मेरा पड़ोसी है परमेश फैलू सिंह फेंकू। उसके बारे में कह रहा हूं। कल शाम को मीटिंग में कह रहा था एक साल से रात को खाना त्यागकर उसने रिकॉर्ड बनाया है। हमने कहा शाम को छह बजे डटकर चाय नाश्ता करोगे तो रात के खाने से परहेज करोगे ही न। इसमें कैसा कीर्तिमान? सही ही तो है! तुम लोगों ने सही प्वाइंट पकड़ा है। लेकिन वह मानता नहीं। आज के पेपर में उसका फोटो और बयान छपा है। उसने अपने कीर्तिमान पर कम और हम विरोध करने वालों पर ज्यादा बोला है। दुनिया की परंपरा ही ऐसी हो गई है। अब देखो विश्व के बड़े भैया देश के बाहर दुश्मन बनाए फिरते हैं। यह उनका कीर्तिमान है। हमारे देश के बड़े भैया बनाम विश्व गुरु अपने ही देश में अपनी झुंड को छोड़कर बाकी सभी से बैर निभाते हैं। इतिहास की, पुराने प्रधानमंत्रियों की बखिया उधेड़ने में विश्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। लोग तो यहां तक कहते हैं कि बार बार भारत के पहले प्रधान मंत्री का नाम लेने के बजाय अगर वे भगवान श्री राम का नाम लेते तो अब तक मोक्ष पा जाते। उनके नाम का रिकॉर्ड है कि वे अपने हर भाषण में चाचा जी का नाम लिया है, बारम्बार लिया है।

यही यही तो आजकल हो रहा है लोग अपने करतू तो और कारनामों और कार्यों से कीर्तिमान स्थापित करें तो कोई बात बने लेकिन लोगों की आदत सी हो गई है कि सामने वाले की बखिया उजड़ें उसे गडरिया ह और अपने लकीर को खींचतान कर बड़ा करें। एक और हमारे अपार्टमेंट का व्यक्ति कीर्तिमान बनाने में लगा हुआ है।

उसने अब तक छह शादियां कीं अब सातवीं शादी करने जा रहा है। अब तक छह बीवियां उसे छोड़कर जा चुकी हैं, उसके बर्ताव, उसकी कमियों खामियों की वजह से।

लेकिन ऐसे लोगों से अपनी बेटियां ब्याहता कौन है?

हैं बहुत से बुड़बक। आजकल मानसिकता ऐसी हो गई है कि लोग किसी भी अयोग्य को वोट देने और अपात्र व्यक्ति से बेटी ब्याहने में किसी तरह की देरी नहीं करते।

बस इसी का फायदा उठाते हैं कीर्तिमान बनाने वाले हमारे पड़ोसी जैसे लोग। आजकल सोचने विचारने का ट्रेंड रहा कहां? भेड़ बकरियों जैसे आँख मूंदकर चल पड़े। खैर रिकॉर्ड क्या है उसका शादियों का सिर्फ संख्या?

छह शादियां के बाद भी उसका एक भी बच्चा नहीं है। और तो और पिछले बारह साल से हर दो साल में एक शादी का रिकॉर्ड है।

लेकिन छोटू! तुम्हें नहीं लगता इस व्हाट्सएप्प ज्ञान, इंस्टाग्राम जानकारी के ज़माने में हम सिर्फ भौतिकवाद में राम गए हैं। कीर्तिमान बना रहे हैं।

जनमानस के दुख दर्द, समस्याओं से नज़र फेर के। जिनको समस्याओं और दुख दर्द को दूर हटाने में मेहनत मशक्कत करनी है, वे भी तो विदेश यात्राओं, गद्दी पर ज्यादा दिन टिकने और समाजोपयोगी कार्य न करने में अपने कीर्तिमान स्थापित करने और भजन करवाने में व्यस्त हैं। अब लाखों लाज हरी। मेरा खयाल है कि उनके नाम अपने भक्तों और भजनकर्ताओं की संख्या का भी कीर्तिमान होगा ही।

'मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया' मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

बोलीं- 'नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है'

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है। इन सब चीजो को समझना आसान नहीं है'।

'मैं वापस आऊंगा' को एंटी-नेशनल बताने पर हंसे एआर रहमान

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को एंटी-नेशनल बताए जाने पर संगीतकार एआर रहमान ने रिएक्शन दिया है। दरअसल सोशल मीडिया पर फिल्म को एक वर्ग एंटी-नेशनल बता रहा है, क्योंकि इसमें पाकिस्तान को जासूसों और आतंकवादियों के बिना दिखाया गया है। रहमान ने एक ऐसे पोस्ट को अपनि इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, और इस पर हंसने वाले इमोजी (LOL) का इस्तेमाल किया। दरसल रहमान ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट को शेयर किया, जिसमें लिखा था कि पाकिस्तानमें कोई जासूस या

आतंकवादी नहीं है। दर्शक को इस बात से उलझन थी कि आखिर बिना इनके पाकिस्तान कैसे दिखाया जा सकता है, जबकि बाकी फिल्मों में यही सब होता है। इस पोस्ट को अपनी इंस्टा स्टोरी पर साझा करते हुए एआर रहमान ने लाफ आउट लाउड इमोजी का इस्तेमाल किया।

इससे पहले 'मैं वापस आऊंगा' को पाकिस्तान से भी तारीफ मिल चुकी है। पाकिस्तानी फिल्ममेकर उमर नासिर अली ने इस फिल्म की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक बेहद खूबसूरत और गहरी भावनात्मक फिल्म बताया है।

उमर नासिर के मुताबिक, यह फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है क्योंकि वे खुद भी इसी विषय के आसपास एक फिल्म बना रहे हैं। इस बीच फिल्म को मिल रहे अच्छे रिस्पॉन्स का असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी दिख रहा है और फिल्म की कमाई सोमवार को कामकाजी दिन होने के बावजूद बढ़ गई है। फीचर फिल्मों और विज्ञापनों के मशहूर पाकिस्तानी डायरेक्टर उमर नासिर अली ने इंस्टाग्राम पर फिल्म को लेकर एक नोट शेयर किया है। उमर नासिर ने बताया कि 'मैं वापस आऊंगा' में जिन भावनाओं को दिखाया गया है, वे उनके दिल के काफी करीब हैं।

दरअसल, वे खुद भी बंटवारे के बैकग्राउंड पर 'चोर आए हम' नाम से एक फिल्म बना रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म भी यादों, अपनेपन और वतन वापसी की इसी भावना को दिखाती है। उमर ने कहा कि उन्हें इम्तियाज अली से जैसी उम्मीद थी, उन्होंने बिल्कुल वैसा ही शानदार सिनेमा पर्दे पर उतारा है।

भारतीय सिनेमा की सबसे महान अभिनेत्रियों में से एक 16 साल की उम्र में बनीं 'मिस इंडिया'

भारतीय सिनेमा जगत की उन अभिनेत्रियों की बात करें जिन्होंने अपने अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में स्थायी जगह बनाई तो नूतन जरूर आएगा। नूतन आज भी बेहतरीन अभिनय और सादगी की पर्याय मानी जाती हैं। 4 जून 1936 को जन्मीं नूतन ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और आगे चलकर भारतीय सिनेमा को कई यादगार फिल्में दीं। हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शामिल नूतन का नाम भारतीय फिल्म इतिहास में हमेशा सम्मान के साथ लिया जाता है। अपने सहज अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत करने की अद्भुत क्षमता के कारण उन्होंने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीता। 'सुजाता', 'सीमा', 'बंदिनी' और 'मिलन' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को आज भी मिसाल माना जाता है। 4 जून 1936 को अभिनेत्री शोभना समर्थ और निर्देशक-कवि कुमार सेन समर्थ के घर जन्मीं नूतन चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। कला और अभिनय का माहौल उन्हें परिवार से ही मिला था। उनकी मां शोभना समर्थ अपने दौर की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं और पौराणिक फिल्मों में सीता के किरदार के लिए विशेष रूप से जानी जाती थीं।

नूतन का फिल्मी सफर बेहद कम उम्र में शुरू हो गया था। साल 1950 में उनकी मां ने फिल्म 'हमारी बेटी' का निर्माण किया और इसी फिल्म के साथ नूतन ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र केवल 14 वर्ष थी। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व से लोगों का ध्यान आकर्षित किया और कम उम्र में ही मिस इंडिया का खिताब भी अपने नाम किया।

फिल्मी करियर के शुरुआती सालों में नूतन ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें वास्तविक पहचान साल 1955 में रिलीज हुई फिल्म 'सीमा' से मिली। इस फिल्म में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। उनकी शानदार प्रस्तुति के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला।

इसके बाद नूतन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1959 में रिलीज हुई 'सुजाता' उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक साबित हुई। सामाजिक भेदभाव और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित इस फिल्म में उन्होंने एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अभिनय ने किरदार को इतनी गहराई दी कि यह आज भी हिंदी सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में गिनी जाती है। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

साल 1963 में आई 'बंदिनी' ने नूतन को अभिनय की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। महिला मन की जटिल भावनाओं को उन्होंने बेहद प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को आज भी हिंदी सिनेमा के श्रेष्ठ प्रदर्शनों में शामिल किया जाता है।

गंभीर और भावनात्मक भूमिकाओं के साथ-साथ नूतन ने रोमांटिक और हल्की-फुल्की फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने देव आनंद के साथ 'पेइंग गेस्ट' और राज कपूर के साथ 'अनाड़ी' और 'छलिया' जैसी सफल फिल्मों में काम किया। 1958 में एक फिल्म आई थी, 'सोने की चिड़िया'। इस म्यूजिकल फिल्म में भी नूतन ने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया। दीवान चंद साहब के साथ उनकी फिल्म आई 'तेरे घर के सामने' जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी।

साल 1959 में नूतन ने इंडियन नेवी के कमांडर रजनीश बहल से विवाह किया। शादी के बाद भी उन्होंने अपने अभिनय करियर को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। 1967 में रिलीज हुई फिल्म 'मिलन' और 1978 की 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', इन दोनों फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। कुल मिलाकर उन्होंने पांच बार यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया, जो उस समय अपने आप में बड़ी उपलब्धि रही।

मुख्य अभिनेत्री के रूप में सफलता पाने के बाद नूतन ने कैरेक्टर किरदारों में भी अपनी छाप छोड़ी। 'मेरी जंग' और 'कर्मा' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को काफी सराहा गया। अपने चार दशक लंबे करियर में उन्होंने 70 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें साल 1974 में पद्मश्री से सम्मानित किया। नूतन का निधन 21 फरवरी 1991 को हुआ, लेकिन उनकी फिल्मों और अभिनय की विरासत आज भी जीवित है। उनके बेटे मोहनीश बहल ने भी फिल्म जगत में अपनी पहचान बनाई, जबकि उनकी बहन तनूजा और भांजी काजोल ने भी अभिनय की परंपरा को आगे बढ़ाया।

'वेलकम टू द जंगल' के प्रदर्शन पर सुनील शेट्टी का बयान

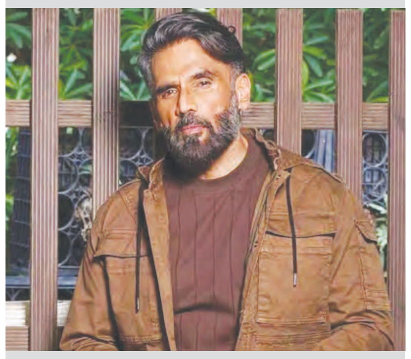

अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले सुनील शेट्टी ने बताया कि बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट बनी रहती है।

सुनील शेट्टी ने कहा कि एक फिल्म की सफलता काफी हद तक उसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'सब कुछ इससे जुड़ा होता है। एक शुक्रवार को आप टॉप पर हो सकते हैं और अगले शुक्रवार को नहीं भी हो सकते। इसलिए एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट हमेशा रहती है।'

इस पर सुनील ने कहा, 'इस फिल्म में बहुत शानदार स्टार कास्ट है- अक्षय, परेश जी, जॉनी भाई, अरशद, तुषार, श्रेयस, दलेर पाजी और कई दूसरे कलाकार। इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना एक तरह का सेफ्टी नेट देता है।' सुनील ने आगे कहा, 'फिल्म बहुत एंटरटेनिंग है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह अच्छी है या खराब, क्योंकि हर किसी का नजरिया अलग होता है। जब हम फिल्म देखते हैं, तो हमें बहुत मजा आता है। लेकिन जब दर्शक शुक्रवार को इसे देखेंगे, तो उनका नजरिया बिल्कुल अलग हो सकता है।'

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय और सुनील शेट्टी के अलावा दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह भी हैं। इनके अलावा भी कई एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

'द आर्चीज' नहीं मिलती तो नौकरी ढूंढ रहा होता ट्रोलिंग पर बोले वेदांग, कहा- इस फिल्म ने बदली जिंदगी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की।

'अगर द आर्चीज नहीं मिलती तो शायद नौकरी कर रहा होता'

वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।'

बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था। इस फिल्म से सुहाना खान, अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अदिति सहगल और युवराज मेंडा ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। रिलीज के बाद फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी और सोशल मीडिया पर स्टारकास्ट को काफी ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी।

'वसंतसेना' के किरदार में अप्सरा सी खूबसूरत लगीं मोनालिसा अपने नए शो से साझा किया लुक

मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। एक बार फिर वे अपने लुक को लेकर छा गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे किसी अप्सरा सी खूबसूरत लग रही हैं।

मोनालिसा की ये फोटोज उनके नए किरदार की हैं, जिसे वे एक शो में निभाती दिखेंगी। फिलहाल, वे शो की शूटिंग कर रही हैं।

मोनालिसा इस शो में वसंतसेना का किरदार निभाती नजर आएंगी। साझा की गई तस्वीरों में वे बला की खूबसूरत लग रही हैं, मानो स्वर्ग से कोई अप्सरा उतर आई हो।

मोनालिसा ने तस्वीरों के साथ लिखा है, 'सुंदर सुंदर। वसंतसेना'। बता दें कि अभिनेत्री गुजरात के उमरगाम में फिलहाल इस शो की शूटिंग कर रही हैं।

वसंतसेना प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य के नाटक 'मृच्छकटिकम्' की मुख्य नायिका है, वह उज्जयिनी की एक बेहद धनी, खूबसूरत और कला प्रेमी नगरवधू थीं।

मोनालिसा का यह अंदाज देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं और तारीफों की झड़ी लगा दी है।

प्रीति जिंटा ने मुबई में लिया नया घर, हर महीने देंगी 6 लाख किराया

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा फिलहाल चर्चाओं में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई में एक नया घर खरीदा है। प्रीति जिंटा ने बांद्रा (वेस्ट) के पॉश इलाके पाली हिल में एक अपार्टमेंट दो साल के लिए लीज पर लिया है, जिसका शुरुआती किराया 6 लाख रुपये प्रति महीना है।

यह अपार्टमेंट 'आर्ट वेदा' बिल्डिंग में स्थित है और करीब 1,500 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। इसके साथ 100 स्क्वायर फीट का पार्किंग स्पेस भी शामिल है। यह प्रॉपर्टी एमएस यूनियन लैंड एंड बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड से लीज पर ली गई है और एग्रीमेंट 27 मई 2026 से लागू हो चुका है।

एग्रीमेंट के अनुसार, पहले 12

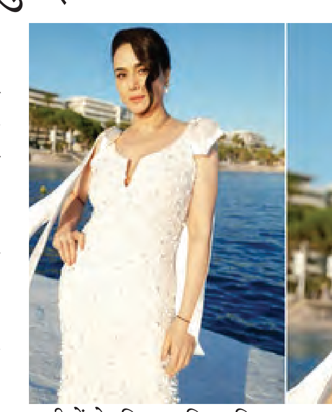

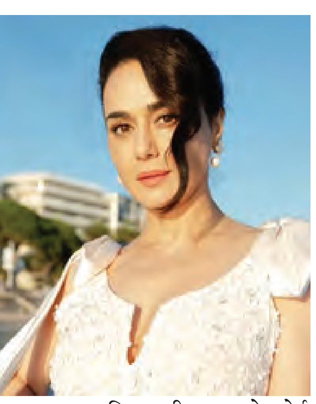

महीनों के लिए मासिक किराया 6 लाख रुपये होगा, जबकि अगले 12 महीनों में यह बढ़कर 6.5 लाख रुपये प्रति महीना हो जाएगा। इसके अलावा, इस डील में 27 लाख रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट भी शामिल है।

इस मामले पर प्रीति जिंटा या मकान मालिक की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

इस साल की शुरुआत में प्रीति जिंटा ने पाली हिल इलाके में ही अपना एक अपार्टमेंट 18.50 करोड़ रुपये में बेचा था। यह अपार्टमेंट उन्हें अप्रैल 2025 में उनके पुराने बिल्डिंग के री-डेवलपमेंट के बाद मिला था। पिछले चार महीनों में यह उनका दूसरा अपार्टमेंट सेल था। नवंबर 2025 में उन्होंने 'रुस्तमजी परिश्रम' बिल्डिंग में 11वीं मंजिल पर स्थित 1,474 स्क्वायर फीट का एक फ्लैट 14 करोड़ रुपये से ज्यादा में बेचा था।

इसके अलावा, 2 मार्च 2026 को दर्ज एक और डील में उन्होंने इसी बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर 1,770 स्क्वायर फीट का एक और अपार्टमेंट बेचा। इस प्रॉपर्टी को अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के खरीदार प्रिया नगर और राजीव नगर ने खरीदा था। इस डील में 1.11 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस भी दी गई थी।

अदा शर्मा ने मराठी सिनेमा की तरफ बढ़ाए कदम

डेब्यू फिल्म 'गजरा' का एलान

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है।

अदा बोलीं- 'आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत'

अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी?

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

तमिलनाडु के सीएम विजय से मिली सामंथा रुथ प्रभु 'विश्वास है कि आप बदलाव ला सकते हैं'

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री और मशहूर अभिनेता थलापति विजय से चेन्नई में मुलाकात की। इस बार दोनों किसी फिल्म के सेट पर नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री आवास में मिले, जहां सामंथा उन्हें बधाई देने पहुंची थीं।

विजय से मिली सामंथा

सामंथा ने चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय से खास मुलाकात की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसके साथ ही विजय के लिए एक बेहद भावुक और खास नोट भी लिखा। सामंथा ने लिखा, 'उन्हें हमेशा से लगता था कि विजय सिर्फ फिल्मों के हीरो नहीं हैं। उनकी एनर्जी और लोगों का उनके प्रति प्यार देखकर हमेशा लगता था कि वे लाइफ में कुछ बहुत बड़ा करेंगे।'

'बदलाव लाने का साहस'

सामंथा ने आगे विजय की तारीफ करते हुए लिखा, 'जिस काम (अभिनय) में आप नंबर वन बन चुके हो, उसे छोड़कर एक बिल्कुल नई और चुनौतीपूर्ण राह (राजनीति) को चुनना बहुत बड़ी बात है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्हें भरोसा है कि वे समाज में बदलाव ला सकते हैं।'

भविष्य के लिए दुआएं

सामंथा ने विजय के अच्छे कार्यकाल के लिए प्रार्थना की और लिखा, 'विजय अपने नेक इरादों से उन लोगों को भी हैरान कर देंगे जो उन पर भरोसा करते हैं।' सामंथा और विजय ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। दोनों ने साथ में 'कथी', 'थेरी' और 'मर्सल' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में एक साथ काम किया है।

सामंथा की आने वाली फिल्म

सामंथा जल्द ही 'मां इंटी बंगारम' फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इससे पहले सामंथा साल 2023 में विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'खुशी' में नजर आई थीं। सामंथा रुथ प्रभु की बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म 'मा इंटी बंगारम' 19 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक रील बनाने के 76 लाख लेते हैं ओरी

बोले- शादी-बर्थडे पार्टी में बुलाने पर 25 लाख रुपए चार्ज करता हूं

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ओरी, जिनका असली नाम ओरहान अवत्रामानी है, लंबे समय से अपनी कमाई और प्रोफेशन को लेकर चर्चा में रहे हैं। अब उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वे पैसे कैसे कमाते हैं। एक पॉडकास्ट में ओरी ने बताया कि ब्रांड एंडोर्समेंट और स्पॉन्सर्ड कंटेंट उनकी कमाई का बड़ा जरिया है।

उन्होंने एक रील के लिए 76 लाख रुपए तक लेने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा, ओरी प्राइवेट इवेंट्स में शामिल होने के लिए भी मोटी फीस वसूलते हैं। उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल और पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। ओरी को पहली बार अंबानी परिवार के कार्यक्रमों शामिल होकर चर्चा में आए थे।

शादियों में गेस्ट बनकर कमाते हैं लाखों

ओरी ने के के क्रीऐशन के साथ अपने पॉडकास्ट में बताया कि कोई भी व्यक्ति उन्हें निजी कार्यक्रमों के लिए हायर कर सकता है। इसमें शादी, जन्मदिन, लंच या डिनर जैसे इवेंट्स शामिल हैं। ओरी के मुताबिक, इन इवेंट्स में शामिल होने के लिए वे 15 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं।

उन्होंने इसे 'खरीदे जा सकने वाले अनुभव' के रूप में परिभाषित किया। ओरी ने कहा कि इतने पैसे में वे उस व्यक्ति के साथ घुल-मिलकर रहेंगे, स्पीच देंगे और परिवार के साथ समय भी बिताएंगे।

शाहरुख खान से की अपनी सिग्नेचर पोज की तुलना

पॉडकास्ट के दौरान ओरी ने अपने सिग्नेचर पोज का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भारत में शाहरुख खान के अलावा केवल वही एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो अपने सिग्नेचर पोज के लिए जाने जाते हैं।

ओरी अक्सर बॉलीवुड सितारों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, जिसमें उनका हाथ सामने वाले सेलिब्रिटी की छाती पर होता है। यह पोज सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहता है और उनकी इसी पहचान को वे सेलिब्रिटी स्टारडम की तरह देखते हैं।

पेरेंट्स संभालते हैं ओरी का पैसा

सफल पर्सनल ब्रांड बनाने के बावजूद ओरी ने बताया कि वे आज भी अपनी कमाई का मैनेजमेंट खुद नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता ही उनका पैसा संभालते हैं और उन्हें नहीं लगता कि भविष्य में इसमें कोई बदलाव आएगा।

ओरी का मानना है कि वे इस मामले में अपने माता-पिता पर ही निर्भर रहेंगे। उनके इस जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया, क्योंकि वे अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए काफी चर्चित रहते हैं।

कौन हैं ओरहान अवत्रामानी?

ओरी को पहली बार अंबानी परिवार के कार्यक्रमों और बॉलीवुड हस्तियों के साथ वैकेशन्स पर स्पॉट किया गया था। इंस्टाग्राम पर उनके 2.5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वे अक्सर जान्हवी कपूर, खुशी कपूर और इंडस्ट्री के अन्य बड़े सितारों के साथ देखे जाते हैं। ओरी ने अब तक बॉलीवुड के कई हाई-प्रोफाइल इवेंट्स में अपनी मौजूदगी से एक खास जगह बना ली है। वे अक्सर अपने क्रिप्टिक जवाबों के कारण भी चर्चा में रहते हैं।

10-15 करोड़ में शेख के साथ सोने का सोचूंगी इस विवादित बयान पर फंसी अपूर्वा मखीजा

इंडिया गॉट लेटेंट से विवादों में रह चुकीं अपूर्वा मुखिजा फिर एक बार विवादों से घिर चुकी हैं। दरअसल, हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर फिर सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं 2 रुपए के रोल के लिए किसी के साथ नहीं सो रही, हां अगर दुबई का कोई शेख मुझ पर 10-15 करोड़ फेंककर मारे तो शायद में इस बारे में सोचूंगी।

उनका वीडियो वायरल होने के बाद कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें अलग-अलग रेट ऑफर करना शुरू कर दिया, जिस पर इन्फ्लूएंसर भड़क गईं। अपूर्वा ने ऐसे ही 12 हजार ऑफर कर रहे एक शख्स की कंपनी में ही उसकी शिकायत कर दी है। जिसके बाद कथित तौर पर उस शख्स को उनसे माफी मांगनी पड़ी है।

अपूर्वा ने आपत्तिजनक कमेंट करने वाले शख्स प्रशांत के बारे में पता लगाया तो सामने आया कि शख्श प्रोडक्शन हाउस DNEG में बतौर ग्राफिक्स डिजाइनर काम करता है। अपूर्वा ने उस कंपनी को मेंशन करते हुए घटना की जानकारी दी, जिसके बाद प्रोडक्शन हाउस की तरफ से जवाब आया कि वो उस शख्स की कड़ी निंदा करते हैं, हालांकि 2024 से वो लड़का उनके साथ काम करना बंद कर चुका है।

अधिक जानकारी जुटाने पर सामने आया कि वो प्रशांत आईएलएम वीएफएक्स में काम करता है अपूर्वा ने उस कंपनी को टैग कर लिखा, आपकी कंपनी का कर्मचारी औरतों के लिए अपशब्द कहता है, क्या ये सही है।

हालांकि अब तक उन्हें इस कंपनी की तरफ से जवाब नहीं आया है।

एक्शन लेने से पहले अपूर्वा ने दी थी चेतावनी

अपूर्वा मुखिजा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से उस शख्स द्वारा भेजे गए मैसेजेस का स्क्रीनशॉट शेयर किया है।

अपूर्वा ने आखिरी बातचीत करते हुए कहा,मैं तुम्हारे साथ काम करने वालों को ढूंढ लूंगी और पर्सनली उन्हें मैसेज करूंगी।

आगे अपूर्वा ने लिखा- तुमने कहा कि तुम मझे 12 हजार में खरीद लोगे। मैं देखना चाहूंगी कि तुम ये कैसे करते हो।

जवाब में शख्स ने कहा- क्या तुम्हारे पास इतना टाइम है।

अपूर्वा ने कहा- हां।

इंडियाज गॉट लेटेंट से विवादों में रही हैं अपूर्वा

बीते साल फरवरी में अपूर्वा मुखीजा के खिलाफ देशभर के कई शहरों में शिकायत दर्ज हुई थी। दरअसल, अपूर्वा मुखीजा 8 फरवरी को आए समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में जज बनी थीं। उन्होंने मजाक उड़ा रहे एक कंटेस्टेंट को फटकार लगाते हुए कुछ अपशब्द कहे थे।

इसी एपिसोड में रणवीर अलाहाबादिया ने पेरेंट्स पर आपत्तिजनक कमेंट किया, जिससे शो से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। रेप और जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद अपूर्वा मुखीजा ने मुंबई छोड़ दिया था। हालांकि मामले खत्म होने के बाद अब वो मुंबई में दोबारा काम करना शुरू कर चुकी हैं।

अपूर्वा मुखीजा के बारे में-

अपूर्वा मुखीजा सोशल मीडिया में द रेबेल किड नाम से पॉपुलर हैं।

नई दिल्ली में जन्मीं अपूर्वा महज 24 साल की हैं।

इंस्टाग्राम रील से अपूर्वा को 2024 में पहचान मिली, जिसके बाद वो रियलिटी शो ट्रेटर में नजर आ चुकी हैं।

उनके इंस्टाग्राम पर 4.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

अपूर्वा के यूट्यूब चैनल पर 1.43 मिलियन सब्सक्राइबर हैं।

आलिया भट्ट ने बेटी राहा को बताया फिल्मी

बोलीं- उसे डांस और गाने बहुत पसंद हैं, वह स्टेज के लिए ही बनी है

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अमृत रत्न समिट के दौरान अपने बचपन और बेटी राहा पर खुल कर बात की है। आलिया ने बताया कि बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का शौक था और वह आईने के सामने घंटों परफॉर्मेंस दिया करती थीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनकी बेटी राहा भी जन्मजात परफॉर्मर है। आलिया के मुताबिक, राहा काफी 'फिल्मी' है, उसे डांस करना और गाने सुनना बहुत पसंद है। राहा काफी तेजी से डांस स्टेप्स सीख लेती है और वह एक लीडर की तरह चीजों को समझती है।

राहा में दिखते हैं कलाकार के गुण

आलिया ने बताया कि राहा अभी बहुत छोटी है, लेकिन वह अलग-अलग चीजों में अपनी रुचि दिखा रही है। वह न केवल डांस और म्यूजिक में दिलचस्पी रखती है, बल्कि स्पोर्ट्स गतिविधियों में भी काफी आगे है। आलिया ने कहा, 'राहा अभी अपनी चीजों को ऑब्जर्व कर रही

है। वह आर्ट, डांस और स्पोर्ट्स जैसी कई गतिविधियों में हाथ आजमा रही है। वह अपने तरीके से एक विचारक और लीडर है।' अभिनेत्री ने हंसी मजाक में यह भी कहा कि अगर मैं ऐसा कहूं तो गलत नहीं होगा कि राहा का भविष्य स्टेज के लिए ही बना है।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की प्रेम कहानी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सेट पर शुरू हुई थी। दोनों ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उसी साल नवंबर में राहा का जन्म हुआ। दिसंबर 2023 में क्रिसमस के मौके पर रणबीर और आलिया ने पहली बार राहा के साथ सार्वजनिक तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

आलिया भट्ट जल्द ही शिव रवैल द्वारा निर्देशित फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। गुरुवार को रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में बॉबी देओल विलेन के रूप में दिखाई दिए हैं। ट्रेलर के अनुसार, बॉबी का किरदार बचपन में आलिया के पात्र को किडनैप कर उसे एक किलिंग मशीन की तरह तैयार करता है। इस फिल्म में शरवरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वाईआरएफ (YRF) स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में ऋतिक रोशन के कैमियो की भी चर्चा जोरों पर है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट निर्देशक संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम करती नजर आएंगी। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

इसके अलावा, चर्चा है कि आलिया ने नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल के सेट को जॉइन कर लिया है और उन्होंने कुछ सीन भी शूट किए हैं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

21 जून को छत्तीसगढ़ आएंगे राहुल गांधी

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बताया कि, प्रदेश कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है

रायपुर, 18 जून (एजेंसियां)। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 21 जून को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे, जहां वे हाल ही में नियुक्त 41 जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग प्रोग्राम में टारगेट शीट और टिप्स देंगे। अभनपुर में 20 से 29 जून तक चलने वाले इस कार्यक्रम में एक्टिव कार्यकर्ताओं को वे कई जिम्मेदारियां भी देंगे।

इससे पहले राहुल गांधी सितंबर 2023 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ आए थे। करीब 3 साल बाद फिर उनके दौरे को लेकर सियासत हो रही है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, कांग्रेस ने बहुत शराब घोटाला किया है। इसलिए अपने आका को खुश करने कांग्रेसी उनका पैर शराब से धोकर स्वागत करें।

इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने तंज कसते हुए कहा था कि राहुल गांधी जहां जाते हैं, वहां कांग्रेस का बंटाधार हो जाता है। राहुल गांधी को एक-दो बार छत्तीसगढ़ का भी दौरा करना चाहिए, ताकि यहां कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट हो सके।

राहुल गांधी का दौरा कांग्रेस के संगठनात्मक अभियान से जुड़ा है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत अभनपुर में आयोजित होने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होकर जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बताया कि, प्रदेश कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 से 29 जून के बीच एक बड़े प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

शिविर में छत्तीसगढ़ के 41 जिलाध्यक्षों साथ ओडिशा के जिलाध्यक्षों को भी शामिल किए जाने की प्लानिंग है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यक्रम का प्रस्ताव हाईकमान को भेजा गया है और अंतिम मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

यह पूरा आयोजन कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान का हिस्सा है, जिसके जरिए पार्टी 2025-26 में जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। अभियान के तहत जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर तक संगठन का पुनर्गठन किया जा रहा है। पार्टी का फोकस सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने और संगठन में जवाबदेही तय करने पर है।

जानकारी के मुताबिक, इस ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा, शशिकांत सैंथिल सहित तमाम दिग्गज नेता और एक्सपर्ट भी शामिल हो सकते हैं। ट्रेनिंग के दौरान राहुल गांधी जिलाध्यक्षों से वन टू वन बातचीत करेंगे। उनके जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही वे जिलों के प्रमुख बड़े मुद्दों की रिपोर्ट भी लेंगे। किस तरह काम किया जा सकता है, यह भी बताएंगे।

ट्रेनिंग प्रोग्राम में जिलाध्यक्षों को संगठनात्मक जिम्मेदारियों, मीडिया मैनेजमेंट, सोशल मीडिया कैंपेन और जनहित से जुड़े मुद्दों के साथ ही सरकार की कमियों को उजागर करने के निर्देश दिए जाएंगे। विरोध प्रदर्शन के तरीकों और जनता से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी का स्वागत है। पिछली बार कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बिछा दी थी। इस बार राहुल गांधी के लिए क्या करेंगे, यह कांग्रेस पार्टी बताएगी। अपने आका को खुश रखने के लिए बहुत सारे नवाचार करते हैं।

योगी बोले- गोमाता को कटने नहीं देंगे

गाय का दूध पिएंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे फसल को नुकसान पहुंचाएंगे तो गाली मुझे देते हैं

कानपुर, 18 जून (एजेंसियां)। सीएम योगी गुरुवार को कानपुर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में कृषि उत्पादों के अलग-अलग स्टॉल का मुआयना किया।योगी ने कहा- लोगों ने खेती और पशुपालन से दूरी बनाकर शॉर्टकट का रास्ता अपनाया, जिसके दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं।

बैलों का उपयोग करना बंद कर दिया। गाय का दूध पिएंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे और वो फसल नुकसान पहुंचाएंगे तो गाली मुझे देंगे। गाय हमारी माता है, जन्म जन्मांतर का नाता है। गो माता को कटने नहीं देंगे।

भारत के अंदर जन्मा हर व्यक्ति गो माता की पूजा करता है। अनेक उदाहरण आपके सामने हैं। सिख गुरुओं के इतिहास आपके सामने है। जब कोई आक्रांता गो हत्या करता था या कोई कसाई गो माता की हत्या करता था तो सिख वीरों ने वहीं पर उसका काम तमाम किया है। ये उस समय की बात है जब देश गुलाम था।

2004 से 2014 के बीच में लाखों किसानों ने आत्महत्या की।

2014 के बाद उसमें रोक लगी। सरकार का संकल्प है कि गोवंश की तस्करी और उन्हें कटने नहीं देंगे। इसके लिए प्रदेश में 7700 से अधिक गोशालाओं में 14 लाख गोवंश संरक्षित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसानों को गोवंश पालन के लिए, प्रति पशु 1500 रुपए हर महीने की सहायता दी जा रही है। योगी ने कहा- क्यों 2014 के पहले किसान आत्महत्या कर रहा था? क्योंकि लागत ज्यादा थी और उत्पादन कम होता था। इससे किसान को कम पैसा मिलता था।

योगी ने कहा कि भारत के पास सामर्थ्य की कभी कमी नहीं थी, लेकिन उसे सही दिशा देने वाले नेतृत्व का अभाव था। उन्होंने कहा कि एक समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत थी, जो आजादी के समय घटकर केवल 2 प्रतिशत रह गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों की शक्ति पर भरोसा किया, जिसके परिणामस्वरूप भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगी ने कहा कि 2014 से पहले किसान लागत से कम कीमत मिलने के कारण आर्थिक संकट झेल रहे थे और आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आती थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम डेढ़ गुना मूल्य दिलाने की व्यवस्था की। साथ ही सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, खरीद केंद्रों और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के जरिए किसानों को सुरक्षा और आर्थिक मजबूती प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इन कदमों से किसानों की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

योगी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर किसानों का खर्च लगातार बढ़ रहा है, जबकि इससे पैदा होने वाली उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कई बार स्वीकार नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि केमिकल आधारित खेती के दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहे हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जहरमुक्त और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया है।

पूर्व सांसद व भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष सम्मानित

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट इंडिया व ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने आज लगातार 6 बार सांसद व भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहे बृज भूषण शरण सिंह से दिल्ली के अशोक रोड निवास पर मुलाकात की। वीरेश शांडिल्य ने इस मौके पर बृज भूषण शरण सिंह को माता की चुनरी व भगवान हनुमान जी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया।

वीरेश शांडिल्य ने ब्राह्मण महापंचायत की तरफ से बृज भूषण शरण सिंह को अंबाला आने का न्यौता दिया और जिसे बृज भूषण शरण सिंह ने स्वीकार किया। बृज भूषण शरण सिंह से मुलाकात के बाद एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट इंडिया व ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पत्रकारों से कहा कि बृज भूषण शरण सिंह यूपी के ही नहीं देश के कद्दावर नेता हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष होते हुए उन्होंने कुश्ती का नाम विश्व में ऊंचा किया और युवाओं को पहलवानी के लिए प्रेरित किया। आज पूरे विश्व में कुश्ती की दुनिया में बृज भूषण शरण सिंह का नाम गर्व से लिया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के अति विश्वसनीय बृज भूषण शरण सिंह यूपी ही नहीं बल्कि देश में दबे कुचले आम आदमी, गरीब आदमी की आवाज हैं और अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ना उनके डीएनए में है। ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांडिल्य ने बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों पर कहा कि पत्थर उसी पेड़ पर लगते हैं जिस पर फल लगे हों और विरोध विकास की जननी है आज उस राजनेता को देश में पसंद नहीं किया जाता जो आम आदमी की आवाज बने। उनके साथ नवरत्न गर्ग, राजेश शर्मा, शिवरंजन, भी मौजूद रहे।

कौन हैं परिमल नाथवानी, जिन्होंने तोड़ा राहुल-हेमंत का चक्रव्यूह

बिहार-एमपी के बाद झारखंड में भी खिला कमल

रांची, 18 जून (एजेंसियां)। झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए हुए बेहद रोमांचक मुकाबले में बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला। चुनावी मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी ने उम्मीद के मुताबिक जादुई आंकड़ा हासिल कर जीत दर्ज की। सत्ताधारी महागठबंधन (झामुमो और कांग्रेस) के पास संख्या बल होने के बावजूद राहुल गांधी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रणनीतिक किलेबंदी परिमल नाथवानी को रोकने में नाकाम रही। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मजबूत और रणनीतिक समर्थन के दम पर मिली इस जीत ने सत्ताधारी पार्टियों के हौसलों को पस्त कर दिया। मध्य प्रदेश और बिहार के बाद झारखंड के इस चुनावी नतीजे ने साबित कर दिया है कि एनडीए का चुनावी चक्रव्यूह विरोधियों पर भारी

पड़ रहा है। परिमल नाथवानी देश के बड़े उद्योगपति हैं। बड़े औद्योगिक घराने से इनका घनिष्ठ संबंध है। राजनीति में वे कोई नए नाम नहीं हैं। इससे पहले भी वे साल 2008 से 2020 तक झारखंड से दो बार राज्यसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

उद्योग जगत के साथ-साथ राजनीतिक हलकों में भी उनके गहरे व्यक्तिगत संबंधों और बेजोड़ चुनावी प्रबंधन के लिए उन्हें जाना जाता है। साल 2008 में परिमल नाथवानी पहली बार झारखंड से राज्यसभा सांसद बने, साल 2014 में झारखंड से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा पहुंचे, साल 2020 आंध्र प्रदेश में आईएसआर कांग्रेस से राज्यसभा के सांसद बने, साल 2026 में एनडीए के समर्थन से फिर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए, परिमल नाथवानी गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों में गिना जाता है, नाथवानी का वर्तमान राज्यसभा कार्यकाल 21 जून 2026 तक है, झारखंड से निर्दलीय राज्यसभा चुनाव जीतकर शुरुआत की थी, प्रसिद्ध द्वारकाधीश देवस्थान समिति के उपाध्यक्ष भी हैं।

इस चुनाव को 'इंडिया' गठबंधन के बड़े नेताओं के लिए साख की लड़ाई माना जा रहा था। कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने उम्मीदवारों की जीत तय करने के लिए विधायकों की सख्त घेराबंदी की थी। कागजी तौर पर गठबंधन के पास बहुमत का आंकड़ा सुरक्षित था, लेकिन मतदान के समय परिमल परिमल नाथवानी की जमीनी पैठ के आगे ये सारी रणनीति विफल रहीं।

हाल के दिनों में जिस तरह भाजपा और एनडीए ने मध्य प्रदेश और बिहार के राजनीतिक घटनाक्रमों में अपनी रणनीतिक कुशलता साबित की थी, ठीक वही कहानी झारखंड में भी दोहराई गई। विपक्ष की आंतरिक कलह और एनडीए की एकजुटता ने इस सीट को भाजपा समर्थित खेमे की झोली में डाल दिया, जिससे राज्य में भगवा खेमे का उत्साह सातवें आसमान पर है।

लिव-इन में जन्मे बच्चों को मिलेगा संपत्ति में वारिसाना हक

भोपाल, 18 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता लागू करने की कवायद बेहद तेज हो गई है। राज्य में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद संकेत दिए हैं कि आगामी मानसून सत्र में सरकार इस ऐतिहासिक विधेयक को विधानसभा में पेश कर पारित करा सकती है। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित 7 सदस्यीय समिति ने इसका प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इस बड़े और प्रगतिशील सामाजिक सुधार के लिए व्यापक जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से समिति के सदस्य लगातार अलग-अलग जिलों में जाकर विभिन्न समूहों से संवाद कर रहे हैं।

गोली लगने से दूल्हे के ताऊ की मौत

शादी से नाराज दुल्हन के भाई ने की मारपीट, दूल्हा-दुल्हन हिरासत में

वाराणसी, 18 जून (एजेंसियां)। वाराणसी में जयमाला के दौरान दूल्हा और दुल्हन पक्ष के बीच मारपीट हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे दूल्हे के पड़ोस के ताऊ की गोली लगने से मौत हो गई। आरोप है कि दुल्हन का भाई इस शादी से खुश नहीं था। उसने अपने साथियों के साथ समारोह में पहुंचकर हंगामा और मारपीट की।

इसी दौरान दूल्हे के ताऊ ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। परिजनों का आरोप है कि एक युवक ने तमंचा निकालकर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह ताऊ बहादुर राम जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद शादी की सभी रस्में रोक दी गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दूल्हा-दुल्हन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना बुधवार रात राजातालाब थाना क्षेत्र के बगहा मिर्जापुर गांव में हुई।

राजातालाब थाना क्षेत्र के मरूई गांव के रहने वाले हिमांशु राम की शादी बगहा मिर्जापुर गांव के रहने वाली रेखा देवी से हो रही थी। रेखा देवी के माता-पिता का निधन हो चुका है। रेखा का हिमांशु के साथ अफेयर चल रहा था। पिछले 2-3 महीने से रेखा हिमांशु के घर पर ही रह रही थी। दुल्हन का भाई इस शादी से नाराज था। वह बहन की शादी हिमांशु से नहीं कराना चाहता था, ऐसे में विवाह का पूरा कार्यक्रम हिमांशु राम के घर पर ही हो रहा था। जयमाल की रस्म के बाद अन्य वैवाहिक कार्यक्रम चल रहे थे, तभी शादी से नाराज दुल्हन का भाई वहां पहुंच गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जनजातीय महासम्मेलन में पहुंचीं

बैतूल, 18 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को मध्यप्रदेश के बैतूल में आयोजित ब्रह्मकुमारीज संस्थान के महासम्मेलन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण की यात्रा अध्यात्म, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक शिक्षा व्यक्ति के जीवन में शांति, संतुलन और नई आशा का संचार करती है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है।

राष्ट्रपति बैतूल के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में ब्रह्मकुमारीज संस्थान द्वारा आयोजित "आध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तिकरण" महासम्मेलन का शुभारंभ करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों की सराहना की।

स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ की गई। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने दीप प्रज्ज्वलित कर महासम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। मंच पर उन्हें मोमेंटो भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसके बाद महासम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखा है। उनके ईमानदारी और मानवीय मूल्यों की गहरी जड़ें हैं, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणा हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समुदाय का प्रकृति के प्रति जुड़ाव और जल, जंगल, जमीन के संरक्षण का दृष्टिकोण आज के समय में पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है।

शहीद की पत्नी को मिले 21 लाख, माता-पिता नाराज

कहा- बेटे को बरगलाकर कोर्ट मैरिज की असम में एयरफोर्स प्लेन क्रैश में मौत हुई थी

जहानाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। असम के जोरहाट में 13 जून को वायुसेना के विमान हादसे में जहानाबाद के लेफ्टिनेंट शुभम कुमार शहीद हो गए थे। उनकी शहादत के बाद परिवार में सरकार की ओर से मिली सहायता राशि को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

शहीद के पिता अमरेंद्र शर्मा का आरोप है कि शुभम की पत्नी श्रेया ने अधिकारियों से मिलीभगत कर 21 लाख का चेक हड़प लिया है। वो चेक लेकर अपने घर चली गई। उन्होंने कहा, बिहार सरकार की इस मदद की जानकारी हमें नहीं दी गई। अगर श्रेया राय मेरे बेटे की पत्नी थी तो उसे अंतिम संस्कार से श्राद्ध तक परिवार के साथ रहना चाहिए था।

दरअसल, पिता का कहना है कि दोनों की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन दादी की मौत की वजह से एक साल टाली गई थी।

इस बीच श्रेया के परिवार वालों ने शुभम को बरगलाकर अहमदाबाद में कोर्ट मैरिज करा दी थी। जिसका उन्हें पता नहीं था।

25 साल की उम्र में शहीद हुए शुभम के पिता अमरेंद्र शर्मा ने बताया, 2017 में शुभम ने पहली ही कोशिश में एनडीए एग्जाम क्लियर कर लिया था। उसके बाद उन्हें 2018 से 2021 तक ट्रेनिंग के लिए पुणे भेजा गया। ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग हैदराबाद में हुई, जहां वह 11 महीने तक फ्लाइट लेफ्टिनेंट के तौर पर रहे।

2025 में हमने शुभम के लिए एक रिश्ता देखा। शादी की बात चलने के दो दिन बाद ही उसने मां से कहलवाया कि वह एक लड़की को पसंद करता है और वह भी सेना में लेफ्टिनेंट है। यह सुनकर हमें खुशी हुई।

हमलोगों ने उसकी मर्जी वाली लड़की से शादी की बातचीत आगे बढ़ाई। लड़की के परिजनों से मिले। दोनों परिवारों में सबकुछ खुशी-खुशी तय हो गया।

दिसंबर 2025 में शादी की तारीख भी तय कर दी गई थी, लेकिन इसी बीच मेरी मां, यानी शुभम की दादी का निधन हो गया। इसके बाद हमलोगों ने शादी एक साल के लिए टाल दी।

हिंदू लड़की की लाश 35-दिन बाद कब्र से निकाली गई

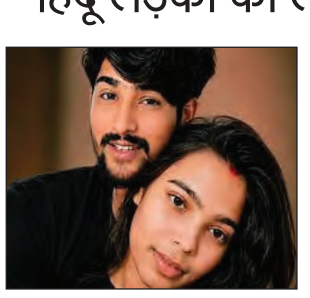

प्रयागराज, 18 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में हिंदू समझकर मुस्लिम युवक से शादी करने वाली युवती की मौत की वजहें सामने नहीं आ सकी हैं। 35 दिन बाद कब्र खोदकर 20 वर्षीय युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए निकाला गया। शव सड़ी-गली हालत में था। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया, लेकिन रिपोर्ट में भी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका।

दरअसल, प्रयागराज के रहने वाले मुस्लिम युवक साहिल ने हिंदू नाम बताकर एमपी के रीवा की युवती गोल्डी से दोस्ती की थी और फिर दोनों ने शादी कर ली। साहिल और गोल्डी की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोनों हैदराबाद में जॉब करते थे।

10 मई 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत हो गई। युवती की मां का आरोप है कि उनकी गर्भवती बेटी की ससुराल वालों ने हत्या कर दी। उसे जहर देकर मार डाला। उनका यह भी कहना है कि मौत के करीब एक महीने बाद, 6 जून को उन्हें इसकी जानकारी दी गई। पुलिस अब मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है।

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के तमरी गांव निवासी तीरथ साकेत की बेटी 20 साल की बेटी गोल्डी साकेत हैदराबाद की एक बिस्कुट फैक्ट्री में काम करती थी। हैदराबाद में ही प्रयागराज के कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी बाजार निवासी साहिल उर्फ प्रिंस भी एक टेलरिंग शॉप में नौकरी करता था।

गोल्डी की मां बेबी देवी के मुताबिक, तीन साल पहले इंस्टाग्राम पर दोनों की दोस्ती हुई थी। साहिल ने अपना नाम प्रिंस बताया था। बातचीत धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई और करीब छह महीने पहले दोनों ने हैदराबाद के एक मंदिर में शादी कर ली।

बाद में गोल्डी को पता चला कि प्रिंस का असली नाम साहिल खान है। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, लेकिन साहिल ने उसे मना लिया और फिर मस्जिद में निकाह कर लिया। कुछ समय बाद साहिल की नौकरी सूरत में लग गई और वह गोल्डी को अपने साथ ले गया।

युवती की मां ने बताया- फरवरी में गर्भवती होने के बाद उसके साथ मारपीट शुरू हो गई। परेशान होकर वह मायके लौट आई और परिजनों को प्रताड़ना की जानकारी दी।

पुलिस एनकाउंटर पर बवाल थानाध्यक्ष-एएसआई सस्पेंड

आरा, 18 जून (एजेंसियां)। भोजपुर में पुलिस पर पिस्टल तानने और फायरिंग करने के आरोपी भरत तिवारी का बुधवार को पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस की इस एक्शन पर सवाल उठ रहे हैं। भरत के गांव वालों का कहना है कि सरेंडर करने के बावजूद पुलिस ने उसे 4 गोलियां मारीं।

इस घटना को लेकर गुस्साए लोगों ने गुरुवार को भरत तिवारी का शव आरा-बक्सर फोरलेन पर रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की वजह से हाईवे करीब 6 घंटे जाम रहा। सड़क से जाम हटाने पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोगों के घायल होने की भी सूचना है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि भरत कोई अपराधी नहीं था। उसने हथियार फेंककर सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गोलियां क्यों मारीं। गोली चलानी ही थी, तो घुटने के नीचे मारनी चाहिए थी, लेकिन उसके जांघ के ऊपर गोली मारी गई।

प्रदर्शन खत्म होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार के लिए शव को महुली घाट ले जाया गया। बड़े भाई बसंत तिवारी ने मुखाग्नि दी। शाहाबाद डीआईजी डॉ. सत्यप्रकाश ने एनकाउंटर मामले में शाहपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार मलाकार, एएसआई और एक सिपाही को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई भोजपुर एसपी राज की अनुशंसा पर की गई है। एसपी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि थानाध्यक्ष की लापरवाही की वजह से युवक को काबू में नहीं किया गया। इसके कारण युवक ने पिस्टल निकालकर लगातार पुलिसकर्मियों को धमका रहा था।

राममंदिर चढ़ावा चोरी जांच के बीच योगी अयोध्या में

प्रशासन ने चंपत राय से कहा- आप न आएं, अपना प्रतिनिधि भेजें

अयोध्या, 18 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या जाएंगे। वह राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे, लेकिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को कार्यक्रम में आने से मना किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन ने सीएम का जो प्रोटोकॉल लेटर जारी किया है, उसमें इस बात का जिक्र है। लेटर में पॉइंट नंबर 29 में चंपत राय से अनुरोध किया गया है कि योगी के राम मंदिर कार्यक्रम के लिए वह किसी अन्य व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि नामित करें। इसकी सूचना ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें।

चंपत राय राम मंदिर के सबसे पावरफुल शख्स हैं। पूरे मंदिर की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। मंदिर में जब भी कोई वीआईपी कार्यक्रम या दौरा होता है, चंपत राय उसमें हमेशा मौजूद रहे हैं।

इधर, गुरुवार को चौथे दिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम सुबह 8.30 बजे राम मंदिर पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा राशि की गिनती और उससे जुड़े कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर टीम आज मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र से पूछताछ की।

एसआईटी आरएमओ (रेडियो प्रभार निरीक्षक) अर्जुन सिंह और राम जन्मभूमि चौकी प्रभारी से भी पूछताछ कर सकती है। अर्जुन सिंह करीब 20 सालों से राम मंदिर में ड्यूटी कर रहे हैं। वह वीआईपी दर्शन से लेकर राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े रहे हैं। भाजपा चढ़ावा चोरी कर रही है। इसमें बड़े लोग शामिल हैं। यह हिस्से के बंटवारे की लड़ाई है। सोने की ईंटें गायब हैं। भाजपा चोरी को दबाने की कोशिश कर रही है। चंपत राय और गोपाल राव की गिरफ्तारी होनी चाहिए। ये भगवान राम के नाम पर लूट कर रहे हैं। मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच करानी चाहिए।

राम मंदिर में भी काशी के विश्वनाथ मंदिर की तरह (सीईओ) की नियुक्ति हो सकती है। सीईओ कोई सीनियर IAS होगा, जो कि राम मंदिर में व्यवस्था से जुड़े फैसले लेगा। इस पर ट्रस्ट और सरकार मंथन कर रहे हैं। चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई।

हर 35 मिनट में एक शेयर का सौदा ट्रंप के खाते से 3 महीने में 3642 बार हुई ट्रेडिंग, उठने लगे सवाल

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निवेश खातों में हाल ही में हुई भारी हलचल ने पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक का ध्यान खींचा है. एक वित्तीय खुलासे के अनुसार, 6 जनवरी से 30 मार्च 2026 के बीच ट्रंप के पोर्टफोलियो से 3,642 बार शेयरों की खरीद-फरोख्त की गई. अगर इसका हिसाब लगाएं, तो बाजार के घंटों के दौरान औसतन हर 35 मिनट में एक ट्रेड हुआ है.

इस छोटी सी अवधि में कुल 21.2 करोड़ डॉलर से लेकर 69.5 करोड़ डॉलर तक के बड़े सौदे हुए. हजारों करोड़ रुपये की इस ट्रेडिंग ने अब अमेरिका में एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस स्तर की बाजार गतिविधि उचित है.

टेक कंपनियों पर सबसे बड़ा दांव

सीबीएस न्यूज के एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 1,000 से ज्यादा कंपनियों के साथ-साथ कई फंड्स में निवेश किया गया. इसमें सबसे बड़ा दबदबा टेक्नोलॉजी सेक्टर का रहा. माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा, नेटफ्लिक्स, ओरैकल जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के शेयर खूब खरीदे और बेचे गए. इन बड़ी टेक कंपनियों में कम से कम 4.3 करोड़ डॉलर की खरीदारी हुई, जबकि 2.4 करोड़ डॉलर की बिकवाली की गई. अमेजन, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसे शेयरों में 50 लाख डॉलर से 2.5 करोड़ डॉलर तक के भारी भरकम सौदे भी देखने को मिले.

मार्च के महीने में दिखी रिकॉर्ड तेजी

इस पूरी तिमाही में मार्च का महीना ट्रेडिंग के लिहाज से सबसे ज्यादा आक्रामक रहा. जनवरी और फरवरी में जहां हर महीने औसतन 400 बार खरीदारी हुई थी, वहीं मार्च में यह आंकड़ा अचानक उछलकर 1,565 पर पहुंच गया. 23 मार्च का दिन सबसे ज्यादा व्यस्त रहा, जब एक ही कारोबारी सत्र में 283 सौदे सिर्फ खरीदारी के लिए किए गए. यह तेजी इसलिए भी हैरान करती है क्योंकि साल 2025 के आखिरी दो महीनों में इस खाते से केवल 191 लेन-देन हुए थे, जिनमें भी ज्यादातर बॉन्ड्स थे.

इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों से गरमाई राजनीति

कुछ बड़े सौदों की टाइमिंग ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बना दिया है. उदाहरण के लिए, 6 जनवरी को ट्रंप के खाते से एनवीडिया कंपनी के लाखों डॉलर के शेयर खरीदे गए. ठीक एक हफ्ते बाद ही अमेरिकी प्रशासन ने इस कंपनी के एआई चिप को चीन में बेचने के नियमों में ढील दे दी.

इसी तरह, मार्च में पालंतार कंपनी के शेयर खरीदे गए, जिसके कुछ दिन बाद खुद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस कंपनी की सैन्य क्षमताओं की सार्वजनिक तारीफ की. इन घटनाओं को देखते हुए डेमोक्रेटिक सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने इसे 'संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग' करार दिया है. कानून के जानकारों का स्पष्ट कहना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे नीतिगत फैसले लेने की ताकत होती है, जो सीधा शेयर बाजार की चाल बदल सकते हैं.

रिलायंस के पूर्व प्रबंध निदेशक सतीश सेठ 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, पैसे की हेराफेरी करने का आरोप

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की द्वारका स्थित एक कोर्ट ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्व समूह प्रबंध निदेशक सतीश सेठ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश सुनाया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ के बाद उन्हें 2 जुलाई तक हिरासत में रखा जाएगा। सेठ को गुरुवार को अवकाशकालीन न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया था। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है।

किन आरोपों का सामना कर रहे हैं सतीश सेठ?

सेठ पर फर्जी बिलों के जरिए हीरे के आयात के खिलाफ हवाला

चैनलों से विदेशों में धन की हेराफेरी का आरोप है। ईडी ने आरोप लगाया कि आरआईएल दो राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सड़क परियोजनाओं से सार्वजनिक धन की हेराफेरी का मुख्य लाभार्थी था।

किन राज्यों से जुड़ा है मामला?

जिन परियोजनाओं को लेकर मुकदमा चल रहा है, ये राजस्थान के जयपुर-रिंगस टोल सड़क और त्रिची-करूर टोल सड़क थीं। अदालत में ईडी की तरफ से दायर आरोप पत्र के अनुसार, आरआईएल ने 92 करोड़ रुपये विदेश भेजे। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में चश्मा और डॉक्टर के पर्चे के अनुसार दवाएं लेने की अनुमति दी। जेल अधिकारियों को नियमावली के अनुसार बिस्तर उपलब्ध कराने का निर्णय लेने को कहा गया है।

ईरान-यूएस जंग थमी, कच्चा तेल सस्ता

भारत में क्यों नहीं घट रहे पेट्रोल-डीजल के दाम? केंद्रीय मंत्री ने बताई वजह

त्रिशूर,18 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक कच्चे तेल की दर कम होने पर ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी नहीं की जा सकती है। क्योंकि इसमें कई कारण शामिल हैं, जिनमें सस्ता तेल भारत तक पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि के बारे में कहा कि इससे केवल लगभग 3.94 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि का ही प्रभाव पड़ा है। लेकिन कच्चे तेल की लागत वैश्विक स्तर पर कम होने के कारण इसे तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'इसमें समय लगेगा क्योंकि सस्ते कच्चे तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत तक पहुंचाना होगा, जिससे जहाजों की आवाजाही में अधिक वृद्धि होगी। इसलिए स्थिति को सामान्य होने में समय लगेगा।' उन्होंने आगे कहा कि इस साल फरवरी में पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से तेल कंपनियों पर काफी असर पड़ा है। केंद्र सरकार ने इस प्रभाव को काफी हद तक सहन किया है। गोपी ने कहा 'इस प्रभाव को झेलने के चक्कर में

केंद्र सरकार को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। किसी भी राज्य ने ईंधन की बढ़ी कीमतों पर कम उत्पाद शुल्क लगाकर अपने राजस्व में कमी नहीं की। केंद्र सरकार को अपना कामकाज चलाना है और तेल कंपनियों को अपना अस्तित्व बनाए रखना है।'केरल में एम्स की स्थापना के मुद्दे पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि इसके लिए राज्य को उचित प्रक्रिया का पालन करना होगा, क्योंकि इसे बाजार में खरीदारी करने की तरह नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कथित तौर पर कहा था कि केरल में कहीं भी एम्स स्थापित किया जा सकता है, तो उसमें थोड़ी विसंगति थी। उन्होंने कहा, 'राज्य को इस मामले से संबंधित समिति को उन स्थलों की संख्या के बारे में सूचित करना होगा जिन्हें उसने एम्स की स्थापना के लिए चिन्हित किया है।

कोर्डेलिया क्रूज चलाने वाली कंपनी का आ रहा है आईपीओ

अगले सोमवार से शुरू होगी बिडिंग

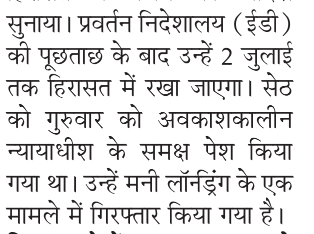

मुंबई,18 जून (एजेंसियां)। क्रूज ऑपरेट करने वाली मुंबई की कंपनी वाटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ अगले सप्ताह सोमवार यानी 23 जून को शेयर बाजार में हिट कर रहा है। इसमें 25 जून तक निवेश किये जा सकेंगे। कंपनी ने 10 रुपये अंकित मूल्य के एक शेयर का प्राइस बैंड 769 रुपये से 808 रुपये के बीच तय किया है।

पूरा आईपीओ फ्रेश इश्यू है

यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है। इसके जरिए 585 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। इस राशि में से 480 करोड़ रुपये क्रूज वेसल के लीज रेंटल और मंथली किराये के पेमेंट में जाएंगे। शेष बची राशि का इस्तेमाल जनरल कार्पोरेट परपस के लिए होगा।

18 शेयरों का लॉट

इस आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए 18 शेयरों का लॉट तय किया गया है। मतलब कि आवेदकों को कम से कम 18 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। इससे ऊपर भी 18 शेयरों के गुणक में बोली लगानी होगी। यह कंपनी कोर्डेलिया नाम से क्रूज चलाती है। वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड के शेयरों का जीएमपी अभी ग्रे मार्केट में 6.68 फीसदी या 54 रुपये दिखाया जा रहा है। मतलब कि इसके प्राइस बैंड के अपर लिमिट 808 रुपये से 54 रुपये ऊपर इसके लिस्ट होने की संभावना है। कंपनी इस समय क्रूज वेसल ऑपरेट करती है। इसका एक क्रूज एमवी एम्प्रेस लॉन्चिंग से अब तक 730,819 गेस्ट्स को घुमा चुका है।

कंपनी का कहना है कि यह क्रूज वेसल अभी तक 321,292.53 नॉटिकल मील से भी ज्यादा का चक्कर लगा चुका है। वैल्यू टर्म में इसका करीब 79 फीसदी का मार्केट शेयर है।

इसका क्रूज मूल रूप से मुंबई, गोवा, कोच्चि, चेन्नई, लक्षद्वीप, विशाखापत्तनम और पुडुचेरी रूट पर भ्रमण करता है।

20 का लालच पड़ा भारी, 340 की सिगरेट 360 में बेची

अब भरना पड़ेगा 10 लाख का जुर्माना!

अलीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)। किसी भी सामान को खरीदते समय पैकेट पर लिखी अधिकतम खुदरा कीमत पर ध्यान देना बेहद जरूरी है. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक दुकानदार को सिगरेट के पैकेट पर सिर्फ 20 रुपये अधिक वसूलना भारी पड़ गया. जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन मानते हुए न केवल दुकानदार बल्कि सिगरेट बनाने वाली कंपनी पर भी 10 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया. यह फैसला ग्राहकों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा संदेश माना जा रहा है. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सामने आए इस मामले ने उपभोक्ता अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिकायतकर्ता देवेश गौतम ने 29 जनवरी को जिला उपभोक्ता आयोग के सामने स्थित एक दुकान से सिगरेट का पैकेट खरीदा था. पैकेट का एमआरपी 340 रुपये था, लेकिन दुकानदार हीरा लाल वार्ष्णेय ने इसके बदले 360 रुपये की मांग की. ग्राहक ने इसका विरोध किया और एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने पर आपत्ति जताई. हालांकि दुकानदार नहीं माना और ग्राहक को मजबूरन 360 रुपये का भुगतान करना पड़ा. बाद में ग्राहक ने ऑनलाइन भुगतान का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा और इसकी शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग में कर दी. मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी दुकानदार आयोग के सामने पेश नहीं हुआ. इसके बाद आयोग ने उसके खिलाफ एकपक्षीय कार्रवाई शुरू कर दी. वहीं सिगरेट बनाने वाली कंपनी आईटीसी को भी मामले में पक्षकार बनाया गया. सुनवाई के दौरान आईटीसी ने कहा कि संबंधित दुकानदार उसका अधिकृत विक्रेता नहीं है और कंपनी का उसकी बिक्री गतिविधियों पर कोई सीधा नियंत्रण नहीं है. कंपनी ने यह भी दावा किया कि वह किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनुचित व्यापारिक गतिविधि में शामिल नहीं है. आयोग ने कंपनी की दलीलों को स्वीकार नहीं किया. आयोग का मानना था कि दुकानदार कंपनी के उत्पाद बेच रहा था, इसलिए वह उत्पाद की बिक्री श्रृंखला का हिस्सा है. आयोग ने कहा कि निर्माता कंपनी अपने उत्पाद की बिक्री में होने वाली अनियमितताओं से पूरी तरह जिम्मेदारी से बच नहीं सकती. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 39(1)(के) के तहत आयोग ने दुकानदार और कंपनी दोनों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया. यह राशि उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा कराई जाएगी.

शिकायतकर्ता को मिलेगा मुआवजा

आयोग ने आदेश दिया कि शिकायतकर्ता से वसूले गए अतिरिक्त 20 रुपये 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए जाएं. इसके अलावा मानसिक उत्पीड़न के लिए 5,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के लिए 5,000 रुपये अलग से दिए जाएंगे. आयोग ने दोनों पक्षों को 45 दिनों के भीतर आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है.

कह कर एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नहीं दिया बोर्डिंग पास, अब 3 लाख का हर्जाना भरेगी

चेन्नई,18 जून (एजेंसियां)। विदेश यात्रा की पूरी तैयारी हो चुकी है। आप पासपोर्ट-वीजा टिकट लेकर सामान के साथ एयरपोर्ट पहुंचते हैं। एयरपोर्ट पर एविएशन कंपनी आपको बोर्डिंग पास देने से मना कर देती है। आपकी फ्लाइट छूट जाती है। आपको कैसा लगेगा? ऐसा ही एक ऑप्टोमेट्री ग्रेजुएट के साथ 9 सितंबर, 2023 को तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर हुआ। उन्होंने कोर्ट का रूख किया और उन्हें तीन लाख रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना मिला।

क्या है मामला

बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह महिला उस तारीख को अपने माता-पिता के साथ कुवैत के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में सवार होने के लिए पहुंची थी। लेकिन एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारियों ने उसे बोर्डिंग पास जारी करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि टिकट धारी का डिपेंडेंट वीजा समाप्त हो गया है। हालांकि यात्री एवं उनके पिता ने बार बार इस बात पर जोर दिया कि उनका ट्रेवल डॉक्यूमेंट वैलिड है। लेकिन एयरलाइन स्टाफ ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद वह युवती एयरपोर्ट पर ही रह गई और फ्लाइट चली गई।

कंज्यूमर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

इस घटना के बाद उस युवती ने तमिलनाडु के पेरम्बलूर में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का दरवाजा खटखटाया। वहां एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दलील दी कि कुवैती इमिग्रेशन नियमों के मुताबिक यदि विदेशी नागरिक लगातार छह महीने तक

बाहर रहे तो उनका फॉरेन रेसिडेंट परमिट इनवैलिड हो जाता है। वह युवती कुवैत से निकलने के 183वें दिन बाद वापस लौट रही थी।

एयरलाइन का क्लेम रिजेक्ट हो गया

कंज्यूमर कोर्ट के प्रेसिडेंट डी. जवाहर और सदस्य पी. तिलक और एम. मुतुकुमारन ने जांच में पाया कि कुवैत के गृह मंत्रालय द्वारा जारी डॉक्यूमेंट यात्रा के दिन वैलिड था। वह परमिट यात्रा के तीन दिन बाद मतलब कि 12 सितंबर 2023 को इनवैलिड हुआ था। कोर्ट का कहना था कि यदि एयरलाइन को वीजा की वैलिडिटी पर शक था तो उन्हें क्लेरिफिकेशन के लिए संबंधित अथॉरिटी से संपर्क करना था। इस तरह से बोर्डिंग पास इश्यू नहीं करना सही फैसला नहीं था।

पहले भी दिया था प्रस्ताव

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कानूनी लड़ाई शुरू होने से पहले भी पीड़िता को मुआवजे के रूप में 20 हजार रुपये और 10 हजार रुपये का ट्रेवल वॉउचर देने का ऑफर दिया था। लेकिन उस यात्री ने इसे ठुकरा दिया और कानूनी रास्ता अख्तियार किया। अब उसे लाखों का हर्जाना मिला है। साथ ही एयर इंडिया एक्सप्रेस को एक सबक भी मिला है।

सरकार ने 2025-26 के लिए पीएफ पर 8.25% ब्याज को दी मंजूरी, सात करोड़ लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली,18 जून (एजेंसियां)। सरकार ने 2025-26 के लिए कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक ब्याज की राशि इसी महीने सब्सक्राइबर्स के खातों में क्रेडिट की जा सकती है। इससे ईपीएफओ के सात करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स को फायदा होगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के ईपीएफ जमा पर 8.25% ब्याज दर को मंजूरी दी थी। ईपीएफ पर ब्याज दर की सिफारिश ईपीएफओ का सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज करता है। इसमें सरकार, कंपनी और कर्मचारियों की प्रतिनिधि शामिल रहते हैं। पीएफ पर ब्याज दर को सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद वित्त मंत्रालय को भेजा जाता है। वित्त मंत्रालय से इसे हरी झंडी मिलने के बाद श्रम एवं रोजगार मंत्रालय इसे आधिकारिक रूप से नोटिफाई करेगा और फिर ब्याज की राशि सब्सक्राइबर्स के खातों में डाली जाएगी।

कितना मिलेगा ब्याज?

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12% हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33% कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है। ईपीएफ अकाउंट में जमा रकम पर ब्याज मिलता है। अगर आपके पीएफ में 1 लाख रुपये जमा हैं तो आपको 8250 रुपये ब्याज मिलेगा।

चांदी 3,988 गिरकर 2.44 लाख पर आई

ऑलटाइम हाई से 1.42 लाख नीचे आ चुकी, सोने की कीमत आज 816 कम हुई

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 3,988 रुपए गिरकर 2.44 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.48 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 816 रुपए गिरकर 1.49 लाख रुपए पर आ गया है।

ऑल टाइम हाई से 27 हजार गिरा सोना

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 27 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 140 दिन में चांदी 1.42 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

शेयर बाजार में लौटी मजबूती

सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा, निफ्टी 24150 के पार

मुंबई,, 18 जून (एजेंसियां)।अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की सख्त टिप्पणियों के कारण गुरुवार की सुबह लाल निशान में खुले भारतीय शेयर बाजार ने दिन के अंत तक शानदार वापसी की है। मजबूत खरीदारी के दम पर शेयर बाजार ने शुरुआती दबाव को पछाड़ते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त का सिलसिला कायम रखा है। आइए समझते हैं कि किन सेक्टर्स के दम पर बाजार ने इस वैश्विक झटके से उबरकर नया मुकाम हासिल किया है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक मजबूत रिकवरी दर्ज की। दिन के कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 254.36 अंक (0.32%) की शानदार बढ़त के साथ 77,409.98 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.30 अंक (0.34%) उछलकर 24,168.00 के पार निकल गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। कारोबारी सत्र की शुरुआत में बाजार लाल निशान में खुला था। इसका मुख्य कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व की वह सख्त टिप्पणी थी, जिसने इस साल के अंत तक ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी की आशंकाओं को जन्म दिया है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ ही निवेशकों की ओर से हुई चौतरफा खरीदारी ने बाजार को इस दबाव से पूरी तरह बाहर निकाल लिया।

बाजार की इस शानदार रिकवरी में कौन सा सेक्टर सबसे ज्यादा पिछड़ा?

बाजार में चौतरफा हरियाली के बीच आईटी सेक्टर आज स्पष्ट रूप से सबसे बड़ा 'लगार्ड' यानी पिछड़ने वाला सेक्टर साबित हुआ। टेक्नोलॉजी सेक्टर्स के शेयरों में दिखी भारी बिकवाली और तेज गिरावट ने आज बाजार के टेक सेंटीमेंट को काफी नीचे खींचने का काम किया।

घरेलू बाजार को इतनी मजबूती देने वाले मुख्य कारक कौन से हैं?

बाजार के मजबूत बने रहने के पीछे दो मुख्य कारण हैं। कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने घरेलू बाजार को एक बड़ा सपोर्ट दिया है। सस्ते कच्चे तेल और चुनिंदा खरीदारी के कारण घरेलू साइक्लिकल्स और ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील माने जाने वाले सेक्टर्स में निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की संभावित दर बढ़ोतरी के झटके के बावजूद लगातार 5वें दिन भारतीय शेयर बाजार का यह सकारात्मक रुख दिखाता है कि घरेलू अर्थव्यवस्था की बुनियाद बेहद मजबूत है। निचले स्तर पर हो रही खरीदारी और सस्ते कच्चे तेल ने वैश्विक दबाव को काफी हद तक बेअसर कर दिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	05-31 बजे
चंद्र	कर्क	मे	कर्क---	07-43 बजे
मंगल	मेष	मे	सिंह---	09-56 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या--	12-02 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला----	14-07 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक--	16-18 बजे
शनि	मीन	मे	धनु---	18-30 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर--	20-37 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	22-27 बजे
			मीन---	00-06 बजे
			मेष----	01-42 बजे
			वृष-----	03-26 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-46

भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -48

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले

मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शुक्रवार 19 June 2026

तिथि - पंचमी 17-00 तक उपरान्त षष्ठी

नक्षत्र - आश्लेषा 10-06 तक उप मघा

योग. - हर्षण 14-53 तक उप वज्र

करण - बालव 17-00 तक उप कौलव

विशेष: श्रुति पंचमी (जैन) नक्षत्र शांति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-39 से 12-18 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 05 -46 - 07-22 शुभ	रोग 18-48 - 20-13 अशुभ
लाभ 07-22 - 09-01 शुभ	काल 20-13 - 21-35 अशुभ
अमृत 09-01 - 10-39 शुभ	लाभ 21-35 - 22-56 शुभ
काल 19-39 - 12-18 अशुभ	उत्पात22-56 - 00-18 अशुभ
शुभ 12-18 - 13-56 शुभ	शुभ 00-18 - 01-39 शुभ
रोग 13-56 - 15-34 अशुभ	अमृत 01-39 - 03-01 शुभ
उत्पात15-34 - 17-13 अशुभ	चंचल 03-01 - 04-22 शुभ
चंचल 17-13 - 18-48 शुभ	रोग 05-22 - 05-46 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत है, जो आपको आंतरिक आत्मविश्वास के साथ कार्यों और निर्णयों को नेविगेट करने में मदद करता है। संचार बिखरा हुआ लग सकता है, इसलिए स्पष्ट और केंद्रित होने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। रचनात्मक विचार स्वाभाविक रूप से आते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यस्थल पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उनका सामना शालीनता से करने में मदद करती है। आपका आकर्षण और ऊर्जा आपको दूसरों से अलग बनाती है, आपके कार्यों में नेतृत्व और उत्साह को बढ़ावा देती है। मज़बूत संचार सहज बातचीत को बढ़ावा देता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपकी पोषण करने की प्रवृत्ति मजबूत है, जो आपको अपने काम में स्थिर और स्थिर रहने में मदद करती है। चुनौतियों का सामना करते समय धैर्य रखना महत्वपूर्ण होगा, लेकिन आपके पास उनसे पार पाने की ताकत है। जबकि आशावाद बड़े विचारों को बढ़ावा दे सकता है, सावधान रहें कि अवास्तविक दृष्टिकोणों में न खो जाएं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपके नेतृत्व गुण चमकते हैं, जो आपको अपने पेशेवर और शैक्षणिक जीवन में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। तेज़-तर्रार ऊर्जा आपको सक्रिय और उत्साही बनाए रखती है, हालाँकि भावनात्मक संवेदनशीलता सहकर्मियों या समकक्षों के साथ तनाव पैदा कर सकती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप रचनात्मक रूप से प्रेरित महसूस कर रहे हैं, भले ही आपकी भावनाएँ उतार-चढ़ाव भरी हों। यह तीव्रता सार्थक प्रगति को बढ़ावा दे सकती है, खासकर जब आप मज़बूत कार्य संबंधों को पोषित करते हैं। नवीन सोच आसानी से प्रवाहित होती है, और आपका कलात्मक पक्ष प्रवर्धित होता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

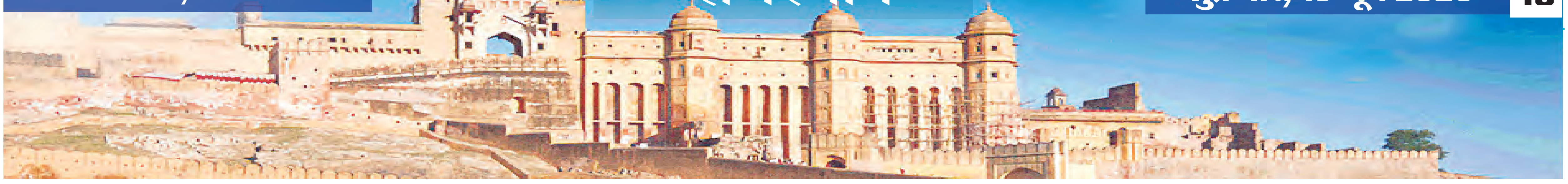

प्रसूताओं के मौत मामले में अशोक गहलोत की मांग

अफसरों-डॉक्टरों पर दर्ज हो आपराधिक मुकदमा

कोटा, 18 जून (एजेंसियां)। कोटा में 5 प्रसूताओं (महिलाओं) की मौत की जांच रिपोर्ट भजनलाल सरकार को सौंप दी गई है। इसी बीच कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया X अकाउंट पर लिखा कि मेरी मुख्यमंत्री जी से सीधी और दोटूक मांग है कि इस अक्षम्य लापरवाही के लिए जिम्मेदार बड़े अधिकारियों और डॉक्टरों को तत्काल सस्पेंड कर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही, पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा राशि दी जाए। सरकार को यह स्वीकार करना ही होगा कि यह पूरी तरह से आपकी सरकार और सिस्टम की घोर विफलता है।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने लिखा कि कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज में 5 प्रसूताओं की मौत का कारण जांच रिपोर्ट में सीधेतौर पर 'इलाज में लापरवाही' सामने आना बेहद संगीन, विचलित करने वाला और अक्षम्य है। यह सामान्य मौतें नहीं, बल्कि व्यवस्था की घोर संवेदनहीनता के कारण हुई संस्थागत हत्याएं हैं। एम्स की टीम द्वारा ऑपरेशन थिएटर में इन्फेक्शन की आशंका जताया जाना अस्पताल प्रशासन के दावों की धज्जियां उड़ाता है।

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि हद तो यह है कि इस जानलेवा लापरवाही के बाद भी वहां 5 महिलाएं जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही हैं और किडनी फेल होने जैसी गंभीर स्थिति में हैं, जिनका अभी डायलिसिस के जरिए इलाज चल रहा है। उनके लाचार परिजनों ने मुझसे मिलकर अपना दर्द बयां किया; उन्हें यह भरोसा ही नहीं है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सरकार आगे उनका इलाज करवाएगी भी या नहीं।

अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार को तुरंत यह घोषणा करनी चाहिए कि यदि इन पीड़ित महिलाओं की किडनी पूरी तरह डैमेज होती है, तो उनके किडनी ट्रांसप्लांट और भविष्य के पूरे इलाज का शत-प्रतिशत खर्च उठाने की जिम्मेदारी सरकार की होगी।

अशोक गहलोत ने कहा कि सिर्फ कोटा ही नहीं, बीकानेर की स्थिति भी रूह कंपाने वाली है। वहां भी प्रसूताओं की किडनी फेल होने के पीछे अस्पतालों की बदहाली, गंदगी और ओटी में इन्फेक्शन का खौफनाक सच सामने आया है। ये तमाम तथ्य चिल्ला-चिल्लाकर गवाही दे रहे हैं कि पूरे प्रदेश का स्वास्थ्य महकमा खुद वेंटिलेटर पर आ चुका है और विभाग की इस आपराधिक लापरवाही ने गरीबों की जिंदगी को खिलौना बना दिया है।

अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को अब अपनी कुंभकर्णी नींद से जागना होगा। कोटा और बीकानेर की इन दर्दनाक घटनाओं को महज 'हादसा' मानकर रफा-दफा करने की कोशिश कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कल कोटा दौरे के दौरान जब मैंने इन पीड़ित और भर्ती प्रसूताओं से मुलाकात की, तो दिल दहल गया। ये सभी अत्यंत गरीब परिवारों की बेबस महिलाएं हैं, जो सरकारी तंत्र के भरोसे अस्पताल आई थीं।

अशोक गहलोत ने कहा कि मेरी मुख्यमंत्री जी से सीधी और दोटूक मांग है कि इस अक्षम्य लापरवाही के लिए जिम्मेदार बड़े अधिकारियों और डॉक्टरों को तत्काल सस्पेंड कर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही, पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा राशि दी जाए। सरकार को यह स्वीकार करना ही होगा कि यह पूरी तरह से आपकी सरकार और सिस्टम की घोर विफलता है, जिसकी कीमत निर्दोष महिलाओं को अपनी जान देकर और अपनी किडनियां गंवाकर चुकानी पड़ रही है। कोटा में 5 से 8 मई के बीच सिजेरियन डिलीवरी के बाद पांच प्रसूताओं की मौत हुई थी। मामले की जांच के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर के विशेषज्ञों की कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में प्रशासनिक और सुपरविजन की कमी को भी मौतों के लिए जिम्मेदार माना है। वहीं एम्स की जांच टीम ने ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण की आशंका जताई है।

आजादी के 79 वर्ष बाद राजस्थान के 'हिल स्टेशन' पर पहली बार पहुंचेगी बिजली

ग्रामीणों में ख़ुशी की लहर

उदयपुर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू पूरी दुनिया में अपनी प्राकृतिक खूबसूरती, वादियों और नक्की झील के लिए जाना जाता है। लेकिन इसी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के साए में एक ऐसा गांव भी मौजूद है, जो आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी आधुनिक युग की सबसे बड़ी जरूरत यानी बिजली की नियमित रोशनी से पूरी तरह महरूम था। अरावली की सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर से मात्र 6 किलोमीटर दूर बसे उत्तरज गांव में अब जाकर अंधकार युग का अंत होने जा रहा है, जिससे पूरे अंचल के ग्रामीणों में बेहद खुशी और उल्लास की लहर दौड़ गई है।

उत्तरज गांव के लोगों ने अपनी इस बुनियादी समस्या का समाधान करने के लिए सरकारी तंत्र के भरोसे बैठने के बजाय जो सामूहिक हौसला और मेहनत दिखाई है, उसने पूरे राजस्थान के सामने एक बहुत बड़ी मिसाल कायम की है। बिजली विभाग द्वारा बुनियादी ढांचा खड़ा करने की तकनीकी कोशिशों के बीच जब सबसे बड़ी बाधा भारी-भरकम बिजली की डीपी (ट्रांसफार्मर) को पहाड़ी के ऊपर गांव तक पहुंचाने की आई, तो गांव के युवाओं और बुजुर्गों ने खुद कमान संभाल ली।

उत्तरज गांव तक पहुंचने का सफर किसी भी आम गाड़ी या मशीनरी के लिए बेहद कठिन और खतरनाक माना जाता है। चारों तरफ फैले विशालकाय पत्थर, संकरे पहाड़ी मोड़ और उबड़-खाबड़ चढ़ाई के कारण यहां तक भारी वाहन ले जाना बिजली विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था।

ऐसे में गांव के हीर सिंह और नरपत सिंह सहित करीब 2 दर्जन से अधिक स्थानीय ग्रामीणों ने एक सामूहिक बैठक की और तय किया कि वे खुद इस कार्य को अंजाम देंगे। ग्रामीणों ने अपनी शारीरिक क्षमता और अटूट हौसले के दम पर बिजली की भारी-भरकम डीपी को मजबूत बल्लियों और रस्सियों के सहारे अपने कंधों पर उठा लिया। कई घंटों की हाड़-तोड़ मेहनत, पसीने से तर-बतर बदन और पत्थरों पर फिसलते कदमों के बावजूद इन ग्रामीणों ने बिना रुके इस बेहद कठिन और जोखिम भरे सफर को पूरा किया और डीपी को सुरक्षित रूप से गांव के चिन्हित स्थान तक पहुंचाकर ही दम लिया।

मकानों के पास जैसे ही बिजली का ट्रांसफार्मर पहुंचा, पूरे उत्तरज गांव के बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने पारंपरिक लोकगीतों और ढोल-नगाड़ों के साथ इस पल का स्वागत किया, क्योंकि उनके लिए यह किसी बहुत बड़े उत्सव से कम नहीं था। गांव के प्रबुद्ध नागरिक सोहन सिंह और सांकल सिंह ने भावुक होते हुए मीडिया को बताया, ₹हमने और हमारे पूर्वजों ने पूरी जिंदगी ढिबरी, लालटेन और अंधेरे के साए में गुजार दी। गुरु शिखर पर आने वाले लाखों पर्यटक रोशनी से नहाए रहते हैं, लेकिन हमारे बच्चे रात को ठीक से पढ़ भी नहीं पाते थे। मोबाइल चार्ज करने के लिए भी हमें कई किलोमीटर नीचे जाना पड़ता था। आज इस डीपी के गांव में पहुंचने से हमें यह पक्का भरोसा हो गया है कि लंबे समय से बनी बिजली की आंख-मिचौली और अंधेरे से हमारे इस पूरे अंचल को हमेशा के लिए राहत मिल जाएगी। हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य अब पूरी तरह उजाले में बीतेगा।

ट्रंप की तारीफ से खुश न हों मोदी : पीएम की कूटनीति पर पवन खेड़ा का निशाना, बोले- कैसे करें भरोसा?

जयपुर, 18 जून (एजेंसियां)। कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए आए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों, भारत-अमेरिका संबंधों और भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते को लेकर कई सवाल उठाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत पर हमला हुआ तो हम उसकी मदद के लिए मौजूद रहेंगे, पवन खेड़ा ने कहा कि भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्धविराम की घोषणा अमेरिका की ओर से की गई थी, जबकि वास्तविकता सभी जानते हैं। उन्होंने कहा- क्या भारत इसे भूल सकता है? क्या हम यह भूल सकते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ लंच करते हैं? यदि हम यह उम्मीद करें कि जो व्यक्ति भारत के दुश्मनों का मित्र है, वह भारत का सच्चा मित्र बनकर हमारा समर्थन करेगा, तो यह गलत होगा। 15 जुलाई से लागू होने जा रहे भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए खेड़ा ने कहा कि सरकार समझौते करती रहे, लेकिन देश को यह भी बताया जाना चाहिए कि इन समझौतों से भारत को क्या लाभ हो रहा है और कहीं कोई नुकसान तो नहीं उठाना पड़ रहा। उन्होंने कहा कि सिर्फ समझौते करना ही पर्याप्त नहीं है। जनता को यह भी पता होना चाहिए कि इन सौदों का आर्थिक और व्यापारिक असर क्या होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत सख्त और कुशल वार्ताकार बताए जाने पर भी पवन खेड़ा ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी किसी भी व्यक्ति की तारीफ से खुश हो जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि ऐसे बयानों से देश को क्या हासिल होता है।

खेड़ा ने कहा- यह कैसी बातचीत है, जिसमें भारत को हर साल अमेरिका से 500 मिलियन डॉलर का सामान खरीदना पड़ता है? यह कैसी बातचीत है, जिसमें हमारे तीन निर्दोष नाविक मारे जाते हैं और माफी मांगने के बजाय अमेरिका हमें धमकाता है? यह कैसी बातचीत है, जिसमें भारतीयों को हथकड़ी लगाकर वापस भेजा जाता है? और यह कैसी बातचीत है, जिसमें वीजा प्रतिबंधों के कारण हमारे शिक्षित पेशेवर परेशान हैं? उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते या कूटनीतिक संबंध का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उससे भारत और भारतीय नागरिकों को कितना लाभ पहुंचा है। पवन खेड़ा ने कहा कि सरकार को विदेश नीति और व्यापारिक समझौतों के वास्तविक परिणामों पर भी जवाब देना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रचार पर ध्यान देना चाहिए।

पहले उखाड़े सीसीटीवी कैमरे फिर लाखों की चोरी, ऐसी तरकीब देख पुलिस की हैरान

बूंदी, 18 जून (एजेंसियां)। जिले के नैनवां कस्बे के वार्ड- 23 स्थित ज्योति नगर में संचालित एसकेएम हॉस्टल में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने हॉस्टल का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और नकदी, सोना-चांदी के आभूषण, एलईडी सहित लाखों रुपये का सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हॉस्टल संचालक प्रेमराज किसी निजी कार्यक्रम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने सूने पड़े हॉस्टल को निशाना बनाया। बदमाशों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर हॉस्टल में प्रवेश किया और अंदर रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए सामान में चार सीसीटीवी कैमरे, एक एलईडी टीवी, हजारों रुपये की नकदी तथा करीब तीन लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण शामिल हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी उखाड़ लिया, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने आराम से हॉस्टल के कमरों और अन्य हिस्सों की तलाशी ली तथा कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। वारदात को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, उससे अंदेशा जताया जा रहा है कि चोरों को हॉस्टल की गतिविधियों और वहां रखे सामान की जानकारी पहले से हो सकती है।

घटना का पता उस समय चला जब हॉस्टल संचालक प्रेमराज वापस लौटे। उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और अंदर सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर चोरी की जानकारी सामने आई। इसके बाद उन्होंने तुरंत नैनवां थाना पुलिस को सूचना दी।

शिवसेना के 4 बागी सांसदों को राजस्थान लाने का दावा

संजय राउत बोले-सेफ हाउस भेजा; मकराना के रिसोर्ट में रुके होने की सूचना, लेकिन पुष्टि नहीं

मकराना (नागौर), 18 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 9 में से 4 सांसद राजस्थान के मकराना में रुके हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी सांसद मकराना के RK मार्बल्स की फैक्ट्री में बने रिसोर्ट में रुके हैं, हालांकि अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं कर रहा है। यहां के कर्मचारी भी इनकार कर रहे हैं। संजय राउत का दावा है कि चारों सांसदों राजस्थान में सेफ हाउस भेजा गया है। उन्होंने कहा- सांसदों को 10-10 करोड़ रुपए दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक-कल शाम को चारों सांसदों को किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते हुए देखा गया था।

सूत्रों के मुताबिक, बुधवार सुबह 9:30 बजे शिवसेनाके 6 सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी थी। इन बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल, संजय हरिभाऊ जाधव और संजय देशमुख शामिल हैं।

गुरुवार शाम दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में 9 में से सिर्फ 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। इस दौरान यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में आएगा वो हमारे साथ है, जो नहीं आएगा वो गद्दार।

संजय राउत ने लोकसभा में परिसीमन बिल गिरने के कारण भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- अगर परिसीमन बिल पास नहीं हुआ तो क्या देश पर आसमान टूट पड़ेगा? सभी दलों की सहमति बनने के बाद इसे फिर लाया जा सकता था। राउत ने कहा- बिल पारित नहीं होने के बाद भाजपा जिस तरह की राजनीतिक गतिविधियां कर रही है, वह बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष को कमजोर करने के लिए दल-बदल को बढ़ावा दे रही है।

पूर्व मंत्री पवन गोदारा के आवास में चोरी

पुलिस मुख्यालय के दखल के बाद केस दर्ज

हनुमानगढ़, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मंत्री पवन गोदारा के हनुमानगढ़ जंक्शन सेक्टर 6 स्थित आवास में चोरी की वारदात हो गई।अज्ञात चोर ई-रिक्शा में कीमती घरेलू सामान रखकर फरार हो गए। मामले को लेकर परिवार की ओर से पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन में लिखित शिकायत दी गई । परिजनों का आरोप है कि घटना की सूचना दिए जाने के बावजूद पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

हनुमानगढ़ जंक्शन सिटी पुलिस थाने को दी शिकायत के अनुसार परिवार 29 मई को घर से बाहर गया हुआ था। इस दौरान मकान पर ताला लगा हुआ था। 8 जून को घर लौटने पर मकान के मुख्य द्वार, कमरों और अलमारियों के ताले टूटे हुए मिले तथा घर का सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पूर्व मंत्री पवन गोदारा के परिवार का कहना है कि घर से नकदी, आभूषण तथा अन्य कीमती सामान चोरी हुआ है। घटना के संबंधा में पुलिस को विस्तृत सूची भी उपलब्ध करवाई गई है। इसके बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किए जाने पर परिवार ने नाराजगी जताई है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र एफआईआर दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच करने तथा चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। पूर्व मंत्री पवन गोदारा के अनुसार पुलिस मुख्यालय में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया गया। इस पर शाम को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जंक्शन सिटी पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ।

पाकिस्तान में एक ही नंबर पर 350 बार किया कॉल

अलवर सैन्य छावनी में पकड़े गए शख्स के मोबाइल से खुलासा

अलवर, 18 जून (एजेंसियां)। अलवर जिले के ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र में संदिग्धावस्था में मिले युवक से जांच एजेंसियां गहतनता से पूछताछ कर रही हैं। युवक के मोबाइल फोन को भी फोरेंसिक और साइबर जांच के लिए जयपुर भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में उसके मोबाइल से पाकिस्तान और हांगकांग के नंबरों पर व्हाट्सऐप कॉल एवं चैट संपर्क होने की जानकारी सामने आई है, जिसके बाद जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुटी हैं।

सूत्रों के अनुसार युवक के मोबाइल की प्रारंभिक जांच में व्हाट्सऐप के जरिए पाकिस्तान और हांगकांग के मोबाइल नंबरों से बातचीत के संकेत मिले हैं। इनमें पाकिस्तान के एक नंबर पर करीब 350 बातचीत होने की जानकारी सामने आई थी। इसके अलावा मोबाइल में मौजूद कुछ सोशल मीडिया चैट भी डिलीट मिली हैं, जिनकी तकनीकी जांच कराई जा रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि मामले में तकनीकी और गैर-तकनीकी सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। फिलहाल विभिन्न एजेंसियां समन्वय के साथ मामले की पड़ताल कर रही हैं।

जांच में सामने आया है कि कुंदन विश्नोई (20) सेकंड ईयर का स्टूडेंट है और जोधपुर का रहने वाला है। वह पिछले कुछ दिनों से अलवर शहर की एक होटल में ठहरा हुआ था। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन के वाट्सऐप पर पाकिस्तान के नंबरों से कई बार बातचीत होने की जानकारी सामने आई। इसके अलावा उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं संपर्क में पाए गए। फिलहाल, ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र से पकड़े गए युवक से पुलिस, सेना और खुफिया एजेंसियां संयुक्त रूप से पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है कि जासूसी को लेकर कई खुलासे होने की संभावना है।

गौरतलब है कि 14 जून को जासूसी के संदेह में ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र से जोधपुर निवासी कुंदन विश्नोई (20) को हिरासत में लिया गया था। बताया गया कि युवक दोपहर के समय सैन्य क्षेत्र में एक छात्रा से बातचीत कर रहा था। इस दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर सेना और आर्मी इंटेलीजेंस ने उससे पूछताछ की। प्राथमिक पूछताछ के बाद सेना और आर्मी इंटेलीजेंस ने मामले की सूचना एमआइए थाना पुलिस को दी थी। इसके बाद युवक को हिरासत में लेकर विभिन्न एजेंसियों द्वारा पूछताछ और तकनीकी जांच की कार्रवाई शुरू की गई, जो फिलहाल जारी है।

महेश जोशी केस में हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

कहा- जजों और पुलिस को ट्रेनिंग की जरूरत

जयपुर, 18 जून (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री डॉ. महेश जोशी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली हैबियस कॉर्पस याचिका भले ही राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज कर दी हो, लेकिन इस मामले में जारी विस्तृत फैसले ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पुलिस तंत्र और निचली अदालतों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस दस्तावेज मौजूद नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि डॉ. महेश जोशी को गिरफ्तारी के वास्तविक आधार बताए गए थे। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल एफआईआर की धाराएं बताना पर्याप्त नहीं है। गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी भूमिका, उसके खिलाफ उपलब्ध सामग्री और गिरफ्तारी की आवश्यकता के कारणों की स्पष्ट जानकारी देना कानूनन अनिवार्य है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने एसीबी के जवाबों में विरोधाभास भी नोट किए। प्रारंभिक जवाब में गिरफ्तारी के आधार बताए जाने का दावा किया गया, जबकि बाद के जवाबों में अलग तथ्य सामने आए। इस पर हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जांच एजेंसी ने बाद में ऐसे तथ्य पेश किए जो शुरुआती रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं थे। अदालत ने यहां तक कहा कि परिस्थितियां दस्तावेजों में संभावित हेरफेर की ओर संकेत करती हैं।

हालांकि कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मूल मामले की जांच प्रभावित न हो, इसलिए इस पहलू पर अंतिम निष्कर्ष देने से परहेज किया, लेकिन भविष्य में इस मुद्दे को उठाने की संभावना खुली रखी।

कैटरिंग की आड़ में मानव तस्करी : शिकार और खरीदार तय होने के बाद

कोडवर्ड में करते थे बात

अजमेर, 18 जून (एजेंसियां)। दरगाह क्षेत्र के अन्दरकोट इलाके में सक्रिय मानव तस्करी गिरोह की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि गिरोह अवैध कारोबार को छिपाने के लिए 'कटिंग' जैसे कोडवर्ड का इस्तेमाल करता था। पुलिस को आशंका है कि गिरोह के जाल में ओर भी नाबालिग फंसी हो सकती हैं। प्रकरण सामने आने के बाद अब अजमेर में अन्य पीड़ित भी धीरे-धीरे सामने आने लगी हैं।

गैंग के शातिर संभावित शिकार और खरीदार तय होने के बाद आपस में 'कटिंग' शब्द का इस्तेमाल करते थे। कोडवर्ड कथिततौर पर नाबालिगों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क का संकेत था। पुलिस इस एंगल पर गंभीरता से जांच कर रही है कि इस नेटवर्क की पहुंच अजमेर से बाहर किन क्षेत्रों तक थी। पड़ताल में सामने आया कि गिरोह की एक महिला कैटरिंग व्यवसाय से जुड़ी हुई है। शादी-समारोहों और सामाजिक आयोजन में वह किशोरियों से संपर्क साधती थी। उन्हें बेहतर जीवन, रोजगार व आर्थिक सहायता के सपने दिखाकर विश्वास में ले लिया जाता था। बाद में उन्हें गिरोह की अन्य महिला सदस्यों के संपर्क में लाया जाता, जहां से पूरा नेटवर्क सक्रिय हो जाता था।

नकली घी का भंडाफोड़: सरस के पाउच में हो रही थी पैकिंग, छापे में 71 किलो घी व 165 किलो तेल जब्त

दौसा, 18 जून (एजेंसियां)। दौसा जिला मुख्यालय पर पुलिस और खाद्य विभाग की टीम ने सयुक्त कारवाई करते हुए बूरा फैक्ट्री के पास एक कारखाने में नकली घी बनाते हुए बड़ा जखीरा पकड़ा । छापे के दौरान कारखाने में सरस के पाउचों में नक़ली घी की पैकिंग की जा रही थी। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सूचना दी। इस पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रकाशचंद सैनी व कोतवाली थाने की टीम मौके पर पहुंची। कारखाने में नकली देसी घी मिला। रिफाइंड, पाम ऑयल व वनस्पति भी मिली। घी सरस के पाउच में पैक कर रखा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रकाशचंद सैनी ने बताया कि मोहित ट्रेडिंग कंपनी के कारखाने में कार्रवाई के दौरान नकली घी मिला। यह सरस के पाउचों में पैक था। इस पर किचन स्पेशल, न्यू दीप सागर व घी का 1-1 सैंपल लिया गया। इसके बाद टीम ने करीब 71 किलो घी व 165 किलो पाम ऑयल, वनस्पति व रिफाइंड जब्त किए।

'पूर्व सीएम से रामा-श्यामा बंद' : अशोक गहलोत से संबंध पर विधायक हरीश चौधरी का बड़ा बयान

बाड़मेर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच गुटबाज़ी और आपसी नाराज़गी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी और बायतु विधायक हरीश चौधरी ने अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और विरोधी दल के नेताओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। दिलचस्प बात ये है कि ये नाराज़गी ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब कोटा में सांसद राहुल गांधी की मौजूदगी में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट साथ नज़र आये। यही नहीं गहलोत-पायलट की आपस में बतियाते और खिलखिला कर हंसती हुई तस्वीर ने भी पार्टी के भीतर 'ऑल इज़ वेल' की ओर इशारा किया है।

इसी क्रम में बाड़मेर जिले में आयोजित वीर तेजाजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान हरीश चौधरी ने सार्वजनिक मंच से अपनी बात रखी। उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के, सीधे और सपाट शब्दों में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ अपने वर्तमान संबंधों की कड़वाहट को सामने रख दिया। इस बयान के बाद से न केवल मारवाड़ बल्कि पूरे राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

वीर तेजाजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बोलते हुए हरीश चौधरी ने कहा कि वे इस धार्मिक मंच पर ज्यादा कड़वी बातें नहीं बोलना चाहते थे, लेकिन संबंधों की सच्चाई को छिपाना भी उचित नहीं है।

मूसी का कायाकल्प कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करेंगे : मुख्यमंत्री

> सीएम ने इको पार्क और हरित विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया
> 424 एकड़ भूमि को राष्ट्रीय पार्क के रूप में जनता को समर्पित

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि एलबी नगर विधानसभा क्षेत्र से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है और इस क्षेत्र के लोगों ने कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी उनका साथ देकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में 35.50 करोड़ रुपये के इको पार्क और हरित विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कोडंगल से हार के बाद कई लोगों ने उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठाए थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व, विशेष रूप से सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें मल्काजगिरि से सांसद बनने का अवसर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मल्काजगिरि लोकसभा चुनाव में एलबी नगर क्षेत्र की जनता ने उन्हें लगभग 30 हजार मतों की बढ़त दिलाई। संसद में जनता और पार्टी की आवाज मजबूती से उठाने के बाद उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली और तीन वर्षों के संघर्ष के बाद जनता के आशीर्वाद से राज्य में कांग्रेस सरकार बनी। उन्होंने कहा कि एलबी नगर, बीएन रेड्डी, वनस्थलीपुरम और गुर्रमगुड़ा जैसे क्षेत्रों को लंबे समय तक अपेक्षित विकास नहीं मिला। अब सरकार इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 2400 करोड़ रुपये की लागत से 240 एकड़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फल बाजार विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुर्रमगुड़ा इको पार्क की भूमि को निजी भूमि बताकर लेआउट के रूप में बेचने की कोशिश की गई थी, लेकिन सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई जीतकर 424 एकड़ भूमि को राष्ट्रीय पार्क के रूप में जनता को समर्पित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्क के विकास के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि झीलों, नालों और सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के कारण कॉलोनियां जलभराव और बाढ़ की समस्या से जूझ रही हैं। इसी उद्देश्य से सरकार ने हाइड्रा तंत्र को लागू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैध स्वामित्व वाली भूमि पर घर बनाने वालों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी, लेकिन झीलों, पार्कों और नालों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण, मुंबई में भारी वर्षा के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याएं और बेंगलुरु के ट्रैफिक जाम जैसे हालात से सीख लेते हुए सरकार हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि मूसी नदी के पुनर्जीवन और शुद्धिकरण के प्रयासों का कुछ राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं, जबकि यह परियोजना भविष्य की पीढ़ियों के हित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि मूसी नदी में प्रदूषण के कारण आसपास के क्षेत्रों, विशेषकर नलगोंडा जिले के लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकार मूसी नदी को गंडीपेट से गौरेली तक लगभग 55 किलोमीटर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 हजार एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही "भारत फ्यूचर सिटी" परियोजना राज्य के भविष्य की आधारशिला बनेगी। इसमें लगभग 15 हजार एकड़ क्षेत्र हरित क्षेत्र और वन विकास के लिए सुरक्षित रखा जाएगा तथा कुल क्षेत्रफल का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हरित आवरण के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग परियोजना का विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार इसे हर हाल में पूरा करेगी और यहां अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित किया जाएगा।रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हैदराबाद और उसके आसपास के क्षेत्रों को पर्यावरणीय रूप से संतुलित, आधुनिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन परियोजनाओं को विकास के आदर्श मॉडल के रूप में याद रखें।

स्कूल के गेट के सामने ट्रांसफार्मर, सुरक्षा पर खतरा

अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन ने कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मूसा बावली स्थित बाजार-ए-घांसी के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने लगाए गए बिजली के ट्रांसफार्मर से बच्चों को करंट लगने का खतरा बना हुआ है। विद्यालय की प्रधानाचार्य अर्शिया सुल्ताना ने बताया कि सामने स्थित एक इमारत के जीर्णोद्धार के दौरान एक कपड़ा व्यवसायी द्वारा ट्रांसफार्मर लगाने के लिए खंभा स्थापित कराया गया। उन्होंने कहा कि स्कूल में सैकड़ों बच्चे पढ़ते हैं और गेट के सामने ट्रांसफार्मर होने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।
स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इस संबंध में जीएचएमसी और चारमीनार पुलिस से शिकायत की थी। प्रधानाचार्य के अनुसार, मंगलवार को पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया, लेकिन अब तक संबंधित विभागों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अभिभावकों ने भी इस मामले पर चिंता जताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अभिभावक मोहम्मद शफीउद्दीन ने सवाल उठाया कि यदि किसी बच्चे के साथ बिजली के झटके से कोई हादसा हो जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय लोगों ने जीएचएमसी तथा बिजली विभाग से संयुक्त निरीक्षण कर समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है।

फूड पॉइजनिंग से बीमार छात्रों से मिले केटीआर और हरीश राव

सरकारी अस्पताल पहुंचकर जाना स्वास्थ्य का हाल

राजन्ना-सिरसिल्ला, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव ने गुरुवार को सिरसिल्ला सरकारी अस्पताल पहुंचकर फूड पॉइजनिंग से पीड़ित छात्रों और अन्य मरीजों से मुलाकात की तथा उनका हालचाल जाना। मंगलवार रात थंगल्लापल्ली मंडल की इंदिराम्मा कॉलोनी के कम से कम 31 लोग पानी पूरी खाने के बाद बीमार पड़ गए थे।

सभी को उपचार के लिए सिरसिल्ला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। केटी रामाराव और हरीश राव ने अस्पताल में भर्ती मरीजों तथा उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को मरीजों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इससे पहले दोनों नेताओं ने सीईएस के अध्यक्ष चिक्कला रामाराव के पुत्र चिक्कला अश्विन के 11वें दिन के कार्यक्रम में भी भाग लिया।

51 किलो गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

तस्करी में इस्तेमाल कार भी जब्त

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस ने अब्दुल्लापुरमेट क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए गांजा की तस्करी कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 51 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की गई एक कार बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओडिशा निवासी कामुलु पांगी (37), बिबिनी हंतल (31) और कृष्णा हंतल (29) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, तीनों की मुलाकात ओडिशा के मलकानगिरी की एक जेल में सागर नामक व्यक्ति से हुई थी और उसके कहने पर वे गांजा लेकर घाटकेसर पहुंच रहे थे। मलकाजगिरि की पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि तीनों आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे कार में गांजा लेकर सागर को सौंपने जा रहे थे। पुलिस ने गांजा और वाहन को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपी सागर की तलाश में जुटी हुई है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

एमटीपी केंद्रों के लिए 5 साल के नवीनीकरण की मांग

डॉक्टरों ने सरकार को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निजी अस्पतालों में गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन (एमटीपी) केंद्रों के वार्षिक नवीनीकरण की व्यवस्था समाप्त कर इसे पांच वर्ष करने की मांग उठी है। हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (एचआरडीए) ने इस संबंध में लोक स्वास्थ्य निदेशक को ज्ञापन सौंपा है। एचआरडीए ने मांग की है कि एमटीपी केंद्रों तथा पीसीपीएनडीटी और नसबंदी केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण को तेलंगाना क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत पंजीकृत अस्पतालों की तरह पांच वर्ष की अवधि के लिए मान्य किया जाए। संघ के अनुसार, वर्तमान में इन केंद्रों के लिए हर वर्ष नवीनीकरण कराना पड़ता है, जबकि इन्हें भी जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से ही नियंत्रित किया जाता है।

अल्पसंख्यकों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि राज्य सरकार अल्पसंख्यकों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए बजट में पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है और विकास कार्यों को युद्धस्तर पर तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ. बी. आर. आंबेडकर राज्य सचिवालय में अल्पसंख्यक कल्याण तथा विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अज़हरुद्दीन, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उर्दू अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर हैदराबाद सहित राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में उर्दू संस्कृति को प्रतिबिंबित करने वाले भव्य मुशायरे आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने हैदराबाद के एल. बी. स्टेडियम में होने वाले मुख्य कार्यक्रम की समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में 20 विद्यालयों का निर्माण पूरा हो चुका है और वे उद्घाटन के लिए तैयार हैं, जबकि 17 विद्यालय निर्माणाधीन हैं। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष विद्यालयों के निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर शीघ्र पूरा किए जाएं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अल्पसंख्यक युवाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'राजीव युवा विकास' योजना के अंतर्गत व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने घोषणा की कि ईसाई अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए 50 करोड़ रुपये विशेष रूप से व्यय किए जाएंगे। यह राशि ईसाई युवाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में उपयोग की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वक्फ तथा अन्य अल्पसंख्यक संस्थाओं की मूल्यवान भूमि को अतिक्रमण से बचाने के लिए आवश्यक कानूनी संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अल्पसंख्यक कब्रिस्तानों के चारों ओर परिधि दीवारों का निर्माण तथा मुस्लिम आबादी वाले जिला एवं मंडल मुख्यालयों में नए कब्रिस्तानों के लिए भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में त्वरित कार्रवाई की जाए।

बैठक के दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अज़हरुद्दीन ने हैदराबाद में आयोजित होने वाले मुहर्रम समारोह के नौवें दिन के विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उपमुख्यमंत्री को आमंत्रित किया। इस पर भट्टी विक्रमार्क ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए समारोह में भाग लेने का आश्वासन दिया।बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अजमतुल्लाह, अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष ओबेदुल्ला कोत्वाल, उर्दू अकादमी के अध्यक्ष ताहिर बिन हमदान तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराज्यीय अभियान में 500 किलो गांजा जब्त

तस्करों का 80 किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ा वाहन

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट (ईएजीएल) फोर्स ने ओडिशा में चलाए गए एक अंतरराज्यीय अभियान में 500 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। हालांकि वाहन चालक घने जंगल और पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर फरार हो गया। अधिकारियों के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर सब-इंस्पेक्टर के. रवि प्रसाद के नेतृत्व में ईएजीएल की टीम ने 17 और 18 जून की रात बलिमेला से जेपोर की ओर जा रहे एक बोलेरो वाहन का पीछा किया। टीम ने दुर्गम इलाके में करीब 80 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद घने जंगल में वाहन को रोक लिया।

ईएजीएल के निदेशक संदीप शांडिल्य ने बताया कि वाहन की तलाशी में 115 पैकेटों में भरा लगभग 500 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इनमें 90 पैकेट पांच-पांच किलोग्राम और 25 पैकेट दो-दो किलोग्राम वजन के थे। जब्त गांजा और वाहन को आगे की कार्रवाई के लिए ओडिशा के कोरापुट जिला पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार, वाहन ओडिशा के नबरंगपुर जिले के नुआसाही निवासी अमीर अली खान के नाम पर पंजीकृत है। अधिकारियों ने बताया कि हाल के वर्षों में ईएजीएल द्वारा चलाया गया यह दूसरा बड़ा अंतरराज्यीय अभियान है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी टीम ने रांची तक तस्करों का पीछा कर 500 किलोग्राम गांजा बरामद किया था।

अभद्रता के आरोप में 10 पर पॉक्सो का मामला

घर में घुसकर लड़के को पेड़ से बांधने का आरोप

कोत्तागुडेम, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोठागुडेम जिले के अन्नापुरेड्डीपल्ले मंडल में पुलिस ने दो नाबालिगों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में 10 लोगों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात आरोपियों ने एक नाबालिग लड़की के घर में घुसकर वहां मौजूद एक नाबालिग लड़के को पकड़ लिया और उसे पेड़ से बांधकर पीटा। आरोप है कि बिना किसी जानकारी या पूछताछ के दोनों बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आरोपी गांव के बुजुर्ग बताए जा रहे हैं। बताया गया कि लड़का नाबालिग लड़की का बड़ा भाई था, लेकिन केवल संदेह के आधार पर दोनों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। जब लड़की के माता-पिता घर लौटे तो उन्होंने ग्रामीणों के खिलाफ जबरन घर में घुसने और बच्चों को प्रताड़ित करने की शिकायत पुलिस से की। लड़की ने आरोप लगाया कि घर में घुसे लोगों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और गलत तरीके से छुआ। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से नई दिल्ली में मुलाक़ात की और उन्हें इस महीने के आख़िरी हफ़्ते में होने वाली राज्य कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। तेलंगाना में राजनीतिक हालात पर चर्चा की।

रेस्तरां में जंग-रोधी खाद्य-ग्रेड उपकरणों के उपयोग की सलाह

नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रेस्तरां और होटलों को खाद्य-ग्रेड तथा जंग-रोधी काटने के उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सलाह जारी की है। एफएसएसएआई ने कहा है कि भोजन से जुड़े सभी कार्यों में चाकू, ब्लेड और अन्य काटने के औजार केवल खाद्य-योग्य और जंग-रोधी सामग्री के होने चाहिए। इन उपकरणों को स्वच्छ स्थिति में रखा जाना चाहिए तथा उनमें जंग, दरार, पेंट या ऐसा कोई दोष नहीं होना चाहिए जिससे खाद्य पदार्थ दूषित होने का खतरा हो।

प्राधिकरण ने निर्देश दिया है कि जंग लगे या क्षतिग्रस्त उपकरणों को तुरंत हटाकर उनकी जगह नए उपकरण लगाए जाएं। साथ ही निर्धारित अंतराल पर सभी काटने वाले औजारों की सफाई, कीटाणुशोधन और नसबंदी की प्रक्रिया का पालन करना भी आवश्यक होगा। एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों तथा क्षेत्रीय निदेशकों को इन नियमों के पालन की कड़ी निगरानी करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि नियमों के उल्लंघन की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाराणा प्रताप का 486वां जन्मोत्सव कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अम्बरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल में वीर क्षत्रिय राजपूत समिति के तत्वावधान में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप का 486 वां जन्मोत्सव कार्यक्रम शनिवार 20 जून सायं 5 बजे मनाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप का जन्मोत्सव कार्यक्रम समाज बन्धुओ के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा।

सायं 5.15 बजे से माँ भवानी एवं महाराणा प्रताप की तस्वीर पर माल्यापर्ण, ज्योत प्रज्वलितकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समुंदरसिंह नौसर, विधायक रविन्द्रसिंह भाटी, विधायक डॉ.समरजीतसिंह एवं सभी सम्मानित अतिथियों का विशेष स्वागत किया जाएगा। छत्तीस कौम के समाज बन्धुओं से उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पहुंचने की अपील की गई है।

मिधानि ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड मिधानि ने देश में पहली बार रक्षा अनुप्रयोगों हेतु आर्मर ग्रेड एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेटस का उत्पादन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को सशक्त बनाने और सामरिक सामग्रियों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। एल्युमिनियम जिंक मैग्नीशियम एलॉय इंगट को पहले फोर्ज किया गया और बाद में आर्मर ग्रेड प्लेटस में रोल किया गया।

अपनी मौजूदा क्षमताओं के साथ, मिधानि 3000 मिमी चौड़ाई तक की प्लेटस रोल कर सकती है, जो इसकी तकनीकी क्षमता को और मजबूत बनाता है। इस उपलब्धि से भारत में पहली बार कठोर एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेटस के फोर्जिंग और रोलिंग की स्वदेशी क्षमता स्थापित हुई है। अब तक इन उच्चशक्ति एलॉय प्लेटस का आयात किया जाता था। यह उपलब्धि भारत सरकार के स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को सशक्त बनाने और महत्वपूर्ण सामग्रियों में तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मिधानि प्रबंधन ने कहा है कि आर्मर ग्रेड एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेटस का सफल विकास संगठन की नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता और स्वदेशी क्षमताओं के माध्यम से राष्ट्र के सामरिक कार्यक्रमों को समर्थन देने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हैदराबाद में आयोजित हुई सबसे बड़ी निःशुल्क कथक कार्यशाला

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नाद भेद-द डांस स्टूडियो की संस्थापक एवं निदेशक अर्चना मिश्रा की पहल पर शहर में एक निःशुल्क कथक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी के लिए खुली इस कार्यशाला को हैदराबाद-सिकंदराबाद में अब तक की सबसे बड़ी निःशुल्क कथक कार्यशाला बताया जा रहा है। यह आयोजन प्रसिद्ध कथक गुरु डॉ. पुरु दाधीच की 88वीं जयंती के अवसर पर किया गया। डॉ. पुरु दाधीच कथक की दधीच शैली के संस्थापक तथा पद्मश्री, संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और कालिदास सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हैं। कार्यशाला का संचालन पारुल विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. द्युति पंड्या ने किया।

सीआईएसएफ में प्रेक्षाध्यान अणुव्रत कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म जगत की अणुव्रत सेवी निर्मला बैद ने योग दिवस के उपलक्ष में सीआईएसएफ में प्रेक्षाध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें प्रबुद्ध शिष्य मुनिश्री दीपक एवं काव्यकुमार की प्रेरणा रही। निर्मला बैद के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कमांडर ने गुलदस्ते से उनका स्वागत किया। निर्मला बैद ने जवानों को नशे से दूर रहने तथा नानवेज से परहेज करने की प्रेरणा दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

मंधाना टी-20 में 600 चौके लगाने वाली पहली बैटर बनीं

वर्ल्डकप में छठी फिफ्टी लगाई, मिताली-हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा; दीप्ति ने झूलन की बराबरी की

लीड्स, 18 जून (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड को 95 रन से हरा दिया। लीड्स में स्मृति मंधाना ने 74 रन की पारी में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे मेंस और विमेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 चौके पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनीं।

मंधाना ने मिताली राज और हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर दीप्ति शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के सबसे ज्यादा विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मंधाना ने नीदरलैंड के खिलाफ 11 चौके लगाए। उनके नाम टी-20 इंटरनेशनल में 603 चौके हो गए हैं। वे पुरुष या महिला टी-20 इंटरनेशनल में 600 चौके पूरे करने वाली दुनिया की पहली प्लेयर बन गई हैं। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 521 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

स्मृति ने टी-20 वर्ल्ड कप में छठवां 50+ स्कोर बनाया। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने हरमनप्रीत कौर और मिताली राज के 5 फिफ्टी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के 355 विकेट हो गए हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में पूर्व भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी की बराबरी कर ली है। झूलन के नाम भी 355 इंटरनेशनल क्रिकेट विकेट हैं।

भारतीय विमेंस टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। यह इस टूर्नामेंट में भारत का पहला 200+ स्कोर भी है। इससे पहले भारत ने 2018 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 194/5 का स्कोर बनाया था।

शेफाली और स्मृति ने पहले विकेट के लिए 115 रन जोड़े, यह टी-20 इंटरनेशनल में दोनों की 5वीं शतकीय साझेदारी थी। सबसे ज्यादा सेंचुरी पार्टनरशिप के मामले में अब वे दुनिया की संयुक्त रुप से दूसरी जोड़ी है। पहले नंबर पर यूएई की ईशा ओझा और थीर्था सतीश हैं। दोनों ने 6 बार यह कारनामा किया है।

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बनाया। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 विकेट खोकर 59 रन बनाए थे।

स्मृति-शेफाली की 115 रन की पार्टनरशिप टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। भारत के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप का रिकॉर्ड हरमनप्रीत और जेमिमा के नाम है। दोनों ने 2018 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 134 रन की साझेदारी की थी।

भारतीय स्पिनर श्रेयंका पाटिल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गईं। नीदरलैंड की पारी के छठे ओवर में फेबे मोल्केनबोएर ने ऑन साइड में शॉट खेला। गेंद को रोकने के लिए दौड़ते समय श्रेयंका का पैर मुड़ गया और वह मैदान पर गिर पड़ीं। वह काफी दर्द में नजर आईं। फिजियो ने आकर जांच की। वे अपने दाएं पैर पर खड़ी भी नहीं हो पा रहीं थीं। उन्हें स्ट्रेचर की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया।

14वें ओवर में नंदिनी शर्मा ने नीदरलैंड की कप्तान बैबेट डी लीडे को 28 रन पर आउट कर टीम को चौथा विकेट दिलाया। विकेटकीपर ऋचा घोष ने स्टंपिंग पूरी की। डी लीडे ने 27 गेंदों में 28 रन बनाए, जिसमें 3 चौके शामिल रहे।

बीसीसीआई ने बताया आईपीएल 2027 का प्लान, 10 मार्च से हो सकता है आगाज

खेले जाएंगे 74 मुकाबले

मुंबई, 18 जून (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने आईपीएल 2027 को लेकर अपना प्लान बताया है, जिसके मुताबिक 20वें सीजन की शुरुआत थोड़ी जल्दी हो सकती है। बीसीसीआई का प्लान आईपीएल 2027 को 10 मार्च से 15 मई के बीच कराने का है। बीसीसीआई 2027 को जल्दी शुरू करने की वजह बीसीसीआई ने मौसम की मार को बताया है। बीसीसीआई के मुताबिक इससे खिलाड़ियों को तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप से राहत मिलेगी।भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने ये भी बताया कि उसका आईपीएल 2027 में मैचों की संख्या बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है।

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने पीटीआई को बताया कि आईपीएल 2027 को जल्दी शुरू कराए जाने पर चर्चा चल रही है. हमारी कोशिश उसे 10 मार्च से 15 मई के बीच कराने की है, जिससे खिलाड़ियों को गर्मी से राहत मिल सके. उन्होंने बताया की 15 मई के बाद देश के कई हिस्सों में तेज गर्मी पड़ने लगती है.

आईपीएल 2027 को लेकर चर्चा थी कि उसमें मैचों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है. लेकिन देवजीत सैकिया ने ये पीटीआई से बातचीत में ये साफ कर दिया कि बीसीसीआई का ऐसा कोई इरादा फिलहाल नहीं है. अगले सीजन में भी 74 ही मुकाबले खेले जाएंगे. पहले चर्चा थी कि अगले सीजन में 74 की जगह 94 मैच हो सकते हैं. लेकिन, देवजीत सैकिया ने कहा कि फिलहाल ऐसा संभव नहीं है.

आईपीएल 2026 की बात करें तो उसकी शुरुआत 28 मार्च से हुई थी और इसका फाइनल मुकाबले 31 मई को खेला गया था. इस दौरान बीसीसीआई ने गर्मी का असर साफ देखा. अब उसी को ध्यान में रखकर वो अगले सीजन को जल्दी शुरू करने की प्लानिंग कर रही है.

चीन में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

निखिल-दीपक-स्नेह अगले दौर में पहुंचे

बीजिंग, 18 जून (एजेंसियां)। चीन के गुइयांग शहर स्थित गुइयांग ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में चल रहे बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज 2) में भारतीय मुक्केबाजों ने तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन किया। भारत के निखिल, दीपक और स्नेह ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में जगह बना ली। पुरुषों की 55 किलोग्राम कैटेगरी में निखिल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्राजील के केल्वी ट्रिंडाडे को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। वहीं 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने जापान के वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट सेवोन ओकाजावा को भी 5-0 से मात देकर बड़ा उलटफेर किया। महिला वर्ग की 65 किलोग्राम कैटेगरी में स्नेह ने दक्षिण कोरिया की सियोन सुजिन के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेलते हुए 4-1 से जीत दर्ज की और अगले दौर में प्रवेश किया।

हालांकि दिन भारतीय टीम के लिए पूरी तरह सफल नहीं रहा। 80 किलोग्राम वर्ग में मालसाबम्स्लुआंगा को जॉर्डन के अशाईश हुसैन से 1-4 से हार मिली। वहीं 60 किलोग्राम महिला वर्ग में माही लामा को मंगोलिया की मोंखोर नामुन ने 0-5 से हराकर बाहर कर दिया। इससे पहले प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए ज्योति, प्राची और निखिल के साथ अगले दौर में जगह बनाई थी।

अब चौथे दिन भारत के दो मुक्केबाज रिंग में उतरेंगे। महिला 51 किलोग्राम वर्ग में मीनाक्षी का मुकाबला पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का से होगा, जबकि पुरुष 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जमवाल किर्गिस्तान के मिर्जोबिद इमामनाजारोव से भिड़ेंगे। भारत के मुक्केबाजों के लगातार प्रदर्शन से देश को आगे और पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

43वीं रैंक के कांगो ने पुर्तगाल को ड्रॉ पर रोका

वर्ल्डकप में पहला गोल भी दागा; क्रिस्टियानो रोनाल्डो स्कोर नहीं कर पाए

ह्यूस्टन, 18 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप में छोटी टीमों का कमाल जारी है। 43वीं रैंकिंग वाली कांगो ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को 1-1 के ड्रॉ पर रोक लिया। 52 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी कर रही कांगो गणराज्य ने टूर्नामेंट में अपना पहला गोल भी दागा। हालांकि, रोनाल्डो एक भी गोल नहीं कर सके।

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में ग्रुप-के के मैच में पुर्तगाल ने छठे मिनट में जोआओ नेवेस के गोल से शानदार शुरुआत की। लेकिन यही उसका आखिरी गोल रहा। हाफ टाइम से ठीक पहले 45+5वें मिनट में योआन वीसा ने कांगो को बराबरी दिलाई।

इस ड्रॉ के बाद पुर्तगाल को ग्रुप स्टेज से अगले मैच जीतने होंगे। उसे 23 जून को उज्बेकिस्तान और 28 जून को कोलंबिया से मैच खेलने हैं। फिलहाल, टीम ग्रुप-के की पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है।

छठे मिनट में पुर्तगाल के मिडफील्डर जोआओ नेवेस ने पेड्रो नेटो के क्रॉस पर हेडर लगाकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में कांगो के आर्थर मासुआकू के क्रॉस पर योआन विसा ने हेडर लगाकर गोल किया। स्कोर 1-1 कर दिया।

41 साल और 132 दिन की उम्र में क्रिस्टियानो रोनाल्डो वर्ल्ड कप मैच की शुरुआत करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने।

रोनाल्डो टूर्नामेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उनसे आगे कैमरून के रोजर मिल्ला हैं, जो 1994 में 42 साल और 39 दिन की उम्र में रूस के खिलाफ उतरे थे। यह कांगो के इतिहास का पहला वर्ल्ड कप गोल था। इससे पहले टीम ने 1974 में जायर नाम से वर्ल्ड कप खेला था, लेकिन तब कोई गोल नहीं कर सकी थी। गोल के बाद विसा ने कहा, '52 साल बाद हम फिर वर्ल्ड कप में लौटे हैं। यह गोल मेरे, मेरे परिवार और पूरे कांगो के लिए बेहद खास है।'

पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे मैच में गोल की तलाश में रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने 68वें और 73वें मिनट में दो अच्छे मौके गंवा दिए। दोनों बार उनका शॉट गोलपोस्ट के दाईं ओर निकल गया। 90वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के पास भी विजयी गोल करने का मौका था, लेकिन उनका प्रयास भी लक्ष्य से चूक गया।

पुर्तगाल ने दूसरे हाफ में एक बार और गेंद जाल में पहुंचाई थी। 55वें मिनट में जोआओ कैंसेलो ने शानदार बाइसिकल किक से गोल किया, लेकिन VAR जांच में उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया। दूसरी ओर कांगो भी जीत के करीब पहुंचा था, लेकिन सेड्रिक बाकाम्बू का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया।

ग्रुप-एल मुकाबले में इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। आर्लिंग्टन के एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए मैच में हैरी केन ने दो गोल किए, जबकि जूड बेलिंगहैम और मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल दागे। क्रोएशिया की ओर से केमारिन बातुरीना (36वें मिनट) और पेटार मूसा (45+5 मिनट) ने गोल किए। यह मुकाबला 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की याद दिलाने वाला रहा, जिसमें क्रोएशिया ने इंग्लैंड को हराया था। हालांकि इस बार इंग्लिश टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली।

ओवल टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड का स्कोर 263/7

ब्लंडेल की फिफ्टी, फिलिप्स नाबाद लौटे; बेकर को डेब्यू मैच में 2 विकेट

लंदन, 18 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की शुरुआत मिलीजुली रही। पहले दिन टीम ने 7 विकेट पर 263 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स 49 रन पर नाबाद लौटे। टॉम ब्लंडेल फिफ्टी लगाकर आउट हुए।

लंदन के किंग्स्टन ओवल में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बारिश के कारण मैच करीब आधे घंटे देरी से शुरू हुआ। कीवियों ने आधे घंटे के अंदर डेवोन कॉन्वे का विकेट गंवा दिया। 9 रन बनाकर आउट हुए। लंच ब्रेक तक 2 बैटर्स पवेलियन लौट गए थे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाया। लंच के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 4 विकेट पर 107 रन था। इसके बाद टॉम ब्लंडेल और डेरिल मिचेल ने पांचवें विकेट के लिए 81 रन जोड़कर पारी संभाली। यह साझेदारी डॉनी बेकर ने मिचेल को आउट कर तोड़ी। चाय तक मिचेल 33 रन पर नाबाद थे, जिसमें चार चौके शामिल थे। ब्लंडेल 32 गेंदों में 23 रन बनाकर खेल रहे थे। मिचेल 74 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट हो गए। न्यूजीलैंड के शीर्ष सात बल्लेबाजों में छह ने दोहरे अंक का स्कोर बनाया, लेकिन केवल टॉम ब्लंडेल ही अर्धशतक तक पहुंच सके। उन्होंने 50 रन की अहम पारी खेली। ब्लंडेल को 34 रन पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। बाद में उन्हें जैकब बेथेल ने आउट किया। ब्लंडेल ने मिचेल के आउट होने के बाद फिलिप्स के साथ 75 रन जोड़े। उनके आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने पारी संभाली और आखिरी एक घंटे में इंग्लैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। वह 74 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 49 रन बनाकर नाबाद लौटे। फिलिप्स ने इस दौरान कई शॉट्स अपने शरीर पर झेली।

न्यूजीलैंड को पहला झटका मैथ्यू फिशर ने दिया। उन्होंने डेवोन कॉन्वे को विकेटकीपर जेम्स रीव के हाथों कैच कराया। इसके बाद लंच से ठीक पहले जोफ्रा आर्चर ने टॉम लाथम को आउट कर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई।

लंच के बाद जोश टंग ने हेनरी निकोल्स को बोल्ड किया। अच्छी लय में दिख रहे रचिन रवींद्र को डॉनी बेकर ने आउट कर अपने टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। दिन के अंत तक इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के सात विकेट झटककर मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

नियमित कप्तान बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में जो रूट ने टीम की कमान संभाली। इंग्लैंड ने इस मुकाबले में जेम्स रीव, डॉनी बेकर और जॉर्डन कॉक्स को टेस्ट डेब्यू का मौका दिया। पहले दिन टीम की धीमी ओवर गति चिंता का विषय रही और इंग्लैंड निर्धारित 90 ओवरों से पीछे रह गया।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने पहली बार टी-20 में 9 विकेट झटके

कंगारुओं ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया; कॉनोली ने 47 रन बनाए

चटगांव, 18 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने टी-20 क्रिकेट में पहली बार 9 विकेट झटके हैं। इससे मिचेल मार्श की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया। चटगांव में टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही बांग्लादेशी टीम 19 ओवर में 132 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से लेग स्पिनर एडम जम्पा (3 विकेट), जोएल डेविस (3 विकेट), मैट रैनशॉ (2 विकेट) और निखिल चौधरी (एक विकेट) ने मिलकर लिए। एक विकेट तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को मिला। यह ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एडम जम्पा टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वे दुनिया के केवल 5वें लेग स्पिनर हैं, जिन्होंने टी-20I में 150 या उससे अधिक विकेट हासिल किए हैं। उनसे पहले राशिद खान, ईश सोढ़ी, आदिल राशिद और वानिंदु हसरंगा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

बांग्लादेश के ओपनर्स सैफ हसन और तंजीद हसन ने आक्रामक शुरुआत की। दोनों ने स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट के खिलाफ आकर्षक शॉट लगाए। जॉनसन ने तंजीद को बार्टलेट के हाथों कैच कराकर पहला झटका दिया। इसके बाद सैफ हसन भी मैट रेनशॉ की गेंद पर मिचेल मार्श को कैच दे बैठे।

कार्यवाहक कप्तान तौहीद हृदॉय और 18 महीने बाद टीम में लौटे सौम्य सरकार ने पारी संभाली। बांग्लादेश ने पावरप्ले के 6 ओवर में 2 विकेट पर 52 रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।

7वें ओवर में एडम जाम्पा ने तौहीद हृदॉय को अपनी गुगली पर बोल्ड कर बांग्लादेश की रन गति पर लगाम लगा दी। अगले ओवर में सौम्य सरकार भी डेब्यू कर रहे निखिल चौधरी को कैच दे बैठे।

जोएल डेविस ने इंटरनेशनल डेब्यू की दूसरी ही गेंद पर परवेज हुसैन इमोन को कूपर कॉनोली के हाथों कैच कराकर पहला विकेट हासिल किया। मैट रेनशॉ ने शमीम हुसैन को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। डेविस ने डेब्यू कर रहे अब्दुल गफ्फार सकलैन को भी पवेलियन भेजा।

निखिल चौधरी ने भी गेंदबाजी में योगदान देते हुए रिशाद हुसैन को 3 रन पर आउट किया। निचले क्रम में मेहदी हसन ने नाबाद 29 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे और बांग्लादेश की टीम 132 रन पर सिमट गई।

अनमोल, रक्षिता और श्रियांशी मकाऊ ओपन के अगले दौर में पहुंचे

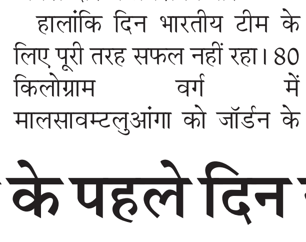

मकाऊ, 18 जून (एजेंसियां)। अनमोल खराब ने महिला एकल में सीधे गेम में जीत दर्ज कर शानदार शुरुआत की जिससे तीन भारतीय महिला खिलाड़ी मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। पिछले महीने डेनमार्क चैलेंज के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली आठवीं वरीयता प्राप्त अनमोल ने शानदार खेल दिखाया।

उन्होंने इंडोनेशिया की मुतियारा आयु पुस्पितासारी को महज 42 मिनट में 21-13, 21-16 से हराकर अंतिम 16 राउंड में अपनी जगह पक्की की।

दुनिया की 51वें नंबर की 19 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का सामना अब मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए मलेशिया की किसोना सेल्वादुरय को 46 मिनट में 21-16, 24-22 से शिकस्त दी और अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला दक्षिण कोरिया की किम मिन सन से होगा।

सातवीं वरीय और दुनिया की 49वें नंबर की खिलाड़ी श्रियांशी वालिशेट्टी ने हमवतन तस्नीम मीर के खिलाफ 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-18, 19-21, 21-15 से जीत दर्ज की। अब उनकी भिड़ंत दक्षिण कोरिया की किम मिन जी से होगी। श्रेया लेले का सफर यहीं खत्म हो गया जिन्हें चीन की चौथी वरीय हान कियान शी से 34 मिनट में 12-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरिया की किम मिन जी के खिलाफ जोरदार टक्कर देने के बावजूद आकर्षी कश्यप भी 17-21, 21-18, 17-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

पुरुष एकल में रौनक चौहान ने एक गेम हारने के बाद वापसी करते हुए चीनी ताइपे के वू झे यिंग को एक घंटे पांच मिनट में 18-21, 21-15, 21-19 से शिकस्त दी। हालांकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और चीनी ताइपे के हुआंग पिंग-सियान से एक घंटे चार मिनट में 21-11, 18-21, 16-21 से हार गए। मिश्रित युगल में भारत के लिए मिला-जुला नतीजा रहा।

हैरी केन ने छुआ बेकहम का रिकॉर्ड: बेलिंगहम ने रचा इतिहास

न्यूयॉर्क, 18 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्वकप 2026 में इंग्लैंड ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए क्रोएशिया को 4-2 से हराया। इस जीत के नायक कप्तान हैरी केन रहे, जिन्होंने दो गोल दागकर न केवल इंग्लैंड के लिए विश्वकप में गैरी लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की, बल्कि डेविड बेकहम के एक खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। वहीं जूड बेलिंगहैम ने भी इतिहास रचते हुए 23 साल की उम्र से पहले चार बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने वाले पहले यूरोपीय फुटबॉलर बनने का गौरव हासिल किया। इन उपलब्धियों ने इंग्लैंड को खिताब का मजबूत दावेदार बना दिया है।

फीफा विश्वकप 2026 में इंग्लैंड ने ऐसा प्रदर्शन किया है जिसने बाकी टीमों को साफ संदेश दे दिया है कि थॉमस टुचेल की टीम इस बार केवल हिस्सा लेने नहीं, बल्कि ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरी है। डलास स्टेडियम में खेले गए ग्रुप एल मुकाबले में इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। मैच में कप्तान हैरी केन और युवा स्टार जूड बेलिंगहम ने ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जो लंबे समय तक याद रखे जाएंगे। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने मुकाबले में दो गोल दागे। उनका पहला गोल 12वें मिनट में पेनल्टी पर आया, जबकि दूसरा गोल 42वें मिनट में शानदार हेडर के जरिए हुआ। इन दो गोलों के साथ केन विश्वकप के तीन अलग-अलग संस्करणों (2018, 2022 और 2026) में गोल करने वाले इंग्लैंड के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि इंग्लैंड के दिग्गज डेविड बेकहम ने हासिल की थी, जिन्होंने 1998, 2002 और 2006 विश्वकप में गोल किए थे।

केन ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वकप में अपने गोलों की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इसके साथ ही उन्होंने गैरी लिनेकर के विश्वकप में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 10 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इतना ही नहीं, विश्वकप इतिहास में सबसे ज्यादा पेनल्टी गोल (पेनल्टी शूटआउट को छोड़कर) करने का रिकॉर्ड भी अब उनके नाम दर्ज हो गया है। उनके खाते में अब पांच पेनल्टी गोल हो चुके हैं।

मुकाबला जितना स्कोरलाइन से आसान दिखता है, उतना था नहीं। क्रोएशिया ने दो बार मैच में वापसी की। केन की पेनल्टी के बाद मार्टिन बातुरीना ने शानदार गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद केन ने फिर इंग्लैंड को बढ़त दिलाई, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले पेटार मूसा ने गोल दागकर मुकाबले को 2-2 पर ला खड़ा किया।

दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने अपना असली रंग दिखाया। जूड बेलिंगहम ने बेहतरीन गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि मार्कस रैशफोर्ड ने अंत में गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। इवान पेरिसिच ने भी एक उपलब्धि हासिल की और विश्वकप के चार अलग-अलग संस्करणों में असिस्ट करने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बने।

किसानों को 30 जून से रैतू भरोसा सहायता प्राप्त होगी

मंत्रियों ने दी मीडिया को अहम जानकारी

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई अनौपचारिक कैबिनेट बैठक के बाद, तेलंगाना सरकार ने बुधवार को कृषि, किसान कल्याण, उर्वरक उपलब्धता, फसल खरीद, हैदराबाद मेट्रो विस्तार और प्रशासनिक सुधारों से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की।

सचिवालय में बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और पंचायती राज मंत्री सीतक्का ने कहा कि सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए रैतु भरोसा निवेश सहायता वितरण को औपचारिक रूप से 30 जून को खम्मम जिले के मधिरा में आयोजित होने वाले एक विशाल किसान सम्मेलन (रैतु सम्मेलनम) से शुरू करने का निर्णय लिया है।उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, इस अवसर पर एक बड़ी जनसभा का आयोजन किया जाएगा और रैतु भरोसा सहायता राशि सीधे तेलंगाना भर के किसानों के बैंक खातों में इसी मंच के माध्यम से जमा की जाएगी।मंत्री जी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने तेलंगाना के किसानों द्वारा उगाई जाने वाली सात लोकप्रिय उत्तम चावल किस्मों पर राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले बोनस को जारी रखने की भी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, यह निर्णय बाजार की मांग और उपभोक्ताओं की पसंद के आधार पर लिया गया है।

यह बोनस केवल बीपीटी-5204, आरएनआर-15048, एचएमटी सोना, जय श्रीराम, केएनएम-1638, डब्ल्यूजीएल-44 और केएनएम-7715 किस्मों पर लागू होगा। उन्होंने कहा, राज्य में उगाई जाने वाली उत्तम चावल की किस्मों का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं किस्मों का है और सरकारी खरीद प्रणाली के बाहर भी इनकी बाजार में मजबूत मांग है।मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने तेलंगाना को उर्वरक आवंटन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि केंद्र ने लगभग दो लाख मीट्रिक टन यूरिया के मासिक आवंटन का आश्वासन दिया था, लेकिन हाल के महीनों में प्रतिबद्ध मात्रा की आपूर्ति नहीं की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को अब तक उर्वरक का काफी अधिक भंडार प्राप्त हो जाना चाहिए था। तुम्मला ने बताया कि सरकार ने यह भी मांग की है कि रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) संयंत्र में उत्पादित यूरिया का एक बड़ा हिस्सा दूर के राज्यों में भेजने के बजाय तेलंगाना के लिए आरक्षित किया जाए। मंत्री ने आगे तर्क दिया कि तेलंगाना के किसानों को स्थानीय स्तर पर उत्पादित उर्वरक आवंटित करने से परिवहन लागत कम होगी और महत्वपूर्ण कृषि मौसम के दौरान कमी को रोका जा सकेगा।मौसम पूर्वानुमानों में सामान्य से कम वर्षा और सूखे की संभावना को देखते हुए, तुम्मला नागेश्वर राव ने किसानों से पहली बारिश के तुरंत बाद बुवाई न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि विभाग के निर्देशों का पालन करना चाहिए और बुवाई से पहले मिट्टी में पर्याप्त नमी सुनिश्चित करनी चाहिए। मंत्री जी ने कहा कि अंकुरण और फसल की अच्छी तरह से वृद्धि के लिए उपयुक्त नमी की स्थिति बनाने के लिए आमतौर पर कम से कम दो बार लगभग 7 मिमी बारिश की आवश्यकता होगी। किसानों से आग्रह किया गया कि वे समय से पहले बुवाई न करें, क्योंकि सूखे की स्थिति में इससे फसल का नुकसान हो सकता है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने केंद्र से हैदराबाद मेट्रो रेल के द्वितीय चरण के विस्तार के लिए आवश्यक स्वीकृतियों में तेजी लाने का आग्रह करने का भी संकल्प लिया है। सरकार ने भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) के माध्यम से प्रस्तावित ऋण की तत्काल मंजूरी मांगी और हैदराबाद के यात्रियों के व्यापक हित में परियोजना का समर्थन करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों और तेलंगाना के भाजपा सांसदों से अपील की। उन्होंने कहा कि बढ़ते यातायात जाम से निपटने और शहर की तेजी से बढ़ती आबादी की परिवहन जरूरतों को पूरा करने के लिए मेट्रो का विस्तार अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तेलंगाना में डिजिटल कैबिनेट को मंजूरी

मंत्रिमंडल की बैठकें होंगी पूरी तरह पेपरलेस

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने प्रशासन को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मंत्रिमंडल की बैठकों को पूरी तरह ऐ करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रियों की विशेष बैठक में तेलंगाना डिजिटल कैबिनेट व्यवस्था को मंजूरी प्रदान की गई। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा सभी मंत्रियों को विशेष टैबलेट सौंपे। इन टैबलेट्स के माध्यम से मंत्रिमंडल की बैठकों का एजेंडा, प्रस्तावों से संबंधित दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं डिजिटल रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने स्वयं डिजिटल कैबिनेट प्रणाली के संचालन और कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी, तेज और पर्यावरण अनुकूल बनेंगी।

सरकार ने स्पष्ट किया कि पेपरलेस गवर्नेंस के लक्ष्य को साकार करने के लिए डिजिटल कैबिनेट एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से कागज के उपयोग में कमी आएगी, निर्णय प्रक्रिया अधिक सुगम होगी तथा सरकारी कार्यों में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। तेलंगाना डिजिटल कैबिनेट के लागू होने के साथ ही राज्य देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां शासन-प्रशासन में डिजिटल तकनीक को प्राथमिकता दी जा रही है।

वनकर्मियों को मिलेंगे प्रतिष्ठित 'वन संरक्षण पदक' और नकद पुरस्कार

> तेलंगाना सरकार की महत्वपूर्ण पहल

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वन संपदा की रक्षा और वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले वन विभाग के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य सरकार ने 'तेलंगाना स्टेट वन संरक्षण मेरिटोरियस सर्विस मेडल्स रूल्स-2026' को लागू करते हुए वनकर्मियों के लिए चार प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा की है।

वन, पर्यावरण एवं धर्मादाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा के प्रयासों से शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य वन विभाग के कर्मचारियों की सेवाओं को सम्मानित करना और उनमें सेवा भावना को प्रोत्साहित करना है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने पूर्व में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से वनकर्मियों को विशेष पदक प्रदान करने का अनुरोध किया था, जिसे अब सरकार ने अमल में ला दिया है। वन महोत्सव-2026 के शुभारंभ के अवसर पर लागू किए गए इन नियमों के तहत तेलंगाना वन संरक्षण पदक (रजत पदक), तेलंगाना उत्कृष्ट वन संरक्षण पदक (रजत पदक), तेलंगाना विशिष्ट वन संरक्षण पदक (स्वर्ण पदक), मुख्यमंत्री वन शौर्य पदक (विशेष स्वर्ण पदक) चार पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के साथ नकद पुरस्कार और मासिक प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। सरकार ने वन संरक्षण पदक के लिए 10,000, उत्कृष्ट वन संरक्षण पदक के लिए 15,000, विशिष्ट वन संरक्षण पदक के लिए 20,000 तथा मुख्यमंत्री वन शौर्य पदक के लिए 25,000 की नकद राशि निर्धारित की है।

वन भूमि को अतिक्रमण से बचाने, वन अपराधों पर नियंत्रण, वन्यजीव संरक्षण, वन विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, नर्सरी प्रबंधन, वनाग्नि रोकथाम, जीआईएस एवं एमआईएस जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का चयन इन पुरस्कारों के लिए किया जाएगा। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि यह नई पुरस्कार व्यवस्था वन विभाग के कर्मचारियों में कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और सेवा भावना को और मजबूत करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार कर्मचारियों और जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी बताया कि इन पुरस्कारों का वितरण प्रतिवर्ष राज्य स्थापना दिवस 2 जून अथवा सरकार द्वारा निर्धारित किसी विशेष अवसर पर किया जाएगा।वन विभाग के कर्मचारियों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त की है और इसे उनके मनोबल को बढ़ाने वाला कदम बताया है।

तेलंगाना पुलिस अकादमी में आधुनिक प्रशिक्षण संपन्न

डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण पर हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस अकादमी में कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर स्तर तक के फील्ड पुलिस अधिकारियों की जांच क्षमताओं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित चार दिवसीय फास्ट-ट्रैक प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

अकादमी की निदेशक अभिलाष विष्ट की विशेष पहल पर आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में फील्ड अधिकारियों की दक्षता बढ़ाना था। कार्यक्रम में कॉल डिटेल रिकॉर्ड, इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड, टावर डंप विश्लेषण, सोशल मीडिया प्रोफाइलिंग तथा डिजिटल फुटप्रिंट एनालिसिस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।पांचवें बैच में कुल 31 अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिनमें एक इंस्पेक्टर, छह सब-इंस्पेक्टर, तीन हेड कांस्टेबल और 21 कांस्टेबल शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को आधुनिक तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी विश्लेषण कर अपराधों का शीघ्र खुलासा करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित किए गए। समापन समारोह कोर्स निदेशक वी. भास्कर तथा कोर्स समन्वयक एवं साइबर विशेषज्ञ प्रगति रतन की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया आधारित अपराध, व्हाइट कॉलर क्राइम और संगठित अपराधों की जांच में डिजिटल साक्ष्यों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के आधार पर अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध जांच को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक ढंग से संचालित कर सकेंगे।

टीजीएसपीडीसीएल एईई रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया

हैदराबाद, 18 जून(स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में, भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो के अधिकारियों ने गुरुवार को टीजीएसपीडीसीएल, आईडीए बोलाराम संगारेड्डी के अतिरिक्त सहायक अभियंता (संचालन) बी रामा कृष्णा रेड्डी को कथित तौर पर 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए हाथों पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, अधिकारी ने कथित तौर पर 12 जून, 2026 को एक कार दुर्घटना में बिजली के खंभे को हुए नुकसान के मामले में कार्रवाई न करने के बदले में शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। आईडीए बोलाराम स्थित अधिकारी के कार्यालय के पास जाल बिछाया गया था, जहां दोपहर लगभग 1:25 बजे उसे रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। अधिकारी के पास से अवैध रूप से जमा की गई नकदी बरामद की गई। एसीबी ने कहा कि अधिकारी ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया था।आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरटीसी कर्मचारी संघ चुनाव प्रक्रिया का शेड्यूल जारी करने के निर्देश

1 जुलाई से 11% फिटमेंट लागू होगी : मंत्री पोनम प्रभाकर

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोनम प्रभाकर ने राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आरटीसी कर्मचारी मान्यता प्राप्त संघों के चुनावों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने और चुनाव कार्यक्रम जारी करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने घोषणा की कि आरटीसी हड़ताल के दौरान सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार आरपीएस-2021 के तहत 11 प्रतिशत फिटमेंट 1 जुलाई से लागू किया जाएगा। सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने बताया कि जनकल्याण सरकार के 30 माह के कार्यकाल में 1,078 करोड़ रुपये की लागत से 2,815 नई बसें खरीदी गई हैं। साथ ही एटूरू नागारम और पेद्दापल्ली में दो नए बस डिपो स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने नागरकर्नूल और पेद्दापल्ली बस डिपो का निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा मुलुगु बस स्टेशन का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। वेंमुलवाड़ा और कथलापुर बस स्टेशनों के शिलान्यास कार्यक्रम एक सप्ताह के भीतर आयोजित करने तथा महबूबनगर, हुजूरनगर, कोदाड और नागरकर्नूल बस स्टेशनों के लिए भी योजनाएं तैयार करने को कहा।

मंत्री ने बताया कि वर्तमान में आरटीसी के पास 10,173 बसें और 38,128 कर्मचारी हैं, जो प्रतिदिन लगभग 35 लाख किलोमीटर का संचालन कर 61 लाख यात्रियों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। राज्य में 1,050 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को लाभ-हानि वाले मार्गों का विस्तृत अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में आत्महत्या करने वाले आरटीसी कर्मचारी शंकर के परिवार को कर्मचारियों से एकत्रित धनराशि से 1 करोड़ रुपये का चेक प्रदान करने, परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने तथा इंदिरम्मा आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश भी दिया गया।

महिला से छेड़छाड़ मामला दर्ज

हैदराबाद, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने एक घर के बाहर रंगोली बना रही महिला के साथ कथित छेड़छाड़ करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय महिला जुबली हिल्स स्थित एक घर में काम करती है। गुरुवार सुबह वह घर के सामने रंगोली बना रही थी, तभी मोटरसाइकिल से पहुंचे एक अज्ञात व्यक्ति ने वाहन सड़क पर खड़ा किया और महिला के पास पहुंचकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी और निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

प्रधानमंत्री पीएम-वीबीआरवाई योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपये वितरित करेंगे

तेलंगाना में कई जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए

हैदराबाद/नई दिल्ली, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के सफल कार्यान्वयन के उपलक्ष्य में 19 जून को एक राष्ट्रव्यापी रोजगार अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे, जिसका मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से लगभग 2,400 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित करेंगे, जिससे देश भर में 15 लाख से अधिक लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय कार्यक्रम में लगभग 1,200 लाभार्थी, नियोक्ता और विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे, जबकि क्षेत्रीय कार्यक्रम देशभर के 200 स्थानों पर एक साथ आयोजित किए जाएंगे।

अनुमान है कि लगभग 9,000 नियोक्ताओं और 45,000 कर्मचारियों सहित 65,000 से 70,000 प्रतिभागी इसमें भाग लेंगे।तेलंगाना में, हैदराबाद, संगारेड्डी, करीमनगर, निजामाबाद और हनमकोंडा में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संसद सदस्य, विधायक, मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि भाग लेंगे। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्य श्रम मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, सांसद एटाला राजेंद्र, धर्मपुरी अरविंद और कडियाम काव्या आदि शामिल हैं। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य रोजगार सृजन को मजबूत करना, कार्यबल के औपचारिकरण को बढ़ावा देना और पीएम-वीबीआरवाई योजना के तहत लाभार्थियों तक पहुंच बढ़ाना है। विज्ञान भवन से होने वाली कार्यवाही का सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में एक्वा फीड की कीमत में कटौती

अमरावती, 18 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एक्वा किसानों ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में एक्वा फीड की कीमतों में छह बार वृद्धि हुई, लेकिन कीमतों में कमी लाने के लिए कोई प्रभावी पहल नहीं की गई। किसानों के अनुसार वर्ष 2019 में फीड की कीमत 87.80 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो पिछली सरकार के कार्यकाल के अंत तक बढ़कर 107.80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। किसानों ने बताया कि गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद फीड की कीमत में पहले ही 5.80 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी की गई थी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में तथा कृषि एवं सहकारिता मंत्री के. अच्चेनायडू, एक्वा किसानों, फीड निर्माताओं और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बुधवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल फीड निर्माताओं ने एक्वा फीड की कीमत में प्रति किलोग्राम 4 रुपये की अतिरिक्त कटौती पर सहमति जताई। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान 112 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत घटकर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो जाएगी। एक्वा किसानों ने अपनी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्वा खेती के लिए बिजली 1.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से उपलब्ध कराने के निर्णय का भी स्वागत किया।बैठक में किसानों ने कहा कि एक्वा खेती को केवल गोदावरी जिलों तक सीमित न रखकर श्रीकाकुलम जिला से नेल्लोर जिला तक पूरे तटीय क्षेत्र में विस्तार देने का श्रेय मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को जाता है। मुख्यमंत्री ने किसानों से उत्पादन लागत कम कर अधिक लाभ अर्जित करने के उपाय अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों की आजीविका से जुड़े एक्वा क्षेत्र की रक्षा और विकास करना गठबंधन सरकार की जिम्मेदारी है तथा सरकार इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी।

वर्षाकाल की तैयारियों पर ट्रैफिक प्रबंधन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 18 जून(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना महानगरीय क्षेत्र एवं शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय स्थित पब्लिक सेफ्टी इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस सेंटर में वर्षाकालीन तैयारियों, जलभराव वाले क्षेत्रों और ट्रैफिक प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ, सीएमसी आयुक्त सृजना, साइबराबाद क्षेत्र के विभिन्न डीसीपी तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग की वर्षा संबंधी भविष्यवाणियों और चेतावनियों के मद्देनजर मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों की विस्तृत समीक्षा की गई। शहर के विभिन्न छोटे, मध्यम और बड़े जलभराव बिंदुओं की पहचान कर वहां जलजमाव की समस्या रोकने के लिए अग्रिम उपाय करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वर्षा के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग सतर्क एवं सक्रिय रहें। ट्रैफिक प्रबंधन की समीक्षा के दौरान सड़कों पर खराब होकर खड़े होने वाले वाहनों को शीघ्र हटाने तथा यातायात बाधित न होने देने पर जोर दिया गया। इसके लिए विशेष टीमें तैयार रखने और आवश्यक स्थानों पर ड्रोन के माध्यम से यातायात की निगरानी कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर में बढ़ती ट्रैफिक भीड़ को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया। विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों, कॉरपोरेट कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य संगठनों को स्कूल बसों एवं सामूहिक परिवहन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि निजी वाहनों के उपयोग में कमी आने से यातायात दबाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस विभाग, सीएमसी, हाइड्रा, ट्रैफिक पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। साथ ही नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence … Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.